रांची, सोमवार | 20 अक्टूबर 2025 | वर्ष-26, अंक-256, पृष्ठ-12 | कार्तिक कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

मूल्य 2 रु.

शुभ दीपावली

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

दीपज्योतिः परंब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद
प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः॥

शुभकामनाएं

राष्ट्रीय नवीन मेल के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, कर्मयोगियों एवं शुभचिंतकों को **'दीपावली'** की हार्दिक शुभकामनाएं।

- संपादक

आवकाश की सूचना

'दीपावली' के अवसर पर **राष्ट्रीय नवीन मेल** कार्यालय 20 अक्टूबर (सोमवार) को बंद रहेगा। अत: अखबार का अगला अंक 22 अक्टूबर (बुधवार) को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

अयोध्या दीपोत्सव 2025

जगमगाई राम नगरी, सीएम योगी ने सरयू आरती के साथ शुरू किया दीपोत्सव, कहा

आस्था-विकास के आत्मविश्वास से चमक रहा नया भारत

विदेशी मेहमानों ने भी किया 'जय श्रीराम' का उद्घोष

अयोध्या (आईएएनएस)

राम नगरी अयोध्या रविवार शाम को भक्ति और रोशनी से चमक उठी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू नदी के किनारे मां सरयू की आरती करके 'दीपोत्सव-2025' की शुरुआत की। लाखों दीयों से सजी अयोध्या में उन्होंने कहा कि रामभक्तों के बलिदान से रंगी यह नगरी आज दीयों के प्रकाश में नहा रही है। यही नया भारत है, जो अपनी आस्था, पहचान और विकास के साथ आत्मविश्वास से चमक रहा है। वहीं, दीपों की रोशनी से नहाई अयोध्या की भव्यता ने न केवल देशवासियों का हृदय मोह लिया, बल्कि विदेशों से आए मेहमान भी इस दृश्य को देख अभिभूत हो गए। दीपोत्सव 2025 में बड़ी संख्या में विदेशी अतिथि अपने परिवारों और मित्रों के साथ अयोध्या पहुंचे थे। रविवार को राम की पैड़ी और सरयू घाट पर दीपों की झिलमिलाहट, पुष्पवर्षा और 'जय श्रीराम' के उद्घोष के बीच विदेशी मेहमान भी खुद को रोक नहीं सके।

शेष पेज 11 पर

दिव्य नजारे से मंत्रमुग्ध थे विदेशी पर्यटक

अयोध्या में उमड़े श्रद्धालुओं के जनसमुद्र को देखकर विदेशी मेहमानों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वे दीपों की रेखाओं के बीच अपने साथियों के साथ फोटो लेते और सेल्फी खींचते नजर आए। राम की पैड़ी, धर्मपथ और सरयू घाट के दिव्य नजारे ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। कई विदेशी पर्यटक अपने कैमरों में दीपोत्सव की हर झलक कैद करते रहे। दीपोत्सव से उत्साहित होकर उन्होंने जय श्रीराम का उद्घोष किया। पोलैंड से आई सिवोना ने कहा कि वे अपने दोस्तों के साथ पहली बार अयोध्या आई हैं। यहां के लोग हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। बहुत खुशमिजाज और फ्रैंडली हैं।

शेष पेज 11 पर

"दीपावली के पावन अवसर पर मैं भारत और दुनिया भर में सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। मैं सभी से सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से दीपावली मनाने का आग्रह करती हूं। यह दीपावली सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि लाए।

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति।

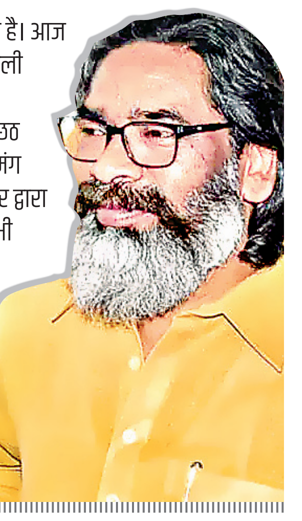

"त्योहारों का मौसम शुरू हुआ है। आज धनतेरस है, फिर दिवाली, काली पूजा, सोहराय, गोहाल पूजा, बांधना पर्व, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा और छठ पर्व भी आने वाला है। त्योहारों के इस उमंग को कई गुना करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मइयां सम्मान योजना की राशि भी सभी मइयां को भेजी जा रही है। यह त्योहार आप सभी अपने परिवार के साथ हंसी-खुशी मनाएं, आप सभी स्वस्थ रहें, यही कामना करता हूं। जोहार!

- हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री
(सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर)

बेतला नेशनल पार्क में तेंदुए ने फिर किया हिरण का शिकार

बेतला (लातेहार) । दीपावली के अवसर पर बेतला नेशनल पार्क में पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। यहां आए पर्यटकों ने बताया कि पार्क में तेंदुए की संख्या बढ़ गई है और उन्होंने हिरण का शिकार करते हुए तेंदुए का सजीव दर्शन किया। प्रजनन अवधि के कारण पार्क कुछ समय के लिए बंद रहता है, जिससे तेंदुओं की संख्या में इजाफा हुआ है। तेंदुआ, जो पैंथरा जीनस का छोटा लेकिन शक्तिशाली और चतुर जीव है, अपने शिकार के लिए विलक्षण तकनीक और तेज एकाग्रता का प्रदर्शन करता है। पर्यटक इस बढ़ी हुई सक्रियता से खुश हैं।

गिरिडीह की मिर्जागंज सब्जी मंडी में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प

गिरिडीह। गिरिडीह के जमुआ थाना क्षेत्र के जगन्नाथडीह मिर्जागंज सब्जी मंडी में रविवार को दो पक्षों के बीच हुआ मामूली विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों ओर से ईंट-पत्थर और लाठी-डंडे चलने लगे। इसमें 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सब्जी मंडी में वाहनों की आवाजाही के दौरान जाम को लेकर दो समूहों के बीच कहासुनी हुई थी।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

वेज-नॉनवेज बिरयानी के विवाद में गई जान

चौपाटी रेस्टोरेंट के संचालक की गोली मारकर हुई हत्या

विरोध में सड़क पर उतरे लोग, लगाया जाम

प्रशासन के समझाने के बाद जाम खत्म

नवीन मेल संवाददाता

पिठौरिया। राजधानी रांची के कांके रोड में शनिवार की देर रात करीब 11:30 बजे कुछ युवकों ने 'शेफ चौपाटी' रेस्टोरेंट के मालिक विजय कुमार नाग की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही, आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। इधर, इस वारदात के बाद कांके रोड और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई है। विजय रांची के मशहूर रेस्टोरेंट कारोबारी थे और कांके रोड पर उनका पुराना व्यवसाय था। उनकी हत्या से कारोबारी समुदाय में आक्रोश है। रविवार की सुबह जैसे ही लोगों को जानकारी मिली कि चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक विजय नाग की हत्या कर दी गई है, वे आक्रोशित हो गए। रविवार को दिन में करीब 10:00 बजे रेस्टोरेंट संचालक के परिजन और स्थानीय लोग सैकड़ों की संख्या में सड़क पर उतर आए। उन्होंने कांके-पिठौरिया रोड पर खूब हंगामा किया और सड़क को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा भी पंहुचे। उन्होंने भी आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पुलिस प्रशासन से की। जाम स्थल पर मृतक विजय की पत्नी भी पंहुची थीं। उनका रो-रोकर हाल बेहाल था। वह भी आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रही थीं। कांके विधायक सुरेश बैठा और पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद लोगों ने जाम खत्म कर दिया। कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक ने भीड़ को आश्वस्त किया कि हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी अविलंब की जाएगी। थाना प्रभारी के आश्वासन के बाद जाम को हटाया गया। इसके बाद सड़क पर वाहनों का परिचालन शुरू हो पाया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शनिवार की रात रेस्टोरेंट में कुछ युवक पहुंचे थे, जिन्होंने पहले से बिरयानी का पार्सल ऑर्डर किया था। बताया जा रहा है कि ऑर्डर में गलती से वेज बिरयानी की जगह नॉन वेज बिरयानी दे दी गई थी। घर पहुंचने के बाद युवक दोबारा रेस्टोरेंट पहुंचे और विजय से बहस करने लगे। विवाद के दौरान एक युवक ने पिस्तौल निकालकर विजय पर गोली चला दी, जो सीधे उनके सीने में लगी। गोली लगते ही विजय जमीन पर गिर पड़े। स्थानीय लोग गोली चलने की आवाज

शेष पेज 11 पर

एफजेसीसीआई ने कारोबारी की हत्या पर जताई गहरी चिंता

कहा, अपराधियों में प्रशासन का भय नहीं

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) ने कांके थाना क्षेत्र के रेस्टोरेंट संचालक की हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। चैंबर के पदाधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों से तत्काल बात की और राजधानी में लचर विधि व्यवस्था पर आपत्ति जताई। चैंबर ने घटना में दोषियों के विरुद्ध सख्त एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। घटना के बाद एफजेसीसीआई की लॉ एंड आर्डर उप समिति के चेयरमैन मुकेश अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की। एफजेसीसीआई के महासचिव रोहित अग्रवाल ने बताया कि त्यौहारी सीजन में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं पर चिंता जताते हुए चैंबर के पदाधिकारियों ने रविवार को चैंबर भवन में एक बैठक भी की। बैठक में कहा गया कि ऐसी घटनाओं से आमजन विशेषकर व्यापारी वर्ग सशंकित है।

शेष पेज 11 पर

पुलिस मुठभेड़ में हत्यारोपी को लगी गोली

रांची । चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक की गोली मारकर हत्या करने वाले अपराधी की रांची पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ की घटना रविवार रात कांके थाना क्षेत्र के सुकुरहुटू स्थित आईटीबीपी कैंप के आसपास हुई है। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में विजय नाग की हत्या करने के मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह को गोली लगी है। एसएसपी द्वारा गठित टीम घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि अभिषेक आइटीबीपी कैंप के आसपास छिपा है।

शेष पेज 11 पर

गोड्डा में पानी की टंकी गिरी, दो बच्चों की मौत

गोड्डा। गोड्डा के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के डाहुबेड़ा गांव में रविवार को पानी की टंकी गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं, अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। दोनों मृत बच्चे आदिम पहाड़िया जनजाति परिवार के हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मृतकों की पहचान 5 वर्षीय मेशा नंद पहाड़िया और 6 वर्षीय धर्मेंद्र पहाड़िया के रूप में हुई है। घायलों में 4 वर्षीय चंदन पहाड़िया, 5 वर्षीय मेशा पहाड़िया और 5 वर्षीय गौरव पहाड़िया शामिल हैं। जिस समय हादसा हुआ, उस समय बच्चे गांव में बनी लगभग 30 वर्ष पुरानी सीमेंट की टंकी के नीचे स्नान कर रहे थे। अचानक टंकी का पुराना ढांचा भरभरा कर गिर गया।

शेष पेज 11 पर

रांची में ब्राउन शुगर के साथ नशे का तस्कर किया गया गिरफ्तार

- **7 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही कीमत**
- **नशे के खिलाफ पुलिस की मुहिम ला रही रंग**

नवीन मेल डेस्क

रांची। रांची पुलिस की नशे के खिलाफ चलाई जा रही सघन मुहिम अब असर दिखाने लगी है। स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सूचनाओं के आधार पर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गोपनीय सूचना के आधार पर रांची एसएसपी के निर्देश पर हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई, जहां से पुलिस ने एक कुख्यात नशा तस्कर मोहम्मद राजू को 37.91 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। जब्त किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित कीमत 7 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है।

गिरफ्तार तस्कर का पहले से आपराधिक इतिहास भी रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह लंबे समय से इस अवैध धंधे में सक्रिय था।

शेष पेज 11 पर

चिनियां में भैंस चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या, तीन गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां । चिनियां थाना क्षेत्र के कुसुमदामर झाड़ी से युवक सुशील कोरवा का क्षत-विक्षत शव बरामद होने के बाद इस हत्या का खुलासा हो गया है। मृतक सुशील कोरवा, राजेंद्र कोरवा के पुत्र थे। मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) रोहित रंजन सिंह ने बताया कि 12 अक्टूबर की रात करीब तीन बजे

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, छापेमारी जारी

सुशील कोरवा दोस्तों के साथ गढ़वा से कार्यक्रम देखकर चिनियां लौट रहे थे। रास्ते में वह अभियुक्त रोहित यादव के दक्षिणी बरामदे पर खड़ी भैंस के पास रुके थे। रोहित यादव ने भैंस चोरी के संदेह में उन्हें देख कर लाठी से पीटना शुरू कर दिया और चोर-चोर का शोर मचाया।इस दौरान संतोष यादव और कोमल यादव भी मौके पर आए। तीनों ने मिलकर सुशील कोरवा को बेरहमी से पीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव को झाड़ी में छिपा दिया गया और मृतक के कपड़े, मोबाइल और चप्पल उनके भाई मुकेश कोरवा को सौंप दिए गए

शेष पेज 11 पर

इंडिया

विधायकपति, अपराधी, गायिका से लेकर टिकट बेचवा के आरोपों के बीच चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव की बिसात बिछ गई है और सोशल मीडिया में पटना एयरपोर्ट पर गाली गलौज से लेकर मारपीट के वीडियो के बीच कांग्रेस में सिर फुटौव्वल जैसे हालात हैं। इन नेताओं ने सीधे राहुल गांधी की आलोचना तो नहीं की, पर केंद्रीय नेतृत्व से सवाल किया कि 'राहुल गांधी के भरोसे का दुरुपयोग हुआ है।' इनके अनुसार केंद्रीय नेतृत्व की प्रदेश नेतृत्व पर निगरानी कमजोर रही है, जिसके चलते निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता खत्म हो गई है। विधानसभा चुनाव में बेटा, पति, पत्नी, बहू, समधन, साली सबकी भागीदारी है। कहीं पति के लिए वोट मांगती पत्नी दिखेगी तो कहीं बहू के लिए ससुर आशीर्वाद मांगेंगे। पत्नी, बेटे और साली के लिए भी पसीना बहाते बड़े चेहरे होंगे। राजनीतिक और जातिगत समीकरण तथा पारिवारिक बंधन में सभी पार्टियों में यह दिख रहा है।हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) प्रमुख जीतन राम मांझी एनडीए के अन्य प्रत्याशियों के साथ बहू, दामाद और समधन के लिए प्रचार करेंगे। गयाजी के इमामगंज से बहू दीपा मांझी, बाराचट्टी से समधन ज्योति देवी और जमुई के सिकंदरा से दामाद प्रफुल्ल कुमार मांझी मैदान में हैं। पति-पत्नी का मेल सासाराम में भी दिखेगा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा सासाराम में पत्नी के लिए प्रचार करते दिखेंगे।उन्होंने पत्नी स्नेहलता कुशवाहा को उम्मीदवार बनाकर चुनावी मैदान में उतारा है। उपेंद्र बेटे दीपक कुशवाहा को भी लाने की तैयारी में थे। महुआ पसंदीदा सीट थी, लेकिन अब चर्चा है कि वे संगठन संभालेंगे, पत्नी सासाराम से मैदान में होंगी और बेटे का विधान परिषद के जरिए राजनीतिक करियर शुरू होगा। इसी तरह सारण जिले की मढ़ौरा सीट पर लोजपा (रामविलास) की प्रत्याशी और भोजपुरी अभिनेत्री सीमा सिंह समेत चार उम्मीदवारों के नामांकन पत्र तकनीकी त्रुटियों के कारण रद्द कर दिए गए हैं। एनडीए खेमे के लिए इसे झटका माना जा रहा है। भाजपा के दो नामों पर सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा और आलोचना हो रही है लोकगायिका मैथिली ठाकुर जिनकी योग्यता और पात्रता पर सवाल है और बक्सर सीट से पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा अपनी सख्त प्रशासनिक छवि और जनता से निकटता के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने सेवा के दौरान कई बड़े अपराधों का पर्दाफाश किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी साफ-सुथरी छवि बीजेपी को इस क्षेत्र में मजबूत बनाएगी।इसी तरह सोशल मीडिया पर चल रहे भावुक पोस्ट और चारित्रिक विवादों में रहे भोजपुरी एक्टर पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह के काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ सकती हैं। अब किसी अन्य पार्टी से उनके चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि सभी ने लगभग प्रत्याशियों को सिंबल दे दिया है। आरजेडी पार्टी ने 22 मौजूदा विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि दो सीट पर विधायक के बेटे चुनावी मैदान में उतरेंगे। सीवान के पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर से उम्मीदवार बनाने के लिए मौजूदा विधायक हरिशंकर यादव को बे-टिकट कर दिया गया है।भोजपुरी के बोल्ड और अश्लील गानों के लिए मशहूर सुपर स्टार खेसारी लाल यादव की पत्नी चंदा रानी को तेजस्वी यादव ने छपरा विधानसभा सीट से टिकट दिया था पर अब खेसारी खुद उम्मीदवार हैं । विदेशिया प्रसिद्ध भिखारी ठाकुर की धरती पर लड़ाई दिलचस्प हो गई है। टिकट देने में अलग दिख रही जनसुराज पार्टी और मुस्लिम हितों की बात करने वाली एआईएमआईएम महागठबंधन के वोट को नहीं तोड़ पाती हैं, तो ढाई दशकों से साईकिल,पोशाक,सहायता और आरक्षण देकर युवा महिला वोटबैंक बनाने वाले एनडीए के लिए यह एक बड़ी चुनौती होगी या जनता की विकास की आस जाति,परिवार और फिल्मी कलाकार या उनकी पत्नियां जीतकर कैसे दूर करेंगी देखना दिलचस्प होगा।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

एआई जेनरेटेड

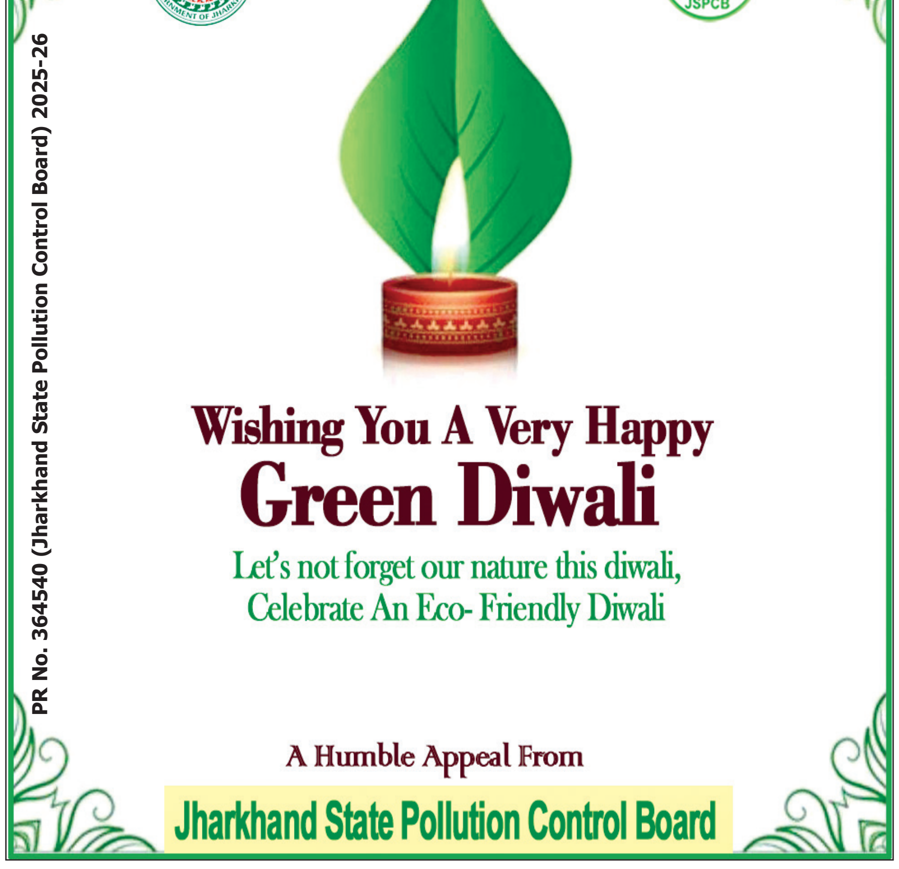

रांची जिले की लाभुकों को अक्टूबर महीने की राशि का हुआ भुगतान, बोले डीसी

आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मंईयां सम्मान योजना अहम कदम

- **झारखंड सरकार ने दीपावली एवं छठ पर्व पर महिलाओं को दिया उपहार**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दीपावली एवं छठ पूजा पर झारखंड सरकार ने राज्य की महिलाओं को विशेष उपहार स्वरूप मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत सम्मान राशि का भुगतान किया है। इस योजना के तहत रांची जिले की कुल 3 लाख 88 हजार 406 लाभुकों के बैंक खातों में आधार बेस्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 2,500 रुपए प्रति लाभुक की दर से कुल 97 करोड़ 10 लाख 15 हजार रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना राज्य की महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दीपावली और छठ जैसे पावन अवसरों पर इस राशि का भुगतान महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान और घरों में खुशहाली लाएगा। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र लाभुकों को समय पर और पारदर्शी तरीके से भुगतान मिले।'यह भुगतान अक्टूबर माह की सम्मान राशि के रूप में किया गया है। इससे रांची जिले की लाखों महिलाओं को त्योहारों से पूर्व आर्थिक सशक्तिकरण का लाभ मिला है।

प्रखंडों व शहरी क्षेत्रों में भुगतान की स्थिति (अक्टूबर माह)

क्षेत्र	लाभुकों की संख्या	क्षेत्र	लाभुकों की संख्या
अनगड़ा	16,843	लापुंग	11,478
अरगोड़ा शहरी क्षेत्र	12,417	मांडर	23,395
बड़गाईं शहरी क्षेत्र	9,413	नगड़ी	18,159
बेड़ो	20,797	नगड़ी शहरी क्षेत्र	8,168
बुंडू	8,525	नामकुम	18,021
बुंडू नगर पंचायत	3,572	नामकुम शहरी क्षेत्र	9,078
बुढ़मू	18,073	ओरमांझी	18,310
चान्हो	19,894	राहे	9,647
हेहल शहरी क्षेत्र	15,442	रातू	18,792
इटकी	10,482	सिल्ली	21,382
कांके	31,828	सोनाहातू	13,192
कांके शहरी क्षेत्र	1,325	तमाड़	18,714
खलारी	9,703	सदर शहरी क्षेत्र	21,754

गोवर्धन पूजा 22 को, एक आध्यात्मिक परंपरा का उत्सव, बोले संजय सर्राफ

गोवर्धन पूजा संतुलन का देता है संदेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि गोवर्धन पूजा दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को मनाई जाती है। इस वर्ष गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट पूजा 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह पावन पर्व भगवान कृष्ण द्वारा अपने भक्तों पर किए गए आशीर्वाद के प्रति सम्मान प्रकट करता है। यह हिंदुओं के हृदय में एक विशेष स्थान रखता है क्योंकि यह उस अवसर का स्मरण कराता है जब भगवान कृष्ण ने अपने भक्तों को प्रकृति के प्रकोप से बचाने के लिए इंद्र के अहंकार का नाश किया था।इस पर्व का संबंध श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से है। मान्यता है कि द्वापर युग में जब ब्रजवासियों ने हर वर्ष इंद्र देव की पूजा करनी चाही, तब बाल स्वरूप श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का परामर्श दिया। श्रीकृष्ण का तात्पर्य था कि प्रकृति—पर्वत, वन, पशु और जल स्रोत ही हमारे जीवन के वास्तविक आधार हैं।

इंद्र के क्रोधित होने पर मूसलधार वर्षा हुई, तब श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। तब से यह पर्व 'गोवर्धन पूजा' के रूप में मनाया जाता है।गोवर्धन पूजा के दिन भगवान श्रीकृष्ण को विविध प्रकार के व्यंजन- सब्जियां, मिठाइयाँ, अनाज, फल, पकवान आदि का 'अन्नकूट' अर्पित किया जाता है। गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पर्यावरण, प्रकृति और समाज के प्रति श्रद्धा, समर्पण और संतुलन का संदेश है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना और उसे संरक्षित रखना ही सच्ची पूजा है।

बिहार में राजद के साथ ही झारखंड में भी इंडी गठबंधन की खुली पोल : सूरज मंडल

नवीन मेल संवाददाता

- पूर्व सांसद ने कहा, सिद्धांत और विचारधारा विहीन दलों को खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा

रांची। अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद, पूर्व जैक उपाध्यक्ष, झारखंड मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल ने रविवार को कहा कि वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में राजद के साथ ही इंडी गठबंधन में शामिल सभी दलों की पोल खुल गई है। इंडी गठबंधन में शामिल सभी दलों की तथाकथित दोस्ती की धज्जियां उड़ गई हैं। झारखंड में भी हेमंत सोरेन के नेतृत्व में काम कर रही इंडी गठबंधन सरकार को भी सिद्धांत, नीति, राजनीति से बेमेल गठबंधन का खामियाजा उठाना ही पड़ेगा। डॉ मंडल ने कहा कि इस अजब-गजब गठबंधन का ठीकरा अभी झामुमो के सिर पर फूटा है और अब इस गठबंधन में शामिल सभी दलों के सिद्धांत, विचारधारा, नीति, रणनीति, राजनीतिक दृष्टिकोण के साथ ही जनता के प्रति उनके व्यवहार की पोल-पट्टी भी खुल चुकी है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि जिस प्रकार से राजद ने झामुमो को दूध की मक्खी की तरह एक प्रकार से बिहार में अपने गठबंधन से बाहर फेंक दिया है, वह यह बताने के लिए पर्याप्त है कि राष्ट्रीय जनता दल झारखंड और यहां के लोगों के विषय में कैसा दृष्टिकोण रखता है। डॉ मंडल ने कहा कि राजद का एकमात्र उद्देश्य झारखंड की राजनीति में बने रहकर यहां की मलाई खाने में है और इसके लिए उसने झारखंड मुक्ति मोर्चा को बेवकूफ बनाया हुआ है। लेकिन, इस घटना के लिए पूरे तरीके से झारखंड मुक्ति मोर्चा और उसके कर्ताधर्ता ही जिम्मेदार हैं। डॉ मंडल ने कहा कि इसी राष्ट्रीय जनता दल और उसके नेताओं ने झारखंड स्वायत्त शासी परिषद (जैक) का विरोध किया था। लालू प्रसाद ने तो यहां तक कहा था कि झारखंड उनकी लाश पर ही बनेगा। लेकिन, झारखंड गठन के बाद वे यहां के खान-खनिज की लूट के साथ ही झारखंड के सिद्धांत विहीन सरकार में खुद को शामिल करने से रोक नहीं सके। दूसरी तरफ, झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी सत्ता में बने रहने के लिए हर तरह के नीति-सिद्धांत को ताक पर रखकर खुल्लम-खुल्ला राजद जैसे दल के साथ हाथ मिलाकर सरकार का गठन किया। यह न केवल विचारधारा के साथ धोखा था, बल्कि झारखंड के लोगों के साथ विश्वासघात भी था। डॉ सूरज मंडल ने कहा कि हेमंत सोरेन ने अभी भी राजद के एक विधायक को मंत्री बनाकर अपनी सरकार में शामिल कर रखा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अब स्वयं ही इस बात पर आत्मचिंतन करना चाहिए कि झारखंड के लोगों के बीच उनकी कैसी छवि बनी है। क्योंकि, अब यह बात पूरे तरीके

आजसू के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन मे पहुंचे एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन

घाटशिला में एनडीए प्रत्याशी की जीत तय : सुदेश

- **आजसू ने संघर्ष किया, भाजपा ने दिया झारखंड : बाबूलाल सोरेन**

नवीन मेल संवाददाता

रांची/घाटशिला। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि घाटशिला की जनता बदलाव चाहती है और ठगबंधन की सरकार से मुक्ति चाहती है। उन्होंने घाटशिला टाउन हॉल में आजसू के विधानसभा स्तरीय बूथ सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत सुनिश्चित है। सम्मेलन में प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन भी उपस्थित थे।

श्री महतो ने कहा कि हेमंत सरकार ने विगत 6 वर्षों में बालू–कोयला की लूट और भ्रष्टाचार को प्रश्रय दिया है, जिससे जनता ठगा महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता को सवाल पूछने का भी अधिकार नहीं क्योंकि यहां लोकतंत्र नहीं राजतंत्र चल रहा है। इस कारण सूचना आयोग को निष्क्रिय कर दिया गया है। श्री महतो ने कहा कि इस उपचुनाव में जनता वोट के माध्यम से हेमंत सरकार को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि राज्य विकास में पीछे छूट गया है। यह सामाजिक समरसता को खराब करने वाली सरकार है। श्री महतो ने कहा कि एनडीए जीतेगा तो राज्य में अवैध वसूली बंद होगी।

एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने कहा कि आजसू की झारखंड निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। सुदेश महतो तथा अन्य आजसू नेता झारखंड आंदोलनकारी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजसू ने संघर्ष किया और भाजपा ने अलग राज्य दिया। श्री सोरेन ने कहा कि महागठबंधन प्रत्याशी को हराकर घाटशिला की जनता इतिहास रचेगी।

पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि आजसू कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक करें और एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में माहौल तैयार करें। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को झामुमो ने अपमानित किया।

सम्मेलन को केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, महासचिव हरेलाल महतो, भाजपा नेता अभय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव, आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह, सत्यनारायण बेसरा, सुधारानी बेसरा, संजय सिंह,मुसाबनी प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम, राजू कर्मकार, सुखलाल हेंब्रम आदि ने भी संबोधित किया। संचालन प्रवीण प्रसाद ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन बुद्धेश्वर मुर्मू ने किया।

अंजुमन इस्लामिया चुनाव में हव्वारी समाज उतारेगा प्रत्याशी

रांची। जमीअतुल हवारीन झारखंड के बैनर तले हव्वारी समाज की विभिन्न पंचायतों की बैठक रविवार को मो. इस्लाम की अध्यक्षता में हुई। इसमें अंजुमन इस्लामिया के आगामी चुनाव पर चर्चा हुई। घोषणा की गई कि इसबार चुनाव में हव्वारी समाज भी अपना प्रत्याशी उतारेगा। मो. इस्लाम ने कहा कि अंजुमन इस्लामिया, रांची के चुनावों में पूर्व में हव्वारी पंचायत की अनदेखी की गई है। इसलिए इस बार अंजुमन के चुनाव में हव्वारी पंचायत से भी प्रत्याशी खड़ा करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने लोगों से अंजुमन के चुनाव में जातिवाद को बढ़ावा न देने की अपील की। साथ ही कहा कि मुस्लिम समाज के हर पंचायत का प्रतिनिधित्व अंजुमन इस्लामिया रांची में होना चाहिए। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि वे साफ-सुथरी छवि और व्यक्तित्व के मालिक, जो जातिवाद से ऊपर उठकर काम करने वाले हों, ऐसे उम्मीदवार को चुनें। इनकी रही मौजूदगी बैठक में मरकजी हवारी पंचायत से मो. शहजाद, चौधरी हवारी पंचायत से मो. जमील, जमीअतुल हवारीन जम्हूरी पंचायत से मो. वसीम, मिल्लत हवारी पंचायत से मो. सलीम (बड़गाईं), सहित विभिन्न हवारी पंचायत के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित थे।

झारखंड में होगी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

- **रांची का न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री बढ़ा**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दीपावली और छठ पर्व के दौरान राज्य के कई इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन कुछ क्षेत्रों में बारिश खलल डाल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 20 अक्तूबर को झारखंड के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में आकाश में बादल छाये रहेंगे। कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 21 से 23 अक्तूबर तक कई जिलों में सुबह के समय कोहरा और धुंध छाये रहने की संभावना है, हालांकि थोड़ी देर बाद मौसम साफ हो जाएगा। अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने ताजा अपडेट में बताया है कि अंडमान सागर और इससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती हवा स्थित है। इसके प्रभाव से 24 अक्तूबर को बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव वाला क्षेत्र (लो प्रेशर) बनने की पूरी संभावना है। यह पश्चिम-उत्तर की ओर बढ़ सकता है और तीव्र हो सकता है। 25 अक्तूबर के बाद इसका असर झारखंड के कई जिलों पर पड़ सकता है। इससे छठ पर्व के आसपास मौसम में बदलाव हो सकता है और कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है। इससे ठंड बढ़ सकती है। शनिवार को रांची के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि देखी गयी। रांची का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें पिछले 24 घंटे में 1.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें 0.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा। मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूनतम 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा। चाईबासा का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूनतम 19.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसमें पिछले 24 घंटे में 1.4 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद श्रद्धालुओं ने किया ग्रहण

मंदिर को रंग- बिरंगी रोशनी और दीपों से सजाया गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 234 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा प्रणामी ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद में केसरिया खीर एवं आलू का चिप्स का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों द्वारा मनमोहक सुमधुर भजनों मे अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि दीपावली के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर को आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी एवं दीपों से सजाया गया है। तथा श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य आलौकिक श्रृंगार किया गया है। दीपावली के दिन विशेष पूजा-अर्चना, भजन कीर्तन किया जाएगा।

इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल,मधुसूदन जाजोदिया मनीष जालान पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, सुरेश भगत, भगत, विष्णु सोनी, पवन पोद्दार, मुरली प्रसाद, हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, बसंत वर्मा, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

रामचंद्र रूंगटा के निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने जताया शोक

रांची। प्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य रामचंद्र रूंगटा के आकस्मिक निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल एवं महामंत्री विनोद कुमार जैन ने शोक व्यक्त करते करते हुए कहा की स्वर्गीय रुंगटा का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उनका समाज, व्यापार और सेवा के क्षेत्र योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने सदैव समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कर्मभूमि को सेवा और संस्कारों से आलोकित किया। उनके निधन से समाज ने एक सच्चे मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और करुणामय व्यक्तित्व को खो दिया है।

संघ के प्रदेश महासचिव बने सुनील

आशा और विश्वास पर खरा उतरुंगा : सुनील कुमार सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव के निर्देशानुसार एवं अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी ने सुनील कुमार सिंह को प्रदेश महासचिव झारखंड (भारतीय जनता मजदूर संघ) नियुक्त किया है। संघ के प्रति उनकी सक्रियता, लग्नशीलता, कर्मठता एवं ऊर्जा को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी ने सुनील कुमार सिंह को प्रदेश में मजदूरों के हित में संघ को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है। इस मौके पर डॉक्टर अर्जुन चौधरी ने कहा कि सुनील कुमार सिंह के संघ से जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी। उनकी अनुशासन, मेहनत व संगठन के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए केंद्रीय कमेटी ने उन्हें प्रदेश महासचिव की बागडोर सौंपी है। उन्होंने कहा की भारतीय जनता मजदूर संघ देश में संगठित व असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों व उनके परिवारों को कल्याण हेतु विभिन्न रूप में कार्य कर रहा है।

सुनील कुमार सिंह ने भारतीय जनता मजदूर संघ का प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव, राष्ट्रीय महामंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अर्जुन चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद पांडे, अनिल सिंह, अनुरोध पांडे सहित समस्त पदाधिकारीयों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सुनील कुमार सिंह को भारतीय जनता मजदूर संघ का प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर मुकेश कुमार सिंह, सुमन कुमार सिंह, सोनी सिंह, ममता चौहान, रेणु दुबे, अभिषेक सिंह, यश सिंह परमार, राकेश रंजन उर्फ मुन्ना, विवेक कुमार, अधिवक्ता राजीव राज सहित सैकड़ों लोगों ने बधाई दी है।

मुकाबला | राज्य स्तरीय स्कूली कुश्ती प्रतियोगिता संपन्न

खिलाड़ी खेल पर ध्यान केंद्रित करें : रजनीश कुमार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा खेलगांव स्थित गणपत राय इनडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत नन्हे-मुन्ने कुश्ती खिलाड़ियों के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया। खेलो झारखंड के मंच से पहली बार 20 जिलों के स्कूली पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और राज्य में कुश्ती के उज्जवल भविष्य की झलक प्रस्तुत की।

मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि झारखंड कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार और राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वही रजनीश कुमार ने कहा कि सभी खिलाड़ी अभी अपने करियर के शुरुआती दौर में हैं। यदि वे अनुशासन, समर्पण और निरंतर मेहनत के साथ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें, तो आने वाले समय में वे न केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि ओलंपिक तक अपनी पहचान बना सकते हैं।

प्रतियोगिता में बालक वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती में अंडर-19 श्रेणी में कोडरमा जिला विजेता, गोड्डा उपविजेता और धनबाद द्वितीय रनर-अप रहा। वहीं बालिका वर्ग में जेएसएसपीएस, रांची विजेता , गुमला उपविजेता रहा और पश्चिमी सिंहभूम सेकेंड रनर अप रहा। अंडर-19 बालक वर्ग के ग्रीको रोमन शैली में साहिबगंज विजेता, कोडरमा उपविजेता और जेएसएसपीएस, रांची द्वितीय रनर-अप बना। अंडर-17 बालक वर्ग के ग्रीको रोमन शैली में जेएसएसपीएस, रांची विजेता , साहिबगंज उपविजेता और धनबाद द्वितीय रनर-अप रहा। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती में जेएसएसपीएस, रांची विजेता, पश्चिमी सिंहभूम उपविजेता और कोडरमा द्वितीय रनर-अप रहा।

अंडर 17 बालक वर्ग के फ्री स्टाइल शैली में विजेता साहिबगंज, उपविजेता देवघर और सेकेंड रनर अप गढ़वा बना। अंडर 14 बालिका फ्री स्टाइल शैली विजेता साहिबगंज, उपविजेता देवघर और सेकेंड रनर अप गुमला बना। सभी आयु वर्गों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाणपत्र और चैंपियन जिलों को ट्रॉफी देकर मुख्य अतिथि श्री रजनीश कुमार एवं राज्य खेल कोषांग के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया।

सभी विजेता खिलाड़ियों एवं चैंपियन जिलों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग तथा खेल कोषांग के सदस्यों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

शहर में सुरक्षा का पहरा छठ तक रहेगा जारी

रांची। दीपों के पर्व दीपावली और मां काली पूजा के पावन अवसर पर राजधानी रांची में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। सोमवार को रांची नगर निगम क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। नियमित गश्त के अलावा, विभिन्न पूजा पंडालों, प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में दंडाधिकारियों के साथ 500 से अधिक अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। बाइक दस्तों की गश्त, सादे लिबास में महिला पुलिस शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर 12 मोटरसाइकिल दस्तों को गश्त पर लगाया गया है। हर दस्ते में चार पुलिसकर्मी शामिल हैं, जो अति-संवेदनशील इलाकों की निगरानी कर रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम बाजारों में खरीदारी करने निकलीं महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति अपनाई गई है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादे लिबास में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। यह दस्ता विशेष रूप से उचक्कों, जेबकतरों और अन्य अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रख रहा है। पंडालों से लेकर पटाखा बाजारों तक निगरानी शहर के 67 से अधिक काली पूजा पंडालों और मेला परिसरों में अतिरिक्त बल की प्रतिनियुक्ति की गई है, साथ ही हर पंडाल के लिए एक दंडाधिकारी भी नियुक्त किया गया है। प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल नशे में वाहन चलाने वालों, बेवजह मजमा लगाने वालों और जुआरियों के अड्डों पर भी विशेष नजर रख रही है। सिटी एसपी ने पटाखा क्लस्टर की जांच की रविवार को सिटी एसपी पारस राणा ने कचहरी रोड स्थित जयपाल सिंह स्टेडियम के पास लगे पटाखा क्लस्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी दुकानदारों को अग्निशमन उपायों को दुरुस्त रखने और नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। सिटी एसपी ने कहा, पर्व-त्योहार को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। यह व्यवस्था महापर्व छठ तक बहाल रहेगी, ताकि नागरिक शांतिपूर्वक त्योहार मना सकें।

रांची में दीपावली पर बाजारों में जबरदस्त रौनक दिख रही है

दीपावली आज, सजावटी सामानों व दीयों की खूब हो रही है बिक्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में दीपोत्सव को लेकर बाजार पूरी तरह सज-धज कर तैयार हो चुका है। हर गली और चौक पर दीपावली की रौनक दिख रही है। शहर के लालपुर, अपर बाजार, मेन रोड, कांटाटोली, हरमू और हटिया चौक में दीपावली की खरीदारी जोर-शोर से चल रही है। दुकानों में मिठाइयों की महक, रंग-बिरंगे झालरों की चमक और ग्राहकों की भीड़ ने बाजारों की रौनक कई गुना बढ़ गई है।

दीपावली के अवसर पर भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इसे लेकर बाजारों में पूजन सामग्रियों की बिक्री में भी जोर-शोर से हो रही है। दुकानों में पूजा थाल, अगरबत्ती, कपूर, कलश, धूप और देवी-देवताओं की मूर्तियां बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, मिट्टी के दीये, घरौंदा, करंज का तेल, मिट्टी के बर्तन, सजावटी लाइटें, तोरण, रंगोली और कैंडल जैसी वस्तुओं की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

● घरौंदा और दीये की जमकर बिक्री

इस बार बाजार में सबसे अधिक भीड़ घरौंदा और मिट्टी के दीयों की दुकानों पर देखी जा रही है। शहर के लालपुर चौक, अपर बाजार और कांटाटोली इलाकों में मिट्टी के दीये बेचने वाले कारीगरों ने दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाया है। मिट्टी के पारंपरिक दीयों के साथ-साथ रंगीन, डिजाइनर और बिजली से चलने वाले दीयों की भी मांग बढ़ी है। लगातार खरीदार दुकानों पर पहुंच रहे हैं और अपनी पसंद के अनुसार सजावटी सामग्री खरीद रहे हैं।

● कीमतों में बढ़ोतरी का बाजार पर असर

विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष दीयों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में मिट्टी और तेल के दाम बढ़ने से दीयों की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल प्रति सैकड़ा दीयों की कीमत 120 से 130 रुपए थी, वहीं इस बार 150 से 200 रुपए तक प्रति सैकड़ा दीयों की बिक्री हो रही है। विक्रेताओं के अनुसार दीपावली से पहले हुई बारिश और मिट्टी की कमी के कारण लागत में बढ़ोतरी हुई है, जिसका सीधा असर बाजार पर पड़ा है।

कारीगरों को मिला सहारा

दीपोत्सव से स्थानीय कुम्हारों और कारीगरों को भी बड़ा सहारा मिला है। ग्रामीण इलाकों से आए कारीगर रांची के बाजारों में अपने हाथों से बने पारंपरिक दीये और घरौंदे बेच रहे हैं। कई महिला स्वयं सहायता समूह भी सजावटी दीये, मोमबत्तियां और हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री बेच रहे हैं, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है।

रोशनी से जगमग होगी राजधानी

शहर के सभी बाजारों, चौक-चौराहों और गलियों में रंगीन झालरों और बिजली की लाइटों से सजावट की जा रही है। नगर निगम द्वारा प्रमुख सड़कों पर विशेष प्रकाश की व्यवस्था की गई है। वहीं लोगों ने अपने घरों और दुकानों को भी आकर्षक सजावट की हैं।

काली पूजा पंडाल में 1001 सुहागिनें करेंगी नशामुक्त समाज के लिए महाआरती

रांची। काली पूजा स्वागत समिति, हरमू रोड के पूजा पंडाल में 21 अक्तूबर की शाम को सुहागिनें नशामुक्त समाज के आह्वान के साथ प्रार्थना कर आरती उतारेंगी। इस महाआरती के माध्यम से, सभी महिलाएं समाज के हर वर्ग के लोगों से नशामुक्त समाज बनाए रखने के लिए सहयोग का आह्वान करेंगी। महाआरती में एक हजार एक (1001) महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा में शामिल होंगी। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष प्रेम वर्मा ने बताया कि महाआरती में शामिल होने वाली महिलाओं के बीच सुहाग पिटारा का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सोमवार को देर रात मनोहारी पूजा पंडाल में मां काली की विधान के साथ पूजा होगी। पंडाल का स्वरूप इस वर्ष पंडाल का प्रारूप काल्पनिक है। पंडाल के अंदर मुख्य मंडप में मां काली की प्रतिमा को विराजमान किया जाएगा। पंडाल के आस-पास रंग-बिरंगे बल्बों से आकर्षक सजावट की गई है।

डिजाइनर दीया मेकिंग वर्कशॉप मे बच्चों ने दिखाई अपनी सृजनात्मकता

रांची। दीपावली की पूर्व संध्या एवं छोटी दीपावली पर आईफा इंटरनेशनल द्वारा एक विशेष "डिजाइनर दिया मेकिंग वर्कशॉप" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों ने विभिन्न प्रकार के दीयों को रंग, मोती, ग्लिटर और सजावटी सामग्रियों से अनोखे अंदाज़ में डिजाइन किया। हर एक दिया अपनी अलग पहचान और रचनात्मकता का उदाहरण बन गया। संस्था के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक कला और पर्यावरण-सुरक्षित दीपावली मनाने की भावना को प्रोत्साहित करना था।

दीपावली पर्व को लेकर श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में की जा रही विशेष तैयारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में दीपावली पर्व को लेकर व्यापक तैयारी चल रही है। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष अशोक लड़िया एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान की देखरेख में सभी तैयारियां चल रही हैं। बंगाल के विभिन्न हिस्सों से आए कारीगर दिन-रात मंदिर को सजाने में लगे हुए हैं।

दीपावली पर बेंगलुरु के लाल गुलाब, पीला गुलाब, पर्पल एस्टर, क्रिस्तमन, तुलसीदल की मोटी-मोटी मालाओं से बाबा श्याम का अद्भुत श्रृंगार किया जाएगा। सोमवार (20 अक्टूबर) को प्रातः कालीन 5:00 बजे के पट खुलने के बाद 5:30 बजे की मंगला आरती के बाद नियमित प्रातः कालीन श्रृंगार करके श्रृंगार आरती की जाएगी। ज्ञात हो कि दीपावली पर बाबा श्याम का दीपावली महास्नान, विशेष पूजन एवं तिलक श्रृंगार किया जाता है।

इसी क्रम में मंदिर के पट दिन में 11:00 बजे से लेकर संध्या 5:30 तक बंद रहेंगे। इस दौरान भक्तों के लिए मंदिर के पट दर्शनार्थ भी बंद रहेंगे। संध्या 5:30 के उपरांत बाबा श्याम रजत सिंहासन पर विराजमान होकर भक्तों को दिव्य दर्शन देंगे।

मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के नेतृत्व में श्रृंगार की समुचित तैयारी चल रही है। मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लाडिया विशेष लड्डू भोग का प्रसाद कुशल कारीगरों द्वारा बनवा रहे हैं। 5100 से ज्यादा का लड्डू का भोग बाबा श्याम को कल वितरित किया जाएगा। मंडल के महामंत्री मंदिर की समुचित तैयारी एवं व्यवस्था की देखरेख कर रहे हैं। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि दीपावली के विशेष अवसर पर सभी श्याम भक्त बाबा के सम्मुख चौखट पर बैठकर दीप प्रज्वलन कर सकते हैं।

18वां राष्ट्रीय कुंड़ुख सम्मेलन 24 से

रांची। आदिवासी लूर अड्डा हतमा में कुंड़ुख लिटरेरी सोसायटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली, झारखण्ड चैप्टर की बैठक, चैप्टर चीफ धीरज उरांव की अध्यक्षता में हुई। जिसमें 18वां राष्ट्रीय कुंड़ुख सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक झारसुगुड़ा जाने के संबंध में चैप्टर चीफ कार्यक्रम से संबंधित विस्तार पूर्वक चर्चा किया। डॉ बंदे खलखो ने कार्यक्रम के दौरान अनुशासन बनाए रखने की बातें कही। ब्लासियुस पन्ना ने भाषा साहित्य को बढ़ाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की, डॉ कीर्ति मिंज ने कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखने की विशेष बाते कही।

बैठक में सुखराम उरांव, कृष्णा उरांव, लक्ष्मण उरांव, लखन उरांव, शीतलजीत उरांव, सबिता कुमारी रेशमा उरांव, आशिष उरांव, महावीर उरांव, शशि उरांव, रोनित उरांव आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम में छात्रों को पढ़ाई के दौरान अनुशासन में रहने को कहा गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ पोलिटेक्नीक एण्ड टेक्नोलॉजी (एक्सआईपीटी) में इंडक्शन कार्यक्रम 2025 का आयोजन उत्साह और प्रेरणा के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

एक्सआईपीटी कोऑर्डिनेटर डॉ अशोक कुमार सांडिल एसजे ने विद्यार्थियों को उद्देश्यपूर्ण और उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सत्र के विशेष वक्ता ब्रदर अनिल नाग ने छात्रों को अपनी पढ़ाई के दौरान केंद्रित, अनुशासित और मूल्य-उन्मुख बने रहने के लिए प्रेरित किया। उनके शब्दों ने युवाओं को सफलता की नींव के रूप में ईमानदारी और कड़ी मेहनत को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अतुल गेरा ने स्वैच्छिक रक्तदान को मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी के कार्य के रूप में महत्व दिया। इसके बाद साइबर पीस फाउंडेशन की मीडिया और साइबर जागरूकता प्रोफेशनल, शुभांगी शिफा ने एक विशेष सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने साइबर शांति और सामाजिक जागरूकता पर बात की, जिसमें डिजिटल सुरक्षा बनाए रखने, गलत सूचना को रोकने और प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सत्र का समापन करते हुए, डॉ. एसके अहमद ने स्वास्थ्य, अनुशासन और व्यावसायिक नैतिकता पर जोर दिया कि ये मूल्य शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

छात्रा प्राची प्रिया को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डंगरा टोली स्थित संस्थान द ब्लैकबोर्ड में वर्ष 2025 के टॉपर छात्रों को एक रंगारंग कार्यक्रम में सम्मानित किया गया है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप नरसरिया रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि तथा निदेशक सुशांत मिश्रा और विनय सिंह समेत साथी शिक्षकों ने किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति भी की गई। इस कार्यक्रम में झारखंड टॉपर छात्रा प्राची प्रिया को ट्रॉफी मेडल और पचास हजार रूपय देकर सम्मानित किया गया।

ज्ञात हो संस्थान के 40 बच्चों ने विज्ञान 12वीं की परीक्षा में 90% से ज्यादा अंक प्राप्त किया है साथ ही साथ राज्य के सभी प्रतिष्ठित स्कूल एवं कॉलेज के टॉप टेन में अपनी जगह बनाई है।

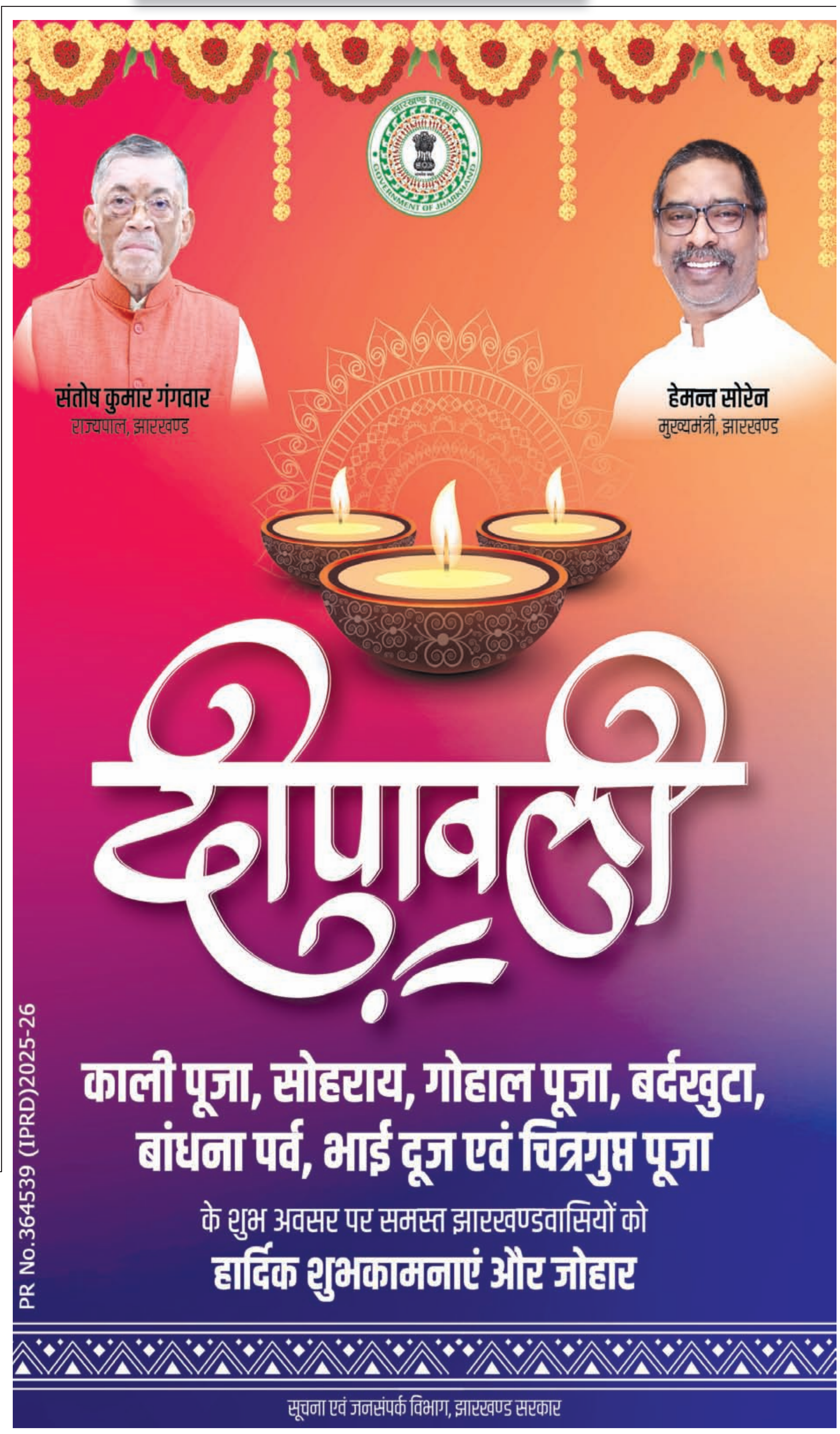

करांजी में कपड़ा सुखाने वाले खूंटा उखाड़ने के विवाद पर दो पक्षों में मारपीट

तीन महिलाएं सहित आठ लोग घायल दो गंभीर, अस्पताल रेफर

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के करांजी गांव में रास्ते में कपडा.सुखाने वाला खूंटा उखाड़ने के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान ईंट-पत्थर चले, जिसमें दो युवतियां एक महिला सहित नौ लोग घायल हो गए। एक घर को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घायलों में से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें रिम्स रेफर किया गया है। यह घटना बेडो. थाना क्षेत्र के करांजी गांव के बस्ती की है जहां रविवार की सुबह लगभग आठ बजे रास्ते पर गड़े हुए कपड़ा सुखाने के लिए गाडे. गए खूंटे को उखाड़ने को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते कहासुनी से मारपीट में बदल गया। घटना को साम्प्रदायिक मामला के रूप में तुल देने की कोशिश की गई लेकिन पुलिस प्रशासन के रूप में बेडो. थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव, नरकोपी थाना प्रभारी नागेश्वर साव, ईटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार सहित बेडो. के कई पुलिस के पदाधिकारी और सशस्त्र बल पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव ने बताया कि करांजी गांव में रविवार की सुबह लगभग आठ बजे मोनिका कुमारी रास्ते के किनारे गड़े खूंटे में कपड़ा सुखाने के लिए गई। वहीं अब्दुल रशीद ने आ कर खूंटा उखाड़ दिया। इसके बाद ईंट पत्थर व लाठी डंडे से दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी। जिसमें आठ लोग घायल हो गए है। इधर एक पक्ष के मोनिका कुमारी पति संदीप गोप ने छेड़छाड़ व जानलेवा हमला करने को लेकर लिखित आवेदन दिया है। वहीं दूसरे पक्ष से रुखसाना खातून पति खुर्शीद अंसारी ने छेड़छाड़ व जानलेवा हमला करने को लेकर आवेदन दिया है। वहीं पुलिस मामले को लेकर छानबीन कर रही है। इधर घटना स्थल पर पुलिस तैनात किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है। जिनमें एक पक्ष के घायल युवक की पहचान करांजी गांव निवासी 20 वर्षीय अजय कुमार महतो पिता संजय महतो 18 वर्षीय संजीता कुमारी पिता बरोज गोप 32 वर्षीय सिकंदर महतो पिता छोटेलाल महतो 30 वर्षीय सोनी देवी पति सरोज गोप 16 वर्षीय सुनीता कुमारी पिता बरोज गोप हैं। वहीं दूसरे पक्ष से 18 वर्षीय अब्दुल मुतल्लीफ 60 वर्षीय मुस्तकीम अंसारी पिता स्व रमजान अंसारी 30 वर्षीय बदरुद्दीन अंसारी उर्फ छोटू पिता स्व रमजान अंसारी है। जिनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डा विनीता प्रसाद के देखरेख में किया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल संजीता कुमारी और अब्दुल मुतल्लीफ को बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन मिली है और मामले की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर बेडो. थाना में डीएसपी अशोक कुमार राम व अंचलाधिकारी राज कुंवर सिंह के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक आयोजित कर मामले को तुल नहीं देने, आपस में मिलजुल रहने सहित कई दिशा निर्देश दिया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के प्रदेश कमेटी का हुआ गठन

रांची। राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष निपु सिंह ने झारखंड प्रदेश कमेटी का गठन किया है। इसमें 27 सदस्य शामिल है। नई कमेटी में उपाध्यक्ष-5, महासचिव 2 सचिव-5, उपसचिव-5, संगठन मंत्री 5, मीडिया प्रभारी 2. प्रवक्ता-2, कोषाध्यक्ष-1 नियुक्त किए गए हैं। उपाध्यक्ष में अब्दुल कुदूस खान, मुनेश्वर महतो, संदीप चौरसिया, अशोक सिंह व चंदन कुमार साव, महासचिव में मिथिलेश कुमार पांडेय व प्रेम कुमार ठाकुर, सचिव में मंजय दुबे, रोहित कुमार, राकेश कुमार सिंह, उदय कुमार कुशवाहा, सरबेश सिंह, उपसचिव में सुरेश पंडित, यशवंत कुमार ठाकुर, तेजपाल मुंडा, शंभू प्रसाद वर्मा, सुमन सिंह, संगठन मंत्री में हेमंत टोप्पो, सुधीर कुमार साव, धर्मेंद्र ठाकुर, अनुराज लकड़ा, रामधारी राय, प्रवक्ता मिथिलेश कुमार पांडेय, शिव शंकर साहु, मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार जायसवाल, कृष्णा कुमार व कोषाध्यक्ष रोशन शर्मा का नाम शामिल है।

न्यूज बॉक्स

दीपावली उत्सव का आयोजन

मांडर। सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं भारती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने रंगोली प्रतियोगिता एवं दीया प्रतियोगिता में भाग लिया। महाविद्यालय की शैक्षणिक सचिव डॉ. दीपाली परासर ने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। कार्यक्रम में संस्थान की अध्यक्ष छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर एवं महाविद्यालय की प्राचार्या निहारिका श्रीवास्तव उपस्थित थीं।

पिठौरिया अंबेडकर चौक में सोनी स्वीट का हुआ उद्घाटन

पिठौरिया। पिठौरिया अंबेडकर मुख्य चौक में शनिवार को सोनी स्वीट होटल का भव्य उद्घाटन किया गया। होटल का उद्घाटन समाजसेवी अरुण कुमार केसरी, संजय मेडिकल, रंजीत कुमार साहू, शिवचंद कुमार साहू, मुख्तार अंसारी,और सुदर्शन नायक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस मौके पर होटल के संचालक रंजीत कुमार ने बताया कि सोनी स्वीट में ग्राहकों को बेहतर सेवा और स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया। उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने डुकु छठ घाट के साफ सफाई का किया निरीक्षण

बेड़ो। बेड़ो के ऐतिहासिक डुकु छठ तालाब की साफ सफाई को लेकर रविवार को बंधु तिर्की ने अंचलाधिकारी राजकुंवर सिंह के साथ मिलकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छठ घाट के साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जहां निरीक्षण के क्रम में श्री तिर्की ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूरे झारखंड में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वहीं छठव्रतियों को किसी भी तरह से कोई परेशानी न हो इसके लिए कई दिशा निर्देश दिया। साथ ही सड़क से तालाब परिसर व घाट में बेहतर सजावट ,लाईट बाजा, टेंट, रोशनी व सजावट कराए जाने का निर्देश दिया। मौके पर थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव, कांग्रेसी नेता सह विधायक प्रतिनिधि नवल किशोर सिंह, प्रो करमा उरांव, उपप्रमुख मोददसिर हक, किशोर साहू, बजरंग गोप, अरुण एक्का, शनीचरवा तिर्की, शशि गोप, एतवा लोहरा, संजय कच्छप, जयंत खन्ना, समेत कई लोग मौजूद थे।

बाइक चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

मांडर। मांडर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में ब्राम्बे निवासी 30 वर्षीय जावेद अंसारी (पिता स्व. आबिद अंसारी), ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के बनापीड़ी गांव निवासी 32 वर्षीय मुस्तफिस अहमद (पिता तहारत हुसैन) और चान्हो थाना क्षेत्र के पंडरी गांव निवासी 30 वर्षीय मुजफ्फर अंसारी (पिता सुल्तान अंसारी) शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल एवं उसके पाट्र्स बरामद किए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों को अलग-अलग हिस्सों में बेचने की फिराक में थे। मामले की जांच जारी है।

छठ महापर्व को लेकर समाज कल्याण समिति की हुई बैठक

सिल्ली। समाज कल्याण समिति मुरी सिल्ली की छठ महापर्व को लेकर एक बैठक का आयोजन छोटा मुरी परिसर में हुई जिसकी अध्यक्षता समाज के सचिव जितेंद्र यादव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष छठ महापर्व र पर समाज के द्वारा संध्या में फल का वितरण साथ ही साथ सुबह में स्टॉल के माध्यम से सूर्य उत्तरायण को अध्य देने के लिए गाय का दूध और छठव्रती के लिए चाय का भी वितरण किया जाएगा। इस मौके पर प्रविन्द पांडेय, कमलेश दुबे,रमेश राय,राजेश प्रजापति, सदस्य राजेश यादव, शर्मानंद यादव, कन्हैया ठाकुर, जयकांत मिश्रा,संजय कुमार,लालू यादव, जितेश सिंह,रंजीत कुमार,रामनाथ यादव इत्यादि समाज के लोग उपस्थित थे।

बाइक और मोबाइल लूटकांड के दो अपराधियों को भेजा गया जेल

मुरी। मुरी ओ पी पुलिस ने रविवार को मोटरसाइकिल एवं मोबाइल लूट कांड के दो अपराध कर्मियों को जेल भेजा।प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरी ओ पी में दर्ज कांड संख्या 63/24 दिनांक 19 अगस्त 2024 एवं कांड संख्या 27/25 दिनांक 6 मार्च 2025 को दर्ज कांड के तहत रफीक अंसारी (59),पिता कासिम अंसारी बामनी,सिल्ली एवं इमरान अंसारी उर्फ राजू (48),पिता सुलेमान अंसारी पुरुलिया रोड,रजा कॉलोनी,रांची निवासी को मुरी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते चलें की दोनों अपराध कर्मियों के ऊपर विभिन्न जिलों एवं थानों में दर्जनों कांड दर्ज हैं तथा पूर्व में भी कई बार जेल जा चुके हैं।

रांची विश्वविद्यालय की आर्चरी टीम घोषित

रांची। रांची विश्वविद्यालय आर्चरी टीम की घोषणा कर दी गई। यह टीम भटिंडा में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय आर्चरी प्रतियोगिता में भाग लेगी। टीम कल रांची से भटिंडा के लिए रवाना होगी। टीम रवानगी से पूर्व रांची विश्वविद्यालय के खेल कोऑर्डिनेटर डॉ राजेश गुप्ता ने टीम को बधाई दी है और शुभकामना के साथ अच्छे खेल का प्रदर्शन करने की बात कही। इस टीम में दो प्रशिक्षक के अलावा एक मैनेजर रवाना होंगे। टीम का चयन पिछले दिन सिल्ली कॉलेज में आयोजित हुई। अंतर कॉलेज अचारी प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। **पुरी टीम इस प्रकार है :** रिकव मैं आदित्य रॉय, अभिषेक कुमार,प्रतीक कुमार शाह, अभय कुमार, कंपाउंड में कृष चंद्रदेव मोहम्मद आदिल पवन करमाली और अमर भगत जबकि इंडियन राउंड में अमरजीत कुमार दीपक कुमार बलिराम कुमार और चंदन प्रमाणिक होंगे जबकि महिला वर्ग में मोनिका कुमारी अनुराधा कुमारी प्रज्ञा मुंडा मीना कुमारी वही कंपाउंड में पूजा हेंब्रम सविता कुमारी कर्माई कुमारी सुशीला कुमारी और इंडियन राउंड में तमन्ना चौधरी पूनम कुमारी रीना कुमारी और सरिता कुमारी होगी जबकि शिशिर कुमार महतो और करण कर्मकार कोच के रूप में टीम के साथ जाएंगे जबकि जेएन कॉलेज के उर्दू विभाग के सहायक शिक्षक प्रोफेसर गालिब होंगे।

फ्लाई ऐश परिवहन पर खलारी प्रशासन की सख्त कार्रवाई

12 हाइवा ट्रक जब्त, प्रदूषण रोकने के लिए प्रशासन हुआ सक्रिय

- **ट्रकों से फ्लाई ऐश खुले में उड़कर सड़कों पर फैल रहा था, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंभीर वायु प्रदूषण की स्थिति बनी रहती है जिससे लोग परेशान रहते हैं**

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। फ्लाई ऐश के असुरक्षित परिवहन पर लगाम लगाने के लिए खलारी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को खलारी थाना पुलिस एवं अंचल प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में फ्लाई ऐश लदे 12 हाइवा ट्रक जब्त किए गए। कार्रवाई का नेतृत्व अंचल अधिकारी प्रणव अंबष्ट और थाना प्रभारी पुनि जयदीप टोप्पो ने किया। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए सभी वाहन फ्लाई ऐश परिवहन के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। इन ट्रकों से फ्लाई ऐश खुले में उड़कर सड़कों पर फैल रहा था, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंभीर वायु प्रदूषण की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। स्थानीय समाचार पत्रों में लगातार प्रकाशित खबरों और खलारी व्यवसायी संघ, खलारी डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन तथा आम नागरिकों की शिकायतों के बाद प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया। शिकायतों में कहा गया था कि ट्रांसपोर्टरों द्वारा मनमाने ढंग से फ्लाई ऐश की ढुलाई की जा रही है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है और बाजार क्षेत्र सहित रिहायशी इलाकों में धूल की परत जम रही है। अंचल अधिकारी ने बताया कि जब्त वाहनों के संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी को अग्रेतर कार्रवाई हेतु पत्राचार किया जा रहा है। इसे 190(2) जेएमवीटी एक्ट कारवाई हेतु भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सीपीसीबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, फ्लाई ऐश का परिवहन केवल बंद कंटेनर या बल्कर ट्रकों में किया जाना चाहिए ताकि सड़क पर एक भी कण न गिरे। साथ ही यदि किसी कारणवश फ्लाई ऐश गिरता है तो तत्काल उसकी सफाई सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसके बावजूद खलारी क्षेत्र में लंबे समय से खुले ट्रकों से ढुलाई जारी थी, जिससे सड़कें धूल से पट गई थीं और वायु गुणवत्ता लगातार गिर रही थी।

गंभीर मरीज को ए पॉजिटिव ब्लड की तत्काल आवश्यकता

समाजसेवियों ने पेश की मानवता की मिसाल

पिठौरिया । रांची- बारियातू स्थित जेनेटिक सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में भर्ती प्रदीप मुखी नामक मरीज की हालत गंभीर बनी हुई थी। डॉक्टरों ने ए पॉजिटिव ब्लड की तत्काल आवश्यकता बताई। खबर मिलते ही समाजसेवियों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया।युवा समाजसेवी पंकज कुमार साहू ने तुरंत एक यूनिट ब्लड डोनेट कर मरीज की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता विवेक प्रताप सिंह ने एक यूनिट ब्लड की व्यवस्था कराकर सेवा और इंसानियत का परिचय दिया।मरीज के परिजनों ने दोनों समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ऐसे लोग ही समाज की सच्ची पूंजी हैं, जिनके प्रयास से आज कई घरों में उम्मीद की किरण जग रही है। इस नेक कार्य की पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। लोग इसे मानवता की

ठाकुरगांव थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

ठाकुरगांव। ठाकुरगांव थाना प्रभारी शुभम कुमार ने रविवार को थाना परिसर मे शांति समिति के सदस्यो के साथ एक बैठक की। बैठक मे सौहार्दपूर्ण वातावरण मे दिवाली छठ पूजा और बरौदी जतरा मनाने का निर्णय लिया गया। प्रभारी ने कहा की छठ घाट पर वें खुद पुलिस बल के साथ लगातार निगरानी करते रहेंगे। ठाकुरगाँव के जनप्रतिनिधियों ने समस्याओ को रखा, और जुवाड़ियों, गँजेड़ियों तथा चौक चौराहो पे होने वाले अड्डाबाजी पर अंकुश लगाने की बात कही। इस पर थाना प्रभारी ने कहा की उनकी पैनी नज़र ज्यादातर इसी पर है, वें हमेशा समाज को जागृत करने का ही प्रयास करते है, और आगे भी वे लगातार स्कूल पर जाकर और ग्रामीण छेत्रो पर जाकर बच्चों को शिछा के लिए प्रेरित करने का काम करेंगे। मौके पर जिला परिषद सदस्य मनोज वाजपेयी, मुखिया सचिन पहान, सबिता देवी, भुवनेस्वर साहू, शिवशंकर उराव, बिनोद कुशवाहा, संजय पटेल मौजूद थे।

रांची की अलभ्या ने रायपुर में एआईटीए सीएस 7 टूर्नामेंट में चमक बिखेरी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रायपुर स्थित एपिसेम अकादमी में आयोजित एआईटीए सीएस 7 टेनिस टूर्नामेंट में झारखंड के रांची की उभरती हुई टेनिस स्टार अलभ्या (11) ने अंडर-12 बालिका वर्ग डबल्स के फाइनल में पहुंचकर अपने धैर्य और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। 10 से 17 अक्टूबर के बीच आयोजित इस टूर्नामेंट में अलभ्या हर्ष और ब्राह्मणी पोनम की जोड़ी ने एक कड़े मुकाबले में फागुन ज्योति और वण्या पुंडीर की जोड़ी के साथ लम्बा संघर्ष किया और उप विजेता घोषित की गई । वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में अलभ्या ने टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे लंबा रिकॉर्ड बनाया। 4 घंटे और 1 मिनट तक चले एक ज़बरदस्त मैच में उन्होंने अपनी सहनशक्ति, दृढ़ संकल्प और असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। अलभ्या के प्रदर्शन की प्रशिक्षकों, दर्शकों और साथी खिलाड़ियों ने समान रूप से प्रशंसा की है। अपने से बड़ी और अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने न केवल अपनी जगह बनाए रखी, बल्कि अपनी सहनशक्ति और खेल भावना की सीमाओं को भी पार किया। 7 वर्ष की उम्र से रांची में टेनिस प्रशिक्षण शुरू करने के बाद अलभ्या ने पहले भी राज्य और राष्ट्रीय स्टार की अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है और दर्जनों पुरस्कार जीते हैं। झारखंड में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है, कम संसाधनों में भी यहां के खिलाड़ी बेहतर खेल का प्रदर्शन कर कर रह हैं। बस उन्हें प्रोत्साहन की जरूरत है। झारखंड में पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्री खिलाड़ी पैदा हुए हैं जो देश और विदेशा में अपना बेहतर प्रदर्शन किया है।

जनजातीय पुस्तक का विमोचन

रांची। डॉ. कामिल बुल्के पथ स्थित बड़ाई टोली में रविवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा पुस्तकों की दुकान का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन पूर्व सांसद रामटहल चौधरी और कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजाराम महतो ने किया। इस अवसर पर दो पुस्तकों- कुरमाली निबंध (लेखक: डॉ. एच.एन. सिंह) और सृष्टिधरेक गीत (लेखक: बिजराज महतो) का विमोचन भी किया गया। मौके पर डॉ. मंजय प्रमाणिक, डॉ. धनेश्वर महतो, देवेंद्र नाथ महतो, मुक्तिपद महतो मौजूद थे।

लोगों की श्रद्धा महंगाई पर भारी पड़ी महिलाएं और बच्चों की भी भीड़ देखी गई

दीपावली पर खलारी बाजार में रही रौनक लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की हुई जबरदस्त बिक्री

- **मां लक्ष्मी के पैरों की आकृति वाले स्टीकर 10 से 80 रुपए, जबकि गणेश-लक्ष्मी स्टीकर और शुभ-लाभ वाले सेट 20 से 100 रुपए तक बिके**

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। दीपावली पर्व को लेकर रविवार को खलारी के केडी बाजार सहित पूरे कोयलांचल क्षेत्र के बाजारों में खूब चहल-पहल रही। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, दीयों, पटाखों, फूल-मालाओं और सजावट के सामानों की जबरदस्त बिक्री हुई। सुबह से ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। धनतेरस के दिन ही अधिकांश लोगों ने भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्तियों की खरीदारी कर ली थी, फिर भी छोटी दिवाली के दिन भी बाजारों में खरीदारी का उत्साह कम नहीं हुआ। महंगाई के बावजूद लोगों की श्रद्धा महंगाई पर भारी पड़ी। बाजारों में 50 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक की मूर्तियां बिकी। लोगों ने अपने बजट के अनुसार मूर्तियों और पूजन सामग्री की खरीदारी की। पूजन सामग्री के साथ-साथ सजावट के सामानों की भी खूब मांग रही। मां लक्ष्मी के पैरों की आकृति वाले स्टीकर, श्रीगणेश और लक्ष्मीजी के स्टीकर तथा 'शुभ-लाभ' जैसे प्रतीक चिन्हों की बिक्री जोरों पर रही। मां लक्ष्मी के पैरों की आकृति वाले स्टीकर 10 से 80 रुपए, जबकि गणेश-लक्ष्मी स्टीकर और शुभ-लाभ वाले सेट 20 से 100 रुपये तक बिके। दीपावली पर्व में मिट्टी के दीयों की परंपरा आज भी बरकरार है। लोग मानते हैं कि दिवाली बिना मिट्टी के दीयों के अधूरी है। इस साल छोटे मिट्टी के दीये 180 से 200 रुपए प्रति सैकड़ा बिके। वहीं, चाइनीज झालरों की भी बाजार में अच्छी मांग रही। रंग-बिरंगी झालरों से दुकानें सजी हुई थीं। फुटपाथों पर दीये, पटाखे और सजावटी सामान बेचने वालों की दर्जनों दुकानें लगी थीं। मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की खूब भीड़ देखी गई। लड्डू और अन्य मिठाइयों की कीमतें 200 से 400 रुपये प्रति किलो तक रहीं। पूजा सामग्री की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ उमड़ती रही।

बस व बाइक की टक्कर में दो युवक घायल

सिल्ली । झारखंड में वाहनों की रफ्तार अभी पूरी तरह से अंकुश नहीं लग पाया है। हालांकि पुलिस ने इस काफी हक तक कामयाबी पाई मगर कुछ लोग लापरवाही करते हुए वाहनों को बेतरतीब चलते हैं जिससे उन्हें भुगतना पड़ता है। कुछ इसी तरह का मामलामुरी ओपी अंतर्गत सिल्ली प्रखंड मुख्यालय के समीप एक मोटरसाइकिल एवं चंद्रिका बस में टक्कर हो गई जिससे मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सुलुमजुड़ी निवासी शिवम कर्मकार(15) एवं राहुल कर्मकार (20) दोनो एक बाइक से अपने गांव सुलुमजुड़ी से झारखंड मोड़ आने के क्रम में प्रखंड मुख्यालय के समीप तेज रफ्तार से आ रही चंद्रिका बस से टक्कर हो गई। जिससे दोनों युवक घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों के द्वारा सिंगपुर नर्सिंग होम लाया गया जहां डॉक्टर रमनेश प्रसाद के द्वारा इलाज किया जा रहा है।

कुम्हार के घर पहुंच रहीं महिलाएं, महिला कारीगरों को कर रहीं प्रोत्साहित

नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल की अपील के बाद इसका खास असर देखने को मिला

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। समाज की ऐसी महिलाएं जो सशक्त और प्रबुद्ध हैं वो दीपावली के पहले वैसी महिलाओं के हौसले को सलाम करने निकली हैं जो दिन रात मेहनत कर दिवाली के लिए दीया तैयार कर रही हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल की अपील के बाद इसका खासा असर देखने को मिल रहा है. दीपावली में लोग इस बार हजारीबाग में दीया की खरीदारी अधिक कर रहे हैं. समाज की ऐसी महिलाएं जो सबल हैं वो दीया बनाने वाली महिलाओं के जज्बे को सलाम करते हुए हजारीबाग के कुम्हार टोली पहुंचीं. महिलाओं ने कहा कि आपके बनाए हुए दीए से ही इस बार हजारीबाग प्रकाशित होगा. आप इतनी मेहनत से दीए बनाते हैं कि आपके इस जज्बे और हुनर को हर कोई सलाम कर रहा है. दीया बनाने वाली महिला भी कहती हैं कि पहली बार कोई हमारे काम की प्रशंसा करने के लिए हमारे घर के दरवाजे तक पहुंचा है. जब लोग प्रशंसा करते हैं तो बेहद अच्छा लगता है. इस बार दीपावली में दिए की मांग पहले से अधिक है. जो यह दिखाता है कि लोकल सामान की खरीदारी अधिक हो रही है. दीपावली खुशियों का त्यौहार है. खुशियां बांटने से ही बढ़ती हैं. महिला सशक्तिकरण हजारीबाग में देखने को मिला जहां एक महिला दूसरी महिला की मेहनत को सलाम कर रही है.

छड़वा काली मंदिर में आज देर रात होगी काली माता की पूजा, कई गांव के भक्त होंगे शामिल

कटकमसांडी। छड़वा काली मंदिर में 20 अक्टूबर को देर रात काली पूजा होगी ।इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है । मंदिर के पुजारी राजेश पाण्डेय ने बताया कि मां काली की पूजा उनके भक्त श्रद्धा भक्ति के साथ करेंगे । जिसके बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। बताया जाता है कि वर्ष 2011 में छड़वा डैम पुल के पास से विखंडित मां काली की पतिमा मिली थी। जिसके बाद किसी प्रकार से विवाद ना हो इसके लिए उक्त प्रतिमा को कई दिनों तक पेलावल ओपी में रखा गया था । लेकिन ग्रामीण पेलावल पुलिस से संपर्क स्थापित कर विखंडित प्रतिमा को छड़वा डैम के पास स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू कर दिया । इस दौरान ग्रामीणों ने स्वयं और लोगों से सहयोग लेकर दक्षिण भारत के मंदिरों के तर्ज पर भव्य काली मंदिर का निर्माण कराया जो आज जिले में एक आकर्षण का केंद्र बिंदु बन रहा है। यहां पर दुर दराज इलाकों से मां काली के भक्त पहुंच कर पूजा अर्चना कर रहे हैं । मंदिर परिसर कई एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जहां पर हर दिन एक नई खुबसूरती गढ़ा जा रहा है ।इस परिसर को आकर्षित बनाने के लिए हजारीबाग के सांसद, विधायक के अलावा कई व्यवसायिक और सामाजिक लोग बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभा रहे हैं । काली मंदिर क्षेत्र के लगातार विकसित होने के कारण भक्ति गीतों के कलाकारों के लिए भक्ति गीतों के शुटिंग के लिए भीड़ लगी रहती है ।इधर राज्य सरकार भी इस स्थान को विकसित करने के दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। इसी क्रम में 18 सितंबर को हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह छड़वा डैम का निरीक्षण किया और पर्यटन की अपार संभावनाएं व्यक्त करते समग्र विकास की बात कही।

न्यूज बॉक्स

समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच ने गरीबों के बीच भोजन का किया गया वितरण

रामगढ़। समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच भुरकुंडा ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीब-जरूरतमंदों को भोजन कराया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच खीर-पुरी व चना का वितरण करते हुए कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई भी गरीब भूखा न रहे। पिछले दस वर्षों से यह भोजन सेवा जन सहयोग से लगातार चल रही है और आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने ऐसे नेक और सामजिक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करने की अपील की। मोक्व पर अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, प्रो. रामानुज सिंह, रिंकू वर्णवाल, शिवकुमार यादव, कपील राम, लखन राम, लालू उरांव आदि उपस्थित थे ।

सादगी के साथ बरही चित्रांश परिवार मनाएगा चित्रगुप्त पूजा, वार्षिक प्रीतिभोज स्थगित

बरही । चित्रांश परिवार बरही इस वर्ष चित्रगुप्त पूजा सादगी से मनाएगा. साथ ही प्रत्येक वर्ष की तरह आयोजित होने वाले सामूहिक प्रीति भोज भी स्थगित रहेगा. उक्त निर्णय न्यू कॉलोनी स्थित चित्रांश परिवार के संरक्षक शशांक शेखर प्रसाद के आवास पर संपन्न हुए बैठक मे उपस्थित चित्रांशों ने ली. बैठक की जानकारी देते हुए समाज के प्रखंड सचिव आशुतोष कुमार सिन्हा ने बताया कि कुछ हीं दिन पूर्व समाज के तीन वरिष्ठ सदस्य मुख्य संरक्षक स्व उपेंद्र प्रसाद, संरक्षक सिद्धेश्वर प्रसाद और पदमा के वरिष्ठ चित्रांश सुनील कुमार सिन्हा का असामयिक निधन होने के कारण यह निर्णय लिया गया है. पूजा पूर्वाहन साढ़े दस बजे से सूर्य मंदिर परिसर स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में प्रारंभ होगा. जिसमें सभी चित्रांशों की उपस्थिति की अपील की गई है. बैठक संरक्षक राजेंद्र रुखरियार की अध्यक्षता में हुई. जिसकी कारवाई अराध्यदेव चित्रगुप्त जी महाराज की वंदना से हुई. जिसका समापन तीनों मृतात्माओं की शांति के लिए दो मिनट के मौन धारण के साथ हुआ. बैठक में वरिष्ठ चित्रांश अजीत कटरियार, शैलेंद्र सिन्हा, संजय कुमार सिन्हा, जयदीप कुमार सिन्हा, दीपक शरण, श्याम कुमार सिन्हा, निखिल कुमार सिन्हा, लक्की सिन्हा आदि कई चित्रांश मौजूद थे.

वॉल्कन बजाज में हुई चोरी की घटना

रामगढ़ । रामगढ़ के दोपहिया वाहन शोरूम वॉल्कन बजाज में शनिवार की रात चोरी की घटना का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है की धनतेरस होने के कारण वॉल्कन बजाज शोरूम रात 12:30 बजे तक खुला था। धनतेरस पर शेरू में कई दो पहिया वाहनों की बिक्री हुई । शोरूम संचालक वत्सल पोद्दार के अनुसार शोरूम के कैश काउंटर में रखे लगभग 500000 रूपए थे जिसे चोर ले भागे। चोरों ने शोरूम के पीछे स्थित बाथरुम की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया। जिसकी पूरी फुटेज सीसीटीवी कैमरा में फोटो आयी है। सीसीटीवी कैमरा में एक व्यक्ति अंदर प्रवेश करते दिखा। उस व्यक्ति ने कैश काउंटर का शीशा को तोड़कर कैश रूम में प्रवेश किया । उसके बाद कैश काउंटर में रखे पैसे को निकाला है । जिसकी फुटेज सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्ड हुई है। शोरूम संचालक के अनुसार रविवार की सुबह शोरूम को खोला गया तो चोरी की घटना का पता चला ।इस संबंध में जानकारी रामगढ़ थाना पुलिस को दी गई। जिसके बाद रामगढ़ थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ वॉल्कन बजाज शोरूम पहुंचे और जांच में जुट गए।

विस्थापित मोर्चा की बैठक आयोजित

रामगढ़। विस्थापित मोर्चा की बैठक रविवार को गेगदा में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलदीप यादव एवं संचालन गोविंद बेदिया और सहमत अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में बलकुदरा (भुरकुंडा) रोड सेल से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने निर्णय लिया कि पतरातू प्रखंड के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में नेतृत्वकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे, ताकि रोड सेल में ग्रामीणों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। वक्ताओं ने कहा कि जब आपकी कोयला खदान है और आपका रोड सेल है, तो उसमें आपकी भागीदारी भी होनी चाहिए। यदि प्रबंधन इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाता, तो मोर्चा एक विशाल धरना-प्रदर्शन के माध्यम से विरोध करेगा। कहा गया कि यदि तब भी प्रबंधन नहीं मानता है, तो बलकुदरा खदान की कोयला ट्रांसपोर्टिंग एवं रोड सेल से कोयला उठाव को रोकने की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में विजय सोनी अबास अंसारी, बिनोद यादव, नइस आलम, सज्जाद अंसारी, सनी उरांव, मुस्लिम अंसारी, मुख्तार अंसारी, मो. राजा, विजय उरांव, सुनील यादव, विकास महतो, सुनील प्रजापति, पवन यादव, टूटून बेदिया, संकर कुमार, बिटू सिंह आदि उपस्थित थे ।

दीपावली पर स्वदेशी दीयों से रोशन करें घर-आंगन

कला को दें पहचान, लौटेगी कुम्हारों के चेहरे पर मुस्कान

जयदीप कुमार सिन्हा

बरही । दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही देश भर का कुम्हार मिट्टी के दीयों के बनाने का अभियान तेज कर देते हैं. परंतु आधुनिकता बनाम पारम्परिकता के इस द्वंद में हस्तनिर्मित दीयों के प्रयोग घटे हैं. कुम्हारों के घर की रोशनी मद्धिम हुए हैं. परंतु रोशनी के इस पर्व पर रंगीन बिजली की झालरों की बढ़ती चकाचौंध के बीच कई सामाजिक संगठन, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय लोगों की अपील ने एक बार फिर से लोगों को दीया की दुनिया में लौटाने का प्रयास किया है. प्रबुद्धजनों व अधिकारियों का कहना है कि मिट्टी के दीये जलाना न केवल हमारी संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि यह पर्यावरण के अनुकूल भी है. दीये प्रदूषण रहित होते हैं और जलाने के बाद आसानी से मिट्टी में मिल जाते हैं, जिससे किसी तरह का पर्यावरणीय कचरा नहीं होता. वहीं बिजली के बल्ब और एकल उपयोग प्लास्टिक के दीये प्रदूषण को बढ़ाते हैं. धार्मिक मान्यताएं भी मिट्टी के दीयों को शुभ मानती हैं. मिट्टी को मंगल ग्रह और दीये में जलने वाले तेल को शनि का प्रतीक माना जाता है. कहा जाता है कि मिट्टी का दीपक जलाने से घर में सकारात्मकता आती है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सुख-समृद्धि का वास होता है. बाबजूद, आधुनिकता की दौड़ में मिट्टी के दीयों की मांग कम होने से कई जगहों पर कुम्हारों की पारंपरिक कला संकट में आ गई है. कई कारीगरों ने यह काम छोड़ दिया है. दीये खरीदने से सीधे तौर पर इन कारीगरों को रोजगार मिलेगा और उनके घर में भी खुशियां आएंगी. कुछ राज्यों में, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीयों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए विशेष स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं, ताकि उनकी आजीविका मजबूत हो सके. यह अभियान स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर देता है. इस दीपावली पर घरों को मिट्टी के दीयों से सजाने का संकल्प, हमारी परंपरा और पर्यावरण दोनों को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

केबीपी माइंस में हुआ सीपीआर एवं फर्स्ट एड उपचार का हुआ कार्यक्रम

डेढ़ लाख लोगों को सीपीआर व फर्स्ट एड का दिया प्रशिक्षण

- **साथ ही माइंस के लोगों को उन्हें प्रैक्टिकल कराकर भी आकस्मिक परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर रामगढ़ जिला अंतर्गत 2 लाख लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाना है। इसे लेकर पूर्व में जिला स्तर पर सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने को लेकर प्रशिक्षण देकर 3229 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। उपायुक्त के निर्देश पर अब तक जिले में 1 लाख 50 हज़ार लोगों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी क्रम में उपायुक्त के निर्देश पर शनिवार को रामगढ़ जिला अंतर्गत कोतरे बसंतपुर क्षेत्र अंतर्गत केबीपी माइंस में सीपीआर एवं फर्स्ट एड उपचार संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मौके पर प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता एवं अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा अधिकारियों एवं कर्मियों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित अन्य लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर देने एवं फर्स्ट एड उपयोग को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें प्रैक्टिकल कराकर भी आकस्मिक परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों जैसे कार्डियक अरेस्ट, चोकिंग, ब्लीडिंग, बर्न, फ्रैक्चर, वज्रपात, डूबना, शॉक, सांप का काटना एवं दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया एवं सभी की दुविधाओं को दूर किया गया। गौरतलब होकि अभियान मोड में जिले के विभिन्न क्षेत्रों आदि में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सामाजिक संस्था राष्ट्र संचेतना के अधिकारियों ने पतरातू डैम छठ घाट का किया निरीक्षण

पतरातू। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर सामाजिक संस्था राष्ट्र संचेतना के अधिकारी और सदस्यों ने शनिवार को पतरातू डैम छठ घाट का निरीक्षण किया। इसमें मुख्य रूप से राष्ट्र संचेतना के अध्यक्ष एवं राज्य 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यानवयन समिति झारखंड के पूर्व उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद शामिल थे। जिन्होंने पतरातू डैम छठ घाट पर साफ सफाई का निरीक्षण किया। छठव्रतियो के लिए युद्ध स्तर पर घाट की साफ सफाई करने का निर्देश दिया।श्री प्रसाद ने कहा कि पतरातू डैम पर छठ व्रतियों के लिए विगत 24 वर्षों से राष्ट्र संचेतना सामाजिक संस्था की ओर से हर संभव सुविधा उपलब्ध कराया जाता रहा है। इस वर्ष आगामी 27 एवं 28 अक्टूबर 2025 को छठ महापर्व है। जिसको लेकर संस्था द्वारा पतरातू डैम छठ घाट पर सात घोड़े पर सवार भगवान सूर्य नारायण की प्रतिमा स्थापित की जा रही है।

दुलमहा पंचायत में कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान

जनाधिकार व जनसेवा के लिए समर्पित रही है कांग्रेस पार्टी : प्रखंड अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

बरही । कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के अभियान की गति तेज करते हुए प्रखंड कमिटी ने रविवार को दुलमहा पंचायत में हस्ताक्षर अभियान चलाया. जिसका नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी व संचालन मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गिरी ने किया. कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री गिरी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता को वोट के प्रति जागरूक करना है, जिससे जनता शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद कर सके. इस दौरान केंद्र की नाकामी और वोट चोरी मामले को बताते हुए कांग्रेस पार्टी पर विश्वास करने की भी अपील की गई. प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कि आजादी के बाद से कांग्रेस ही एक मात्र पार्टी है जो जनता के जनाधिकार और जनसमर्थन को लेकर आवाज बुलंद करते रही है. बाकी सभी पार्टियां मिथ्या भ्रम है, जहां सिर्फ पूंजीपतियों का सम्मान होता है, दलित और गरीब शोषित होते हैं. हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जनता को सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है, ताकि आम लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो. इस दौरान दुलमहा पंचायत के सभी बीएलई को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया. मौके पर पंचायत अध्यक्ष सुनील रविदास, संतोष रजवार, हैदर अली, सहदेव राम, मो महमूद, मो अजीम, नौशाद आलम, लक्ष्मण रविदास, फिरोज अंसारी, अजीज मियां, रुस्तम, शमशेर आलम, मोहन साव और महताब आलम सहित कई कांग्रेसी व ग्रामीण मौजूद थे.

बंडासिंगा मोड़ में इलेक्ट्रिक स्कूटी व बाइक शोरूम का विधायक ने किया शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बंडासिंगा मोड़ में इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक शोरूम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ विधायक अमित कुमार यादव ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर जिप सदस्य कुमकुम देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, बीजेपी मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साव, पूर्व जिप सदस्य मीना देवी,शोरूम संचालक केदार साव शामिल थे।वहीं संचालक केदार साव ने कहा बंडासिंगा चौक पर पहला स्कूटी और बाइक का शोरूम का शुभारंभ किया गया है। स्कूटी 37हजार 500 से शुरू है। बैटरी की तीन साल की गारंटी व फाइनेंस की सुविधा है। इसमें कई अलग अलग मॉडल उपलब्ध हैं। एक बार चार्ज करने से 100 से 150 किलो० तक सफर कर सकते हैं। इस मौके पर समाजसेवी रमेश चंद्र यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष टुकलाल नायक, पूर्व मुखिया राजकुमार नायक, पूर्व मुखिया गुड्डी देवी, राजकुमार यादव, सुरेंद्र साव, रवि गोस्वामी, पीतांबर नायक, सुनील साव, अमित पांडेय,रीतलाल प्रसाद समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

योजनाओं की स्वीकृति को लेकर भारत जकात मांझी परगना महल के सदस्यों ने कल्याण मंत्री से की मुलाकात

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के भारत जकात मांझी परगना महल के सदस्यों ने बोकारो जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष मनोहर मुर्मू के नेतृत्व में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा से मिलकर विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति और विभिन्न योजनाओं के बकाया राशि को लेकर आवेदन दिया। वहीं भारत जकात मांझी परगना महल के जिला अध्यक्ष राम जी बेसरा ने बताया कि विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र दिया गया है तथा विभिन्न योजनाओं का बकाया राशि को लेकर कल्याण मंत्री चमरा लिंडा से मिलकर हम लोगों ने समस्या का समाधान हेतु निवेदन किया है। वहीं जिला सचिव मनोज मुर्मू ने बताया कि बोकारो जिला अध्यक्ष मनोहर मुर्मू के नेतृत्व में हम लोग आज कल्याण मंत्री से मिल कर बरकट्ठा के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और योजनाओं की स्वीकृति हेतु प्रार्थना पत्र शामिल किए हैं। मौके पर दर्जनों की संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

ट्रनिंग के नाम ठगी | आईटीआई प्रशिक्षण के नाम पर हजारों की वसूली, इंस्पेक्टर की पहल पर पैसा हुआ वापस

पैसा वापस करने के बाद संस्थान बंद करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

बरही । बेंदगी पंचायत स्थित मुखर्जी विवाह भवन में संचालित आरएचआई नेचर वेलनेस प्राइवेट कंपनी लिमिटेड दिल्ली द्वारा आईटीआई प्रशिक्षण के नाम पर पैसे वसूली करने का मामला सामने आया है. गुरुवार को ऐसे ही एक मामले की जानकारी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि पाकुड़ निवासी अन्दीप हांसदा के साथ उक्त कंपनी के द्वारा आईटीआई प्रशिक्षण के नाम पर बीस हजार रुपए वसूले गए थे. परंतु प्रशिक्षण के नाम पर टाल मटोल किया जाता रहा. जिसकी शिकायत उनके पास पीड़ित युवक ने किया. जांचोपरांत युवक की ठगी का आरोप सही पाया गया. जिसे तत्काल संस्थान संचालक को तत्काल पैसे वापसी का निर्देश दिया गया. जिसे रौशन सिंह नामक ने उक्त युवक को पैसा वापस कर दिया. थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि उक्त संस्थान में प्रोडक्ट सेल करवाने के काम होते है. जहां बेरोजगारों से ट्रेनिंग के नाम पर झांसा देकर पैसे की वसूली की जा रही है. उन्होंने संचालक को तत्काल संस्थान बंद करने का निर्देश दिया है.

संस्थान संचालक ने पक्ष रखा

संचालक नवीन कुमार ने बताया कि बेंदगी मुखिया के निर्देशानुसार पिछले कुछ वर्षों से यह संस्थान मुखर्जी विवाह भवन में चल रहा है. जहां हेल्थ, कॉस्मेटिक, गारमेंट्स आदि प्रोडक्ट से संबधित ट्रेनिग होता है. जिसे आवश्यकतानुसार लोगों को बेचा भी जाता है. उन्होंने युवक हांसदा के आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि उक्त युवक को पूरी बाते बता दी गई थी. रहने और प्रोडक्ट के नाम पर युवक से पैसा लिया गया था. संतुष्टि नहीं होने पर उसके सभी पैसे वापस किए जा चुके हैं.

युवक ने बताया : ठगी के शिकार पाकुड़ निवासी युवक हांसदा ने बताया कि उसने आईटीआई फिटर ट्रेड प्रशिक्षण के नाम पर उक्त संस्थान संचालक को 20000 रुपए दिए थे. परंतु भुगतान के बाद ट्रेनिंग के नाम टाल मटोल किया जाता रहा. जिसकी शिकायत उन्होंने इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी से किया. थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता लिया. उनकी पहल पर हीं संचालक ने उन्हे ठगी की राशि वापस किया.

मुखिया ने बताया : बेंदगी मुखिया सिकंदर राणा ने बताया कि बीडीओ के निर्देशानुसार ग्राम सभा में पारित होने के बाद उक्त संस्थान को 7000 रुपए प्रति माह किराए पर जगह उपलब्ध करवाया गया है. यह राशि पंचायत विकास कोष में जमा की जाती है. ठगी संबंधित कोई भी जानकारी उन्हे नहीं है.

धनतेरस पर सिमडेगा में जमकर हुई खरीदारी, धनतेरस पर हुई धन वर्षा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। एक बार फिर महंगाई पर आस्था भारी पड़ी। धनतेरस के अवसर पर सिमडेगा शहर का बाजार पूरी तरह रौनक से भर गया। सुबह से ही लोगों ने धनतेरस पर शुभ वस्तुओं की खरीदारी शुरू कर दी। बाजार में इलेक्ट्रॉनिक्स, ज्वेलरी, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल, बर्तन, कपड़े और गिफ्ट आइटम्स की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। शहर के सोनारटोली, महावीर चौक, गांधी मैदान रोड सहित मुख्य बाजारों में खरीददारों की भीड़ उमड़ पड़ी।एक अनुमान के मुताबिक जिले में धनतेरस के मौके पर करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। देर शाम तक

दुकानों में खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। प्रशासन द्वारा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि भीड़-भाड़ के बावजूद किसी तरह की अव्यवस्था न हो।धनतेरस पर इस बार लोगों ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स, ज्वेलरी और टू-व्हीलर की खरीदारी की। शहर की विभिन्न दुकानों पर बम्पर ऑफर और स्कीमों का लाभ उठाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

मोटरसाइकिल एजेंसियों में सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगी रही। जानकारी के अनुसार धनतेरस के दिन जिले में 350 से ज्यादा बाइक, 2400 से अधिक मोबाइल फोन और सैकड़ों घरेलू सामानों की बिक्री हुई।शाम तक शहर की सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें दिखीं। कई दुकानों पर ग्राहकों को पार्किंग की दिक्कत का भी सामना करना पड़ा। ज्वेलरी दुकानों में सोने और चांदी के सिक्कों की बिक्री दिनभर होती रही। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन और कूलर की बिक्री में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई।फर्नीचर बाजारों में भी ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ रही। महावीर चौक और सोनारटोली स्थित दुकानों पर लोगों ने सोफा सेट, डायनिंग टेबल, बेड और अलमारी जैसे सामान की खरीदारी की। दुकानदारों ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।शहर के व्यापारियों ने बताया कि धनतेरस का दिन पूरे साल का सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस दिन नई वस्तुओं की खरीद से समृद्धि आती है। इसी मान्यता के साथ लोग सुबह से ही खरीदारी में जुट गए थे। शाम तक बाजारों में दीपावली जैसी रौनक दिखाई दी

लचरागढ़ में भिखारिएट काथलिक महिला संघ का रजत जयंती समारोह

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड के लचरागढ़ भिखारिएट में काथलिक महिला संघ का दो दिवसीय रजत जयंती समारोह सह 28वां वार्षिक अधिवेशन बड़े ही धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया और अपने सांस्कृतिक व धार्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से एकता, सेवा और नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया।समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में सिमडेगा धर्म प्रांत के भी.जी. सह आत्मिक संचालक रेवरेंड फादर इग्नासियुस टेटे उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पा सुकुंदा टेटे, फादर किरूबीन तिर्की, लचरागढ़ पल्ली के पल्ली पुरोहित डीन राजेश केरकेट्टा, कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी और तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत झंडोत्तोलन, दीप प्रज्ज्वलन और संत मोनिका की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ की गई।रविवार की सुबह पवित्र मिस्सा अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसकी अगुवाई रेभ. फादर इग्नासियुस टेटे ने की।

इस दौरान कई पल्लियों के फादर—राजेश केरकेट्टा, अल्बिनुस केरकेट्टा, एरिक जोसेफ कुल्लू, रफायल केरकेट्टा, क्लेमेंट लकड़ा और विंसेंट जोजो—ने सहयोग किया। कोयर दल के गीतों ने पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया।कार्यक्रम में लचरागढ़, जितुटोली, बरवाडीह, बांकी, साहूबेड़ा, जामटोली, बेसराजारा, बानो और पबुड़ा पल्ली की महिलाओं ने भाग लिया। समारोह में विभिन्न पल्लियों की माताओं—उर्सुला डांग, शांति सिंदुरिया, लेवनी बडिंग, रेजिना बागे, किरन डांग आदि—को उनके योगदान के लिए शॉल और पत्रिका देकर सम्मानित किया गया।विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं परिवार और समाज दोनों की आधारशिला हैं। वे दो स्वामियों—पति और परमेश्वर—की सेवा करते हुए कलीसिया और समाज को सशक्त बना रही हैं। वहीं तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि महिलाओं के बिना समाज अधूरा है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे हैं और कलीसिया व परिवार के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।वक्ता पुष्पा सुकुंदा टेटे ने महिलाओं को अपने अधिकारों, पेशा कानून और ग्राम सभा में भागीदारी बढ़ाने की सलाह दी। फादर किरूबीन तिर्की ने कहा कि महिलाएं कलीसिया की रीढ़ हैं और उनके सहयोग से समाज में नैतिकता और आध्यात्मिकता बनी रहती है।कार्यक्रम की अध्यक्षता उप सचिव सुचिता जोजो ने की तथा संचालन सिस्टर अंजलिना और पुष्पा होरो ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मेरी सुचिता जोजो, उदय केरकेट्टा, रोजालिया कुजूर, अर्चना मधु बागे, एम्मा माधुरी सोरेंग, सिस्टर अंजलीना मिंज सहित कई महिलाओं का योगदान रहा।समारोह में अल्बिनुस लुगुन, क्लेमेंट टेटे, फुलकेरिया डांग, अनिल लुगुन, जगदीश बागे समेत अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। रजत जयंती समारोह ने न केवल महिलाओं की आस्था और नेतृत्व को उजागर किया, बल्कि समाज में उनके बढ़ते योगदान को भी नई पहचान दी।

मिलजुलकर समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का दीप जलाएं : विधायक

सिमडेगा। सिमडेगा विधायक सह कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूषण बाड़ा ने लोगों को दीपावली की बधाई दी है। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि दीपावली का पर्व प्रकाश, आशा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। यह त्योहार हमें अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है। इस अवसर पर हम सबको मिलजुलकर समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का दीप जलाना चाहिए। विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि दीपों का यह पर्व हर घर में खुशहाली, समृद्धि और आनंद लेकर आए। उन्होंने कहा कि सच्ची दीपावली तभी सार्थक होगी जब हमारे आस-पास कोई चेहरा उदास न हो। जब हर व्यक्ति के जीवन में उम्मीद की रौशनी जगमगाए। इस अवसर पर उन्होंने जिले के सभी लोगों की सुख-शांति और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है।

सिमडेगा में काफी भव्य होता है लोक आस्था के महापर्व छठ

43 वर्षों से लगातार शंख घाट पर हो रही है छठ पूजा

- सिमडेगा में छठ महापर्व की तैयारिया जोरों पर हैं, यह पर्व 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक मनाया जाएगा
- शंख नदी संगम स्थल पर हर साल की तरह इस बार भी विशाल स्तर पर श्रद्धालु एकत्र होंगे

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। लोक आस्था का महापर्व छठ महज दो सप्ताह के बाद शुरू होगा। आदिवासी बहुल सिमडेगा में छठ पूरी आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाता है। छठ पूजा समिति छठ की तैयारियों में जुट गई है। लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर सिमडेगा के शंख नदी संगम स्थल पर अलौकिक और विहंगम नजारा नजर आता है। शंख नदी के विशाल छठ घाट पर सिमडेगा शहर उमड़ जाता है। जहां सैकड़ों व्रती आदित्य महाप्रभु को अर्धदान करते हैं। शंख नदी छठ पूजा सेवा समिति पिछले 43 वर्षों से लगातार यहां छठ व्रतियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए तैयारी करती है। इस बार छठ पूजा 25 अक्टूबर से शुरू होगा। 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्धदान और 28 अक्टूबर को उदयाचल भगवान सूर्य को अर्घ्यदान किया जाएगा। इस वर्ष लगातार बारिश के कारण शंख नदी छठ घाट और इसके आस पास काफी मिट्टी कटाव हो गया है। छठ पूजा के मद्देनजर शंख नदी छठ पूजा सेवा समिति छठ घाट को ठीक करने की तैयारियों में जुट गई है। शंख नदी छठ पूजा सेवा समिति के संस्थापक प्रदीप केशरी ने बताया कि जिला प्रशासन की सहायता से छठ पूजा समिति शंख नदी तक आने वाले रास्तों, पार्किंग और घाटों की साफ सफाई के साथ गढ्ढों को भरकर व्रतियों और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने में समिति जुट गई है। छठ पूजा समिति के प्रदीप केशरी ने बताया कि दिनों दिन शंख नदी छठ पूजा की ख्याति बढ़ती जा रही है। जिससे हरेक वर्ष सिमडेगा सहित आस पास के राज्यों से भी लोग छठ के दौरान यहां आस्था के अलौकिक छठा का महसूस करने आते हैं। छठ पूजा समिति के लोगों ने बताया कि इस बार काफी भव्य तरीके से पूजा की तैयारी की जा रही है। शंख नदी के अलावा सिमडेगा के प्रिंस चौक शक्ति स्थल पर भगवान भुवन भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर पांच दिवसीय छठ महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। नव ज्योति नव युवक संघ के द्वारा यहां भव्य तरीके से छठ महोत्सव का आयोजन किया जाता है। जहां 05 व्रती 44 जोड़े सूप से भगवान भुवन भास्कर को अर्ध अर्पित करते हैं। यहां 07 क्विंटल गेहूं के आटे से पूरी शुद्धता के साथ छठ पूजा का महा प्रसाद ठेकुआ बनवा कर प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। जो काफी अनोखा होता है। इस वर्ष 25 अक्टूबर को यहां छठ महोत्सव की शुरुआत होगी। जो 29 अक्टूबर तक चलेगी। 25 अक्टूबर को नहाए खाए के दिन प्रिंस चौक पंडाल में सामूहिक कद्दू भात प्रसाद का वितरण होगा।

संस्कृति से ही है हमारी असली पहचान: जोसिमा खाखा

- सैंडिह में आदिवासी सांस्कृतिक नाच सह हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

पाकरटांड़। पाकरटांड़ के सैंडिह में रविवार को आदिवासी सांस्कृतिक नाच सह हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौके पर हॉकी प्रतियोगिता में नानेसेरा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जोगेटोली को 1–0 से पराजित किया और विजेता बनी। वहीं सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में सैंडिह नृत्य मंडली ने प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। सोगड़ा पेठियारटोली द्वितीय स्थान पर रही। जबकि बानेटोली नृत्य मंडली को तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा उपस्थित थीं। उन्होंने विजेता टीमों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जोसिमा ने कहा कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति है। जब तक हम अपने नृत्य, गीत, भाषा और परंपरा से जुड़े रहेंगे, तब तक हमारी जड़ें मज़बूत रहेंगी। आज के इस आधुनिक युग में हमारी संस्कृति को बचाए रखना ही सबसे बड़ा संघर्ष है। लेकिन मुझे गर्व है कि सिमडेगा के युवा इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि यह हमारी आत्मा, इतिहास और सामूहिकता की अभिव्यक्ति है। यह हमारे पूर्वजों की सीख और हमारी धरती का आशीर्वाद है।

हमारे नाच में प्रेम है, एकता है, ईश्वर के प्रति कृतज्ञता है। इसलिए हर गांव, हर टोली को इसे सहेजकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए। जोसिमा खाखा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों को बनाए रखते हुए शिक्षा, खेल और तकनीक के क्षेत्र में भी आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी युवाओं के सांस्कृतिक और खेल प्रतिभा को आगे लाने के लिए कई योजनाएं चला रही है।

प्रेम कुमार ने बच्चों के साथ मनाई असली खुशियों वाली दिवाली

सिमडेगा। समाजसेवी प्रेम कुमार ने इस बार दिवाली को एक अलग अंदाज में मनाकर मिसाल पेश की। उन्होंने बीरु स्थित पहाड़ी ढाबा में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के साथ दिवाली मनाई और उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी।इस अवसर पर प्रेम कुमार ने बताया कि विशालक्षी फाउंडेशन के बैनर तले बीरु में संचालित ड्रीम स्कूल में बच्चों को निःशुल्क कोचिंग दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह वही बच्चे हैं जो संसाधनों से दूर हैं, लेकिन सपनों से भरे हुए हैं। जब इन बच्चों के चेहरे पर दिवाली की खुशियां झलकती हैं, वही हमारी असली दिवाली होती है।कार्यक्रम में बीरु कैंप के एएसआई संजय राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने बच्चों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शिक्षा का महत्व और अनुशासन की सीख दी।बच्चों ने इस अवसर पर उत्साहपूर्वक दिवाली पार्टी का आनंद लिया।

ईश्वर को धन्यवाद देने का दिन है नवाखानी पर्व: विधायक भूषण बाड़ा

- नानेसरा चर्च में हर्षोल्लास के साथ मना नवाखानी पर्व

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि आज का दिन ईश्वर को अच्छी उपज के लिए धन्यवाद देने का दिन है। नवाखानी के दिन विश्वासी अपनी पहली उपज का हिस्सा ईश्वर के नाम पर दान के रूप में समर्पित करते हैं। साथ ही आने वाले वर्षों में भी अच्छी बारिश हो और अच्छी फसल हो इसके लिए प्रार्थना करते हैं। विधायक भूषण बाड़ा रविवार को संत फ्रांसिस आसीसी चर्च नानेसेरा में आयोजित नवाखानी पर्व के मौके पर बोल रहे थे। मौके पर चर्च परिसर में हर्षोल्लासस के साथ नावाखानी पर्व मनाया गया। पर्व के मौके

पर पल्ली पुरोहित की अगुवाई में मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया। मौके पर मसीही धर्मावलंबियों ने धान, मुंगफली,कंद, उरद सहित कई सब्जियां की उपज का पहला दाना को डालिया में सजा कर ईश्वंर को समर्पित किया। मौके पर पर्व की शुभकामना दी गई। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां विधायक के ढ़ोल की थाप पर लोग जमकर आदिवासी नाच कर खुब मनोरंजन किया।

मौके पर नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। जहां बेहतर प्रदर्शन करने वाली नृत्य मंडली को विधायक और जोसिमा ने मांदर देकर सम्मानित किया। मौके पर अजीत लकड़ा, सिलबेस्तर बाघवार, शीतल एक्का, उर्मिल्ला केरकेट्टा, मुखिया ज्योति प्रकाश कुल्लू, फा बिमल सहित काफी संख्या में मसीही धर्मावलंबी उपस्थित थे।जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि ईश्व्र की असीम कृपा से बारिश होती है और हम धरती से अन्न उपजाते हैं। आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे परिश्रम का फल हमें मिला है। उन्होंने कहा कि हमें हर साल इसी तरह फसल से अनाज की प्राप्ति हो। उन्हों ने कहा कि अन्नदाता के प्रति कृतज्ञ होकर उन्हें याद करें।

हॉकी में खीजुरडीह 2-0 से जीत दर्ज कर बनी चैम्पियन

मिसा पूजा के बाद आदिवासी सांस्कृतिक नाच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक नाच प्रतियोगिता में 28 यूनिट टीम भाग लिए। जिसमे पहला करमटोली, और मंगरकुड़ा, दूसरा कोलबहार बी और तीसरा डुमरडीह बी को मिला। विजेता टीम को विधायक के द्वारा पुरस्कार दिया गया। वहीं हॉकी में हॉकी के फाइनल मैच खीजूरडीह ने मसेकेरा को 2-0 से हराकर चैंपियन बना। मौके पर फादर बिमल लकड़ा,प्रखंड अध्यक्ष अजीत लकड़ा,उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार, विधायक प्रतिनिधि शीतल एक्का,उप प्रमुख फ्लोरा मिंज,उर्मिला केरकेट्टा,मुखिया ज्योति प्रकाश कुल्लू,महिला सभानेत्री श्रीमति कांति एक्का,आदि ब्रदर, धर्म बहनें और भारी संख्या में मसीही विश्वासी शामिल हुए। सफल बनाने में खेल समिति के अध्यक्ष हेमंत खलखो,सचिव प्रदीप मिंज,जेवियर खाखा,फिलमोन तिग्गा,बसंत बेक,सिलास डुंगडुंग, मटियाश कुजूर,क्लामेंट लकड़ा,जेवियर बिलुंग,ग्रेगोरी मिंज आदि का योगदान रहा।

न्यूज बॉक्स

सिमडेगा में काली और लक्ष्मी पूजा की तैयारी पूरी, शुक्रवार को होगा प्रतिमा विसर्जन

सिमडेगा। शहर में धनतेरस और दीपावली पर्व के साथ इस बार काली और लक्ष्मी पूजा की भी धूम देखने को मिल रही है। नीचे बाजार स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में मां काली की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाएगी। पूजा में यजमान के रूप में समिति के अध्यक्ष श्रीलाल शाह पूजा-अनुष्ठान संपन्न करेंगे। पूजा पंडाल को आकर्षक रोशनी और रंग-बिरंगे सजावट से सजाया गया है।वहीं सिमडेगा के गुलजार गली स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में लक्ष्मी पूजा समिति की ओर से मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। समिति के सदस्यों द्वारा तैयारियां अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालु सुबह से ही पूजा स्थल पर पहुंचकर मां लक्ष्मी की आराधना करेंगे।समिति के सदस्यों ने बताया कि शुक्रवार को माता की प्रतिमा का भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके बाद प्रतिमा का विसर्जन नगर के निर्धारित घाट पर किया जाएगा। पूजा के दौरान भक्तों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर भर में इन धार्मिक आयोजनों को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

पूर्व उपमुखिया के प्रयास से पाकरबहार गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर

बोलबा। बोलबा प्रखंड के पाकरबहार गांव में लंबे समय से खराब पड़े बिजली ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। यह कार्य पूर्व उपमुखिया सह समाजसेवी अजय जायसवाल के प्रयास से संभव हो सका।गांव में कई दिनों से ट्रांसफार्मर खराब रहने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। अंधेरे में डूबे गांव में आखिरकार रोशनी लौट आई, जिससे ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी झलक उठी।दिवाली के अवसर पर अजय जायसवाल ने विधिवत पूजन के पश्चात फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि "जनता की सुविधा ही मेरी प्राथमिकता है। गांव में फिर से रोशनी लौटना हम सभी के लिए हर्ष का विषय है।"इस अवसर पर ग्रामीणों ने झूमकर अपनी खुशी व्यक्त की और अजय जायसवाल के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम स्थल पर राहुल दास, शशि दास, मदन दास, बंधन सिंह, सनातन सिंह, अनिल कंडुलना, चंदेल दास, जूनाश खड़िया, दुर्योधन दास, शेखर, डमरू, नरेंद्र जेम्स, क्रिकेटर सरिता किंडो, बलमदीना करकेट्टा, सरोज देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।ट्रांसफार्मर की स्थापना के साथ ही पाकरबहार गांव एक बार फिर जगमगा उठा और लोगों ने इस दिवाली को सच्चे अर्थों में "रोशनी का पर्व" बना दिया।

आसानबेड़ा में नवयुवक संग द्वारा आयोजित हॉकी प्रतियोगिता का समापन

ठेठईटांगर। प्रखंड के कोनमेजरा पंचायत अंतर्गत आसानबेड़ा में नवयुवक संग के तत्वावधान में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मैच उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में ब्लैक टाइगर बुरापहाड़ को हरापानी टीम ने 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी उपस्थित हुए और विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया।विधायक कोनगाड़ी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में खेल अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे शारीरिक व मानसिक विकास दोनों होते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। आज सिमडेगा जिला खेलों के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मान के साथ-साथ नौकरी भी दे रही है, जिससे युवाओं को प्रेरणा मिल रही है। कोनगाड़ी ने खिलाड़ियों से लगन और मेहनत के साथ खेल प्रतिभा को निखारने की अपील की और कहा कि खेल के माध्यम से ही युवाओं का सर्वांगीण विकास संभव है।इस अवसर पर जिला विधायक प्रतिनिधि मनोज कोनबेगी, रावेल लकड़ा, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, मुखिया सुषमा बिलुंग, पंचायत अध्यक्ष लोरेंस डुंगडुंग, परवेज पौल केरकेट्टा, दीपक केरकेट्टा, विजय केरकेट्टा, गुलशन मांझी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सर्पदंश से सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना घायल, सिमडेगा रेफर

बानो। प्रखंड क्षेत्र के जितुटोली निवासी एवं सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना को रविवार दोपहर जहरीले सांप ने काट लिया। घटना के बाद उन्हें तत्काल बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। चिकित्सकों ने एहतियात के तौर पर उन्हें सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया है।जानकारी के अनुसार, अजीत कंडुलना दोपहर का भोजन करने के बाद अपने घर स्थित गैरेज से मोबिल निकालने जा रहे थे, तभी अचानक सांप ने उन्हें डंस लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें अस्पताल पहुंचाया।घटना की जानकारी पर जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना, बानो मुखिया विश्वनाथ बड़ाइक, रौतिया समाज प्रखंड अध्यक्ष महेश सिंह, जितुटोली स्कूल की प्रधानाध्यापिका सिस्टर पुष्पा मिंज, कांग्रेस नेता अभिषेक बागे, सहदेव कोटवार, सबन डांग, सोमा कंडुलना, अमुस कंडुलना और संदीप नाग अस्पताल पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि समय पर उपचार मिलने से स्थिति में सुधार है। फिलहाल अजीत कंडुलना खतरे से बाहर हैं, लेकिन निगरानी के लिए उन्हें आगे के इलाज हेतु सिमडेगा भेजा गया है। घटना के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

देवघर में बिजली विभाग का अजब कारनामा

बिजली कनेक्शन लगा नहीं भेजा 20 हजार रुपए का जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। झारखंड के बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप लगे हैं. मामला देवघर में सामने आया है. जिसमें एक शख्स पर लगभग 20 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया गया है. लेकिन हैरानी की बात यह कि उक्त शख्स के घर बिजली का कनेक्शन है ही नहीं. यह हैरतअंगेज मामला देवघर के सारवां प्रखंड की केंदुआटांड़ पंचायत के जियाखारा गांव का है. जहां एक गरीब किसान रंजीत यादव पर बिजली चोरी का आरोप लगाकर न केवल बिजली विभाग की ओर से एफआईआर दर्ज करायी गई है, बल्कि लगभग 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगा दिया गया है. अब जरा सोचिए जिस घर में बिजली का मीटर नहीं, कनेक्शन नहीं, वहां बिजली की चोरी कैसे हो गई? यही सवाल रंजीत यादव विभाग के पदाधिकारियों से पूछते नजर आ रहे हैं. लेकिन बिजली विभाग के दफ्तर से उन्हें बार-बार वापस लौटा दिया जा रहा है. रंजीत की पीड़ा सुनकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी बिजली विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं. इस संबंध में जिला पार्षद जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई पूर्णतः मनमानी है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए.

मामले की जांच के लिए कमेटी गठित

वहीं, इस संबंध में मधुपुर विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रोहित कुमार ने कहा कि मामला गलतफहमी का लग रहा है. उन्होंने कहा कि यदि जांच में रंजीत यादव निर्दोष पाए जाते हैं तो संबंधित सहायक अभियंता को एफआईआर वापस लेनी होगी. जीएम स्तर से जांच कमेटी गठित कर दी गई है और दोषी पर कार्रवाई की जाएगी. बिजली विभाग के इस कारनामे की चर्चा जिले में काफी हो रही है. लोग बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं. लोगों का कहना है बिजली नहीं आई, पर विभाग ने बिजली चोरी का जुर्माना लगा दिया. अब देखना होगा कि विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है.

कई छठ घाटों की स्थिति अच्छी नहीं किया जा रहा है दुरूस्त

साहिबगंज। गंगा नदी में इसबार कई सालों के बाद करीब ढाई महीने तक खतरे के निशान से ऊपर रही। इससे गंगातट दलदली व किचड़मय हो गया है। इसका असर इसबार लोक आस्था का महापर्व छठ करने वालों पर दिखेगा। जिला मुख्यालय से सटे मुख्य रूप से करीब आठ छठ घाटों पर हरसाल शहर के लोग अर्घ्य देने पहुंचते हैं। हालांकि पुरानी साहिबगंज ओझाटोला घाट में बिल्कुल पास गंगा में पानी की धारा तेज रहने से जिला प्रशासन ने फिलहाल उसे असुरक्षित घोषित कर दिया है। जिला प्रशासन की ओर से यहां इस आशय का सूचना पट भी लगा दिया गया है। इससे हर साल यहां छठ पर अर्घ्य देने वाली बड़ी आबादी की परेशानी बढ़ गई है।

सरकार ने नहीं ली सुध तो ग्रामीणों ने खुद सड़क बनाने का लिया निर्णय

वोट के समय मजा चखाएंगे ग्रामीण : राजकुमार

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शिलाडीह पंचायत भवन में ग्रामीणों की एक बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष कुदुश अंसारी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिलाड़ीह ग्राम का मुख्य मार्ग विगत 10 वर्षों से पूर्णतः खराब है। वहीं जनप्रतिनिधियों व सरकार से इस सड़क के निर्माण के लिए कई बार गुहार लगाई गई ।लेकिन यह सड़क अब तक नहीं बन पाई है ।बैठक में लोगों ने स्वयं के खर्च से सड़क का समतलीकरण और चलने लायक बनाने का निर्णय लिया ।इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने सामूहिक चंदे इकट्ठा कर सड़क बनाने की बात कही। इस दौरान पंसस प्रतिनिधि राजकुमार गिरी ने बताया कि झारखंड की सरकार अंधी और बहरी हो चुकी है ।स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी हमारी परेशानियों से कोई लेना-देना नहीं है। वोट के वक्त केवल वोट मांगने आते हैं जिसका पुरजोर विरोध इस बार हम लोग करेंगे। हम ग्रामीणों की परेशानी उन्हे समझ में नहीं आ रही है। 2 किलोमीटर के मार्ग को तय करने में बहुत अधिक समय लग जाता है ।सैकड़ो जगह इस सड़क में गड्ढे बने हुए हैं और आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है ।मजबूरी बस हम सभी ग्रामीणों ने यह सड़क खुद से बनाने का निर्णय लिया है। इस कार्य के लिए सर्वसम्मति से मोहम्मद अशरफ अंसारी को अध्यक्ष, राजकुमार गरी सचिव तथा शमीम अंसारी को कोषाध्यक्ष बनाया गया ।मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कुदुश अंसारी, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि राजकुमार गिरी आदि मौजूद थे।

डकैती की योजना बनाने वाले पांच बदमाश हथियारों सहित गिरफ्तार

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में चोरी, लूट एवं डकैती जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कोर्रा थाना क्षेत्र में डकैती की योजना बना रहे पांच सशस्त्र अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों ने पूर्व में हुई कई लूट और चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता भी स्वीकार की है। विगत रविवार को पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि कुछ लोग कोर्रा थाना क्षेत्र के कनहरी हिल, वन क्षेत्र के आसपास डकैती की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के तत्काल बाद, सदर अनुमंडल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापामार टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कनहरी हिल के संदिग्ध स्थानों पर सर्च अभियान चलाया। पुलिस द्वारा घेराबंदी करने पर अपराधी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन छापेमारी दल ने सभी पांचों व्यक्तियों को खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अपराधी: धनीराम सोरेन उर्फ नेपाली, बलराम मुंडा, किशोर कुमार उर्फ बिहारी, तैयब अंसारी, विकास कुमार आदि शामिल हैं।

पूछताछ में खुलासा: पूछताछ के दौरान गिरफ्तार व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि वे उस स्थान पर डकैती की योजना बना रहे थे। साथ ही, उन्होंने हाल ही में पतरातु बस्ती के एक सुनसान इलाके में एक बर्थडे पार्टी में हथियारों का भय दिखाकर लगभग 8-10 मोबाइल फोन, सोने का चेन, अंगूठी और लगभग 90,000 रुपये नकद लूटने की घटना को अंजाम देने की भी बात स्वीकारी। इस घटना के संबंध में कोर्रा थाना में कांड संख्या-185/2025, दिनांक-18.10.2025, धारा-310 (4) B.N.S (डकैती), 25(1-B)a/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

108 एम्बुलेंस चालकों ने अस्पताल अधिकारियों पर लगाया गंभीर आरोप

सरकारी की बजाए निजी अस्पतालों को दी जा रही हैं एंबुलेंस की सेवाएं

- **चालक ने स्पष्ट रूप से कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा केवल आम जनता और सरकारी अस्पतालों के लिए है लेकिन हमारे अधिकारी हमें निजी अस्पतालों से मरीजों को लाने-ले जाने का आदेश देते हैं, जो गलत है।**

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। झारखंड सरकार की आपातकालीन 108 एम्बुलेंस सेवा गंभीर रूप से बीमार मरीजों को सरकारी अस्पतालों तक सुरक्षित और निःशुल्क पहुंचाने के लिए शुरू की गई थी. लेकिन अब यह सेवा जांच के घेरे में है. ताजा मामला धनबाद का है, जहां एक 108 एम्बुलेंस चालक ने अपने ही वरीय अधिकारी पर एक मरीज को निजी अस्पताल से रिम्स ले जाने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है. चालक के अुसार, 108 एम्बुलेंस चालक को एक आपातकालीन कॉल आया और वह एसएनएमएमसीएच से एक गंभीर मरीज को लेने ही वाला था कि उसे 108 सेवा के वरीय अधिकारियों का फोन आया. दोनों अधिकारियों ने चालक को मरीज को सरकारी अस्पताल में छोड़कर एक निजी अस्पताल जाने और वहां से एक मरीज को रिम्स ले जाने का निर्देश दिया. इस संबंध में, चालक सुमन कुमार और सनी कुमार ने कहा कि यह आदेश सरकारी नियमों का पूर्ण उल्लंघन है. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा केवल आम जनता और सरकारी अस्पतालों के लिए है. लेकिन हमारे अधिकारी हमें निजी अस्पतालों से मरीजों को लाने-ले जाने का आदेश देते हैं, जो गलत है और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग है. चालक ने यह भी कहा कि ऐसे निर्देश अक्सर उच्च अधिकारियों के दबाव में जारी किए जाते हैं, जिससे क्षेत्र में कार्यरत एम्बुलेंस कर्मियों को असुविधा होती है. उन्होंने विभाग से मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है. स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सरकारी एम्बुलेंस निजी अस्पतालों में तैनात की जाएंगी, तो गरीब और जरूरतमंद मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाएगी. वहीं इस पूरे मामले पर सिविल सर्जन से बात की गई. सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि निजी अस्पताल में भर्ती मरीज की हालत गंभीर थी. उसे ले जाने के लिए एक 108 एम्बुलेंस गई थी, लेकिन वेंटिलेटर सपोर्ट न होने के कारण वापस लौट आई. फिर उसे एक निजी एम्बुलेंस से रिम्स ले जाया गया. एसएनएमएमसीएच में भर्ती एक मरीज को दूसरी 108 एम्बुलेंस से रेफरल अस्पताल भेजा गया. 108 एम्बुलेंस चलाने वाले अधिकारी तौसिक ने बताया कि निजी अस्पतालों से मरीजो को लाने-ले जाने का प्रावधान है.

शंख नदी छठ घाट पर गार्डवाल और सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर 43 वर्षों की प्रतीक्षा हुई पूरी

सिमडेगा। शंख नदी छठ घाट पर हर दिन बालू लदे ट्रैक्टरों के लगातार आवागमन से घाट क्षेत्र को हो रहे नुकसान की भरपाई अब हर वर्ष घाट संस्थान को करनी पड़ती है। इसी समस्या के समाधान हेतु हाल ही में उपायुक्त महोदया, आरक्षी अधीक्षक एवं जिला प्रशासन द्वारा स्थल निरीक्षण के बाद घाट सुरक्षा और सुंदरीकरण को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।प्रशासन द्वारा 40 फीट गार्डवाल निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है, जिसका कार्य वर्तमान में तेजी से प्रगति पर है। साथ ही दो किलोमीटर कालीकरण सड़क का निर्माण कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। इससे पहले एक किलोमीटर पीसीसी पथ का निर्माण पूरा किया जा चुका है। उक्त सभी कार्यों की दैनिक निगरानी छठ घाट संस्थान के सदस्य कर रहे हैं ताकि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।संस्थान के संस्थापक सदस्य प्रदीप केसरी ने बताया कि निर्माण कार्य राकेश सिंह और अक्षय कुमार की देखरेख में किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। समिति के अन्य संस्थापक सदस्य विष्णु प्रसाद, फनी भूषण शाहा, विनोद अग्रवाल, चंदन दुर्गा प्रसाद, लाल, दीपक अग्रवाल और संजय मिश्रा भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।केसरी ने आगे बताया कि 23 अक्टूबर से घाट की सफाई, झाड़ी कटाई, पहाड़ टोली से घाट तक पेड़ों की टहनियों की छंटाई तथा रास्तों में मिट्टी भराई का कार्य आरंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शंख नदी छठ घाट संस्थान की 43 वर्षों की तपस्या के बाद अब पक्कीकरण एवं पीसीसी पथ का निर्माण संभव हो पाया है। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया तथा कहा कि आने वाले छठ पर्व में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकता है।

झामुमो नेताओं के प्रयास से टांगरटोली गांव में जगमगाई रोशनी, ग्रामीणों में खुशी की लहर

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। अघरमा पंचायत के टांगरटोली गांव में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अंधेरा छंट गया। झामुमो नेताओं के प्रयास से शनिवार को गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में फिर से बिजली की रोशनी फैल गई। ट्रांसफार्मर का उद्घाटन झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य फिरोज अली और पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विजय खड़िया ने संयुक्त रूप से किया ।बताया गया कि पिछले कई महीनों से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण टांगरटोली गांव पूरी तरह अंधकार में डूबा था। ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना ने संज्ञान में लिया और फिरोज अली के सहयोग से बिजली विभाग से संपर्क साधा। उनके संयुक्त प्रयासों से नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया ।उद्घाटन के अवसर पर ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए झामुमो नेताओं और बिजली विभाग के अधिकारियों का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली न रहने से रात में घर के कामकाज, बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा को लेकर भारी परेशानी होती थी, लेकिन अब राहत मिली है ।फिरोज अली ने कहा कि गांव की हर समस्या हमारी जिम्मेदारी है। जनता की सुविधा के लिए झामुमो हमेशा तत्पर रहेगी और हर घर तक विकास की रोशनी पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। वहीं विजय खड़िया ने कहा कि “जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। टांगरटोली में बिजली की बहाली पार्टी की जनसेवा नीति का प्रमाण है ।ट्रांसफार्मर लगने के बाद गांव में उत्सव जैसा माहौल देखा गया। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी के चेहरों पर मुस्कान झलक उठी। ग्रामीणों ने कहा कि झामुमो नेताओं की सक्रियता से यह संभव हो सका ।झामुमो नेताओं ने बिजली विभाग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जब प्रशासन और जनता

महुदा मोड़ के मुरली नगर में अपराधियों ने डाका डालने का किया प्रयास

महुदा। महुदा मोड़ के मुरली नगर में शुक्रवार की रात अज्ञात अपराधियों के एक दल ने राजेश बाउरी के घर में डाका डालने का असफल प्रयास किया। गृहस्वामी के पुत्र मनीष कुमार की दिलेरी से अपराधियों को वापस भागना पड़ा। घटना के संबंध में गृह स्वामी राजेश बाउरी की पत्नी लतिका देवी ने बताया कि वे अपनी पुत्री एवं पुत्र के साथ महुदा मोड़ स्थित अपने मेडिकल स्टोर से मुरली नगर स्थित अपने घर पहुंचे। वे लोग घर का ताला खोलकर जैसे ही अंदर घुसे वैसे ही पीछे से लगभग एक दर्जन अपराधी उनके घर में घुस गये तथा हथियार के बल पर उन्हें एवं उनके पुत्र व पुत्री को कब्जे में कर अलमीरा की चाभी मांगने लगे, तभी उनका पुत्र किसी तरह अपराधियों की चंगुल से छुटकर दुसरे रूम में घुसकर अंदर से बंद कर लिया। रुम में जाकर उसने मोबाइल से अपने पिता राजेश बाउरी को सूचना दी।

प्रशासनिक अपील: नशा व जुए से रहें दूर स्वस्थ समाज के निर्माण में करें सहयोग दीपावली की दी शुभकामनाएं

नवीन मेल संवाददाता

बरही। प्रखंड सह अनुमंडल प्रशासन ने आम जनता, विशेषकर युवाओं से, नशा और जुआ जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की भावुक अपील की है. प्रशासन ने क्षेत्रवासियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया है. अधिकारियों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि नशा और जुआ तेज़ी से युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में ले रहे हैं, जिससे न केवल उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है, बल्कि उनके परिवार भी तबाह हो रहे हैं. इस संबंध में अनुमंडलाधिकारी जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल, बीडीओ जयपाल महतो, सीओ कुणाल चंद्रशेखर, थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर बिनोद कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार आदि अधिकारियों ने कहा, “युवा देश का भविष्य हैं, हम उनसे आग्रह करते हैं कि वे अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों, शिक्षा और खेलकूद में लगाएं. नशे की लत एक धीमा ज़हर है जो सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं, पूरे समाज को खोखला कर देता है।

अवैध गतिविधियों पर सख्ती: प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रखंड सहित पूरे अनुमंडल क्षेत्र में अवैध जुआ अड्डों और नशीले पदार्थों की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. एसडीपीओ श्री बिमल ने दो टूक चेतावनी दी, “नशा तस्करी और जुआ चलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. ऐसे असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. एनडीपीएस एक्ट और जुआ अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय भागीदार बनें. यदि उन्हें कहीं भी नशीले पदार्थों की बिक्री या जुए की गतिविधि दिखाई देती है, तो वे तुरंत स्थानीय पुलिस या प्रशासन को गोपनीय सूचना दें. सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी. प्रशासन द्वारा क्षेत्र में नशा मुक्ति और जागरूकता कार्यक्रमों को भी तेज किया जा रहा है. स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं. साथ ही, नशे के शिकार लोगों के लिए सरकारी अस्पतालों और नशा मुक्ति केंद्रों में मुफ्त उपचार और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध है. जिला प्रशासन का यह सामूहिक प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बने और नशा मुक्त तथा जुआ मुक्त समाज की स्थापना में अपना योगदान दे.

लोगों में उत्साह — धनतेरस पर बाजारों में रौनक, जीएसटी कम होने से लोगों ने की दिल खोलकर खरीदारी

500 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान

- **बर्तन की दुकान में कांसा और पीतल के बर्तनों की बिक्री ज्यादा हुई. सोने की कीमत आसमान छू रही है, लेकिन धनतेरस के बाजार में सोने की चमक बरकरार रही**

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर/देवघर। धनतेरस पर जमशेदपुर और देवघर के बाजारों में देर रात तक भीड़ रही. दुकानें खुली रहीं और लोग अपने परिवारों के साथ धनतेरस की खरीदारी में व्यस्त रहे. बर्तन, सोना-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ-साथ मिट्टी के दीये और घरेलू सजावट के सामान बेचने वाले कई दुकानों पर देर रात तक खरीदारी जारी रही. इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, आभूषण और गृह सज्जा से जुड़ी दुकानों पर भीड़ देखी गई. धनतेरस की देर शाम तक हुई खरीदारी को लेकर संथाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के लोगों ने कहा कि इस वर्ष धनतेरस पर देवघर सहित संथाल परगना में लगभग 500 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है. इधर, धनतेरस के बाजार को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, पुलिस सादे लिबास में घूम रही थी और जगह-जगह पैदल गश्ती कर रही थी. इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में सबसे ज्यादा खरीदारी टीवी और फ्रिज की हुई. आपको बता दें कि पिछले दिनों जीएसटी की दर में कटौती होने से सामान के दामों में कमी आई है, जिसके कारण लोगों ने जमकर खरीदारी की. बर्तन की दुकान में कांसा और पीतल के बर्तनों की बिक्री ज्यादा हुई. सोने की कीमत आसमान छू रही है, लेकिन धनतेरस के बाजार में सोने की चमक बरकरार रही. दुकानदारों कहना है कि पिछले कई वर्षों के बाद इस साल धनतेरस का बाजार सबसे अच्छा रहा, लोगों में धनतेरस को लेकर काफी उत्साह दिखा और जमकर खरीदारी हुई. दुकानदारों ने बताया कि जीएसटी दर में कमी के कारण बाजार में इसका असर बेहतर दिख रहा है. लेकिन ऑनलाइन बाजार के कारण धनतेरस के बाजार में थोड़ा असर पड़ा है. इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के विक्रेता विशाल सिंह ने बताया कि जीएसटी दर में कमी के कारण खरीदारी अच्छी हुई. पूरे जमशेदपुर में धनतेरस के बाजार में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का लगभग सौ करोड़ का कारोबार होता है. बर्तन दुकान के विक्रेता का कहना है कि कांसा, पीतल के बर्तन की ज्यादा बिक्री हुई है इस बार धनतेरस के बाजार में रौनक देखने को मिली है. बाजार अच्छा हुआ है. इधर सोने की कीमत बढ़ने के बाद भी धनतेरस में उसकी चमक बरकरार रही दूकानदार ने बताया कि पहले ग्राहक जिस मात्रा में सोने के जेवर लिया करते थे वर्तमान में सोने का भाव बढ़ने के बाद भी ग्राहकों ने अपने बजट के अनुसार सोना और चांदी के आभूषणों की खरीदारी की है. धनतेरस के बाजार में खरीदारी करने वाले ग्राहकों ने भी बताया कि दिवाली है और उसके पहले धनतेरस में सामान खरीदना जरूरी होता है. बाजार थोड़ा महंगा है लेकिन अच्छा भी है. जीएसटी के रेट में कमी होने से कई सामान के दाम कम हुए हैं जिससे उन्हें सस्ता सामान भी मिला है.

वाहनों की हुई जमकर खरीदारी

धनतेरस पर कारोबारियों का यह अनुमान है कि इस वर्ष हर वर्ष से बेहतर खरीदारी हुई है. धनतेरस की देर शाम तक देवघर के गाड़ियों के शोरुम में खूब खरीदारी हुई. लोग चार चक्का और दो चक्का वाहनों की खरीदारी खूब किए. वहीं, बाजार में खरीदारी करने पहुंचे ग्राहकों का कहना था कि इस वर्ष ‘वोकल फॉर लोकल’ के प्रधानमंत्री आवाहन का असर साफ दिखा. लोग स्वदेशी उत्पादों की ओर आकर्षित हुए हैं. स्टील बर्तनों, पीतल के दीपकों, घरेलू सजावट और भारतीय ब्रांडों के इलेक्ट्रॉनिक सामान की मांग में खासा इजाफा देखा गया. वहीं देवघर के बाजार में खरीदारी करने पहुंचे ग्राहकों और दुकानदारों ने कहा कि इस वर्ष जीएसटी कम होने का असर भी बाजार में देखने को मिल रहा है. जीएसटी के कम होने से कई उत्पादों के दाम कम हो गए हैं.

ईएमआई को लेकर छोटे भाई को ट्रक से कुचलकर मार डाला, झारखंड में दो भाइयों के बीच खूनी विवाद

देवघर। झारखंड में बड़े भाई ने छोटे भाई की जान ले ली। दोनों के बीच कर्ज की किस्त चुकाने को लेकर हुए विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई को ट्रक से कुचलकर मार डाला। घटना के बाद वह ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। झारखंड के देवघर जिले में रविवार को कर्ज की किस्त चुकाने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई को ट्रक से कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना देवीपुर थाना क्षेत्र में दोपहर के आसपास हुई। आरोपी संजीत जायसवाल (42) ने कथित तौर पर अपने छोटे भाई बिट्टू (35) को ट्रक से कुचल दिया। बिट्टू चौधरीडीह मेन रोड पर सड़क किनारे एक ढाबे के पास अपनी मोटरसाइकिल धो रहा था। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद संजीत अपना ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। देवीपुर थाने के प्रभारी संदीप कृष्ण ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि बिट्टू के नाम पर खरीदे गए ट्रक की ईएमआई के भुगतान को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद चल रहा था। घटना के समय संजीत कथित तौर पर शराब के नशे में था और अपराध करने के बाद मौके से फरार हो गया। अधिकारी ने आगे कहा कि परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि संजीत सात भाइयों में दूसरे नंबर का था, जबकि मृतक बिट्टू पांचवें नंबर का था।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

दया ईश्वरानुभूति के लिए आवश्यक है, क्योंकि ईश्वर स्वयं इस गुण से आप्लावित हैं। सहृदय व्यक्ति स्वयं को दूसरों के स्थान पर रख उनकी पीड़ा का अनुभव कर उसे दूर करने का प्रयास कर सकते हैं। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

युद्ध विराम से राहत

हर समझदार व्यक्ति को इस बात से राहत महसूस होनी चाहिए कि आखिरकार गाजा में युद्ध विराम हो गया। बचे हुए इस्राइली बंधकों को हमास ने रिहा कर दिया है। इस्राइली सेना ने फिलहाल युद्ध रोक दिया है, जिससे संकटग्रस्त और बर्बरता से पीड़ित फलस्तीनियों तक भोजन, दवाइयां और अन्य प्रकार की राहत पहुंच सकती है। लेकिन हर समझदार व्यक्ति जानता है कि यह युद्ध विराम एक बहुत ही छोटा कदम है। शांति और न्याय का मार्ग अभी भी कठिन है, जिसके लिए और कई बाधाओं को पार करना है। इस विवाद के 40 से अधिक साल बीत जाने के बाद भी इस संघर्ष के बारे में किताब में जो कुछ भी कहा गया है, वह आज भी प्रासंगिक है। पहली पुस्तक दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता सेनानी जो स्लोवो की आत्मकथा है। स्लोवो लिथुआनिया में जन्मे यहूदी थे, जो 1930 के दशक में यूरोप में यहूदियों पर हो रहे उत्पीड़न की वजह से परिवार सहित दक्षिण अफ्रीका आ गए। उन्होंने वहीं रहते हुए श्वेत-शासन के खिलाफ संघर्ष में भाग लिया। 1960 के दशक में उन्हें निर्वासन में जाना पड़ा और रंगभेद की समाप्ति के बाद वे दक्षिण अफ्रीका लौटे तथा नेल्सन मंडेला की कैबिनेट में आवास मंत्री बने। स्लोवो की आत्मकथा दो विषयों पर केंद्रित है- कम्युनिस्ट पार्टी में उनकी सक्रियता और रंगभेद विरोधी आंदोलन और गोरों के शासन की दमनकारी नीतियां। लेकिन इन सबके पहले वे बताते हैं कि उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के अंतिम चरण में इटली में सेवा की थी। युद्ध समाप्त होने के बाद वे कुछ महीनों तक यूरोप में रहे और फिर दक्षिण अफ्रीका लौटते हुए बीच में फलस्तीन में ठहरे। एक यहूदी होने के नाते वे किब्बुत्ज यानी सामुदायिक जीवन के बारे में जानने चाहते थे। 1946 में तेल अवीव की यात्रा के दौरान एक किब्बुत्ज में अपने प्रवास का वर्णन करते हुए स्लोवो लिखते हैं- "यदि इसे अलग से देखा जाए तो यह समाजवादी जीवनशैली का सुंदर उदाहरण लगता था। वहां अधिकतर वे युवक-युवतियां थे, जिनके माता-पिता पश्चिमी देशों में संपन्न यहूदी व्यापारी थे। वे आदर्शवाद और मानवता की भावना से प्रेरित थे- उन्हें विश्वास था कि केवल इच्छा-शक्ति और मानवता के बल पर आप एक फैक्ट्री या एक किब्बुत्ज में समाजवाद स्थापित कर सकते हैं।" स्लोवो आगे लिखते हैं- "ध्यान से देखने पर स्पष्ट हुआ कि इन सभी किब्बुत्जों में प्रमुख विचार यह था कि बाइबिल के अनुसार, फलस्तीन की भूमि हासिल करने के लिए हर यहूदी को 'लड़ना' चाहिए और यदि ऐसा करने के लिए पांच हजार वर्षों से वहां रह रहे लाखों लोगों को उजाड़ना भी पड़े तो कोई बात नहीं।" स्लोवो ने 1980 के दशक में लिखी अपनी स्मृतियों में इस विचारधारा के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए लिखा- "कुछ ही वर्षों में इस्राइली विस्तार और एकीकरण के युद्ध शुरू हो गए। विडंबना यह रही कि 'होलोकॉस्ट' के भयावह अनुभवों को ही यहूदी राष्ट्रवादियों ने फलस्तीन के मूल निवासियों पर अपने उत्पीड़न और नरसंहार को जायज ठहराने का औजार बना लिया।" दूसरी किताब जो मैं पढ़ रहा था, वह मेक्सिको के मशहूर लेखक ओक्तावियो पाज का निबंध संग्रह 'वन अर्थ, फोर ऑर फाइव वर्ल्ड' था। पाज नोबेल पुरस्कार विजेता होने के साथ भारत में मेक्सिको के राजदूत भी रहे थे। 1983 में प्रकाशित इस पुस्तक में उन्होंने अमेरिका, लैटिन अमेरिका, भारत और मध्य-पूर्व के राजनीतिक-सांस्कृतिक विषयों पर गहन विचार किए हैं। पाज का मत था कि फलस्तीनी नेताओं की कट्टरता का दूसरा पहलू 'इस्राइली हठधर्मिता' थी। वे लिखते हैं, "यहूदियों और अरबों दोनों की जड़ें एक ही वृक्ष की शाखाएं हैं।

शांति और न्याय का मार्ग अभी भी कठिन है, जिसके लिए और कई बाधाओं को पार करना है। इस विवाद के 40 से अधिक साल बीत जाने के बाद भी इस संघर्ष के बारे में किताब में जो कुछ भी कहा गया है, वह आज भी प्रासंगिक है।

धनतेरस की शुभता आरोग्य से समृद्धि की ओर अग्रसर

दिवाली के त्यौहार के आरंभ के प्रतीक धनतेरस के इस शुभ दिन को हम पारंपरिक रूप से समृद्धि, नवीनीकरण और नई शुरुआत के दिन के रूप में मनाते हैं। हमारे प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, यह दिन समुद्र मंथन यानि ब्रह्मांडीय महासागर के महान मंथन के दौरान देवी लक्ष्मी और देवताओं के वैद्य धन्वंतरि के दिव्य अवतरण का स्मरण कराता है। यह पवित्र दिन केवल भौतिक समृद्धि का ही नहीं, बल्कि इस गहरे सच का भी प्रतीक है कि वास्तविक संपन्नता संपूर्ण कल्याण से ही आती है। संक्षेप में कहें तो, धनतेरस का त्यौहार हमें याद दिलाता है कि स्वास्थ्य ही सबसे श्रेष्ठ और सबसे चिरस्थायी धन है।

आयुर्वेद के अथाह ज्ञान के अनुसार, धनतेरस का महत्व त्यौहार से कहीं बढ़कर है। यह मौसम में होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तनों के साथ जब हेमंत ऋतु, यानी शीत ऋतु का आरंभ हो रहा होता है उस समय आता है। हमारे प्राचीन ऋषियों के अनुसार इस अवधि को कायाकल्प, विषहरण और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए अत्यंत अनुकूल माना जाता है। इस शुभ दिन से जुड़े पारंपरिक अनुष्ठान, जैसे कि मिट्टी के दीये जलाना और सोने-चांदी के बर्तनों की औपचारिक खरीद, स्वास्थ्य संरक्षण के प्रतीकात्मक और शारीरिक दोनों आयामों को दर्शाते हैं।

दीये की प्रज्वलित लौ चेतना के प्रकाश और अज्ञानता के निवारण का प्रतीक है, वहीं अपने उपचार गुणों और शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने की उल्लेखनीय क्षमता के कारण सोना और चांदी जैसी कीमती धातुएं आयुर्वेदिक चिकित्सा में हजारों सालों से महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। यह पवित्र दिन अंतरावलोकन, कृतज्ञता और सचेत देखभाल को भी प्रोत्साहित करता है। आयुर्वेद हमें सिखाता है कि तीन मूलभूत जैव-ऊर्जाओं-वात, पित्त और कफ जिन्हें सामूहिक रूप से त्रिदोष कहा जाता है उनका सामंजस्यपूर्ण संतुलन कितना आवश्यक है। इनका संतुलन हमारे जीवन में उत्साह, हमें मजबूत बनाने और हमारी दीर्घायु को सुनिश्चित करता है। जब ये तात्विक शक्तियाँ हमारे शरीर में संतुलन में रहती हैं, तो वे ओजस को जन्म देती हैं, यह तीव्र शक्ति, रोग प्रतिरोधक क्षमता और आध्यात्मिक तेज का सूक्ष्म सार है। यह ओजस स्थायी समृद्धि का सच्चा आधार है, जो केवल भौतिक समृद्धि या लौकिक सफलता से कहीं आगे तक फैला हुआ है।

आयुर्वेद की धन-संपत्ति की अवधारणा अत्यंत समग्र और बहुआयामी है। यह हमें सरल किन्तु परिवर्तनकारी अभ्यासों के माध्यम से अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में सचेत निवेश करने का निमंत्रण देती हैं। इनमें पौष्टिक मौसमी खाद्य पदार्थों से अपने शरीर का पोषण करना, ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से मन की शांति बनाये रखना, पर्याप्त और आरामदायक नींद सुनिश्चित करना, सौहार्दपूर्ण संबंध बनाना और कृतज्ञता एवं संतोष की भावना को बढ़ावा देना शामिल है। ये केवल औपचारिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि चिर-सम्मानित स्वास्थ्य नुस्खे हैं जो हमारी सहनशक्ति को मजबूत करते हैं, हमारी प्रतिरक्षात्मकता को बढ़ाते हैं, तथा हमारे जीवन में स्थिरता और शांति लाते हैं। धनतेरस के समय होने वाले मौसमी परिवर्तन के दौरान, आयुर्वेदिक पद्धतियों जैसे अभ्यंग (तेल मालिश), घी और गर्म मसालों का सेवन, योग का अभ्यास, तथा पाचन और मौसमी आहार को अपनाने का एक उपयुक्त अवसर होता है।

हजारों वर्षों के अनुभवजन्य ज्ञान पर आधारित ये निवारक उपाय हमें मजबूत और स्वस्थ बनाने और बीमारियों को आने से पहले ही रोकने में मदद करते हैं। आज के आधुनिक समय में, जहां जीवनशैली संबंधी विकार महामारी के रूप में फैल रहे हैं और तनाव से जुड़ी बीमारियां लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं, आयुर्वेद का प्राचीन ज्ञान व्यावहारिक, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

आयुष मंत्रालय इन पारंपरिक स्वास्थ्य विज्ञान को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकृत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है, जिससे हर भारतीय परिवार स्वस्थ हो सके और साथ ही इस अमूल्य ज्ञान को दुनिया के साथ भी साझा किया जा सके। इस धनतेरस पर, मैं सभी नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक पद्धतियों को अपनाने की हार्दिक अपील करता हूं।

सब लोग संतुलित और मौसमी पोषण को प्राथमिकता दें, नियमित स्व-देखभाल दिनचर्या अपनाएं, सचेत जीवन जिएं, निवारक स्वास्थ्य उपाय अपनाएं, और शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य बनाए रखें। आइए, हम इस पावन पर्व का सम्मान केवल सोना-चाँदी खरीदकर भौतिक समृद्धि प्राप्त करके ही न करें, बल्कि अपनी सबसे मूल्यवान और अपूरणीय संपत्ति-अपने स्वास्थ्य और कल्याण में निवेश करने की प्रतिबद्धता लेकर भी करें।

अपनी सभ्यता के ज्ञान में निहित इन सरल, किंतु गहरे रूप से प्रभावी और समय-सिद्ध तरीकों को अपनाकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि समग्र कल्याण का दीप्तिमान प्रकाश हमारे घरों को प्रकाशित करे, हमारे परिवारों को स्वस्थ रखे और हमारे समुदायों का उत्थान करे। ऐसा करके, हम न केवल त्योहार के पारंपरिक महत्व का सम्मान करते हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी भी निभाते हैं।
यह धनतेरस हमारे देश के हर घर में न केवल भौतिक सम्पति बल्कि दीर्घकालिक, सौष्ठव, प्राकृतिक संतुलन, मानसिक शांति और सच्चा आनंद लेकर आए। आइए हम एक ऐसा त्योहार मनाएँ जो वास्तव में शरीर का पोषण करे, मन को ऊर्जावान बनाए और आत्मा का उत्थान करें, जिससे स्वास्थ्य और संपूर्णता की एक अमूल्य विरासत का निर्माण हो सके जो आने वाली पीढ़ियों तक गूंजती रहेगी।

आज की बात

प्रतापराव जाधव
केंद्रीय आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्य मंत्री

दीपावली शुचिता का पर्व है

कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या की सघन काली रात में ज्योति का झिलमिल प्रकाशं करके दीपावली मनाने की यह परम्परा भारतीय संस्कृति के बहुमुखी चिन्तन को प्रकट करती है। समाजशास्त्रियों का मत है कि विजयादशमी खासकर क्षत्रियों का धर्व है। इस अवसर पर शासक वर्ग अपनी राज-व्यवस्था, राष्ट्र-व्यवस्था का निरीक्षण-परीक्षण कर उसके गुण-दोषों की समीक्षा करते थे और राज-व्यवस्था को हर दृष्टि से मजबूत व व्यवस्थित करने का प्रयास करते थे। विजयादशमी के बाद दीपावली आती है। यह वैश्यों का पर्व है। वैश्य व्यापारी वर्ग राष्ट्र की आर्थिक धुरा का संचालक है। किसी भी राष्ट्र व समाज की सुदृढ़ता, सुस्थिरता और संपन्नता केवल सेना और शस्त्र-बल के आधार पर नहीं हो सकती। राष्ट्र की धुरी का अर्थ है-धन। धन से ही राष्ट्र की व्यवस्था चलती है। इसलिए राष्ट्र की आर्थिक प्रगति का लेखा-जोखा, निरीक्षण-परीक्षण कर नवीन योजनाएँ बनाने का अवसर मिलता है दीपावली के दिन। इसलिए समाजशास्त्र की दृष्टि से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुसंचालित करने वाला पर्व दीपावली है। अतः इसे राष्ट्र की सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना गया है। दीपावली भारत का सांस्कृतिक पर्व है। इसका त्यौहार के रूप मे प्रचलन कब हुआ यह कहना मुश्किल है। कुछ लोगों की मान्यता है कि राजा बलि ने देवताओं को बन्दी बनाया तब उनके साथ लक्ष्मी को भी बन्दी बना लिया था। तब विष्णु ने वामन रूप धारणकर देवताओं सहित लक्ष्मी को बलि के बन्दीगृह से कार्तिक अमावस्या के दिन मुक्त कराया। इस कारण इस दिन लक्ष्मी की पूजा प्रारम्भ हो गई। कुछ विद्वानों का यह कथन है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम लंका-विजय करके सीता-लक्ष्मण सहित अयोध्या लौटे तो अयोध्यावासियों ने पूरे राज्य में विशाल उत्सव मनाया। घर-घर पर दीपक जलाये गये। इसलिए कार्तिक अमावस्या के दिन दीपमालिका करने की प्रथा चली। संत तुलसीदास जी ने गीतावली में भी इसका रोचक वर्णन किया है : -

ततस्तु लोकः प्रतिवर्षमादराद् प्रसिद्धं
दीपावलिका भारते।

राम-राज्याभिषेक उत्सव तथा भगवान महावीर निर्वाण की दोनो घटनाओं में समानता यही है कि जनता ने दीप जलाकर प्रकाश उत्सव मनाया। हमारी लक्ष्मी न्यायोपार्जित ही हम सविवेकपूर्वक इसका उपयोग व उपयोग करें। दीपक संसार में जलकर प्रकाश करता है। इसी तरह यहां अपना बलिदान देकर दूसरों के जीवन में प्रकाश करें। अंधकार में मटकरी लोगों को ज्ञान-ज्योति, नेत्र ज्योति और आनन्द की ज्योति प्रदान कर जाते जीवन की सार्थक बनाएँ। दीपावली शुचिता का पर्व है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

कांतिलाल मांडोत

धर्मराज, मुक्ति और शक्ति का त्रिवेणी पर्व नरक चतुर्दशी

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी की तिथि भारतीय संस्कृति, परंपरा व अध्यात्म में न केवल एक अद्वितीय स्थान रखती है, बल्कि यह तिथि एक पर्व, प्रकाश, कर्म, न्याय व शक्ति के सिद्धांतों का जीवंत प्रतीक भी है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को छोटी दीवाली, नरक चतुर्दशी, रूप चौदस, काली चौदस आदि नामों से भी जाना जाता है। पौराणिक ग्रंथों में इसका उल्लेख यमराज की पूजा, नरकासुर के संहार और देवी काली के शक्ति प्रदर्शन के रूप में किया गया है। एक मान्यतानुसार कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी श्रीराम भक्त हनुमान का जन्म दिवस भी है, इसलिए इस दिन हनुमान जन्मोत्सव भी मनाया जाता है। इस प्रकार यह हनुमान की शक्ति और पराक्रम को स्मरण करने का भी दिन है।
कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के इस पवित्र दिन का प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान मृत्यु के देवता यमराज से संबंधित है। इसलिए इस दिन को यम चतुर्दशी अथवा यम दिवस के नाम से जाना जाता है। यमराज केवल प्राण हरने वाले देवता नहीं हैं, बल्कि वे धर्मराज हैं, जो जीवों के कर्मों का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हैं। यमराज की उत्पत्ति सूर्यदेव (विवस्वान) और उनकी भार्या संज्ञा से हुई थी। वे संज्ञा के जुडवां पुत्र थे, और उनकी जुडवां बहन का नाम यमी था, जो बाद में यमुना नदी के रूप में प्रसिद्ध हुईं। इनके अनेक नाम प्रचलित हैं। पौराणिक व स्मृति ग्रंथों में यमराज के यम, धर्मराज, मृत्यु, अंतक, वैवस्वत, काल, सर्वभूतक्षय, औदुम्बर, दध्ननील, परमेष्ठी, वृकोदर, चित्र और चित्रगुप्त आदि चौदह नामों का विशेष उल्लेख है। चतुर्दशी के दिन इन चौदह नामों से यमराज का तर्पण किये जाने की परिपाटी है, और प्रत्येक नाम से तीन-तीन अंजलि जल अर्पित किया जाता है। धर्म के नियमों का पालन करते हुए न्याय करने के कारण ही यमराज को धर्मराज कहा जाता है। मृत्यु पश्चात मनुष्य सबसे पहले यमलोक पहुंचता है, जहां यमराज उसकी आत्मा को स्वर्ग अथवा नर्क में भेजने का निर्णय लेते हैं। उनका वाहन महिष अर्थात भैंसा है। वे दंड धारण करते हैं, इसलिए उन्हें दंडधर भी कहां जाता है। वे दक्षिण दिशा के दिक्पाल हैं। अपनी राजधानी संयमनीपुरी में लगने वाली दरबार में वे अपनी पत्नी देवी धुमोरना और मुंशी चित्रगुप्त के साथ विराजमान रहते हैं। अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए इनके पूजन का विधान है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी की संध्या पर यम को दीपदान करने की प्रथा इस पर्व का केंद्रीय अनुष्ठान है। इस दिन सरसों के तेल का दीया जलाकर उसे घर के बाहर किसी उंचे स्थान पर, विशेष रूप से दक्षिण दिशा की ओर मुख करके रखा जाता है। यह दिशा यमराज की मानी जाती है, और यह दीप उन्हें समर्पित किया जाता है। इस दीपदान की परंपरा पुण्यात्मा व धर्मात्मा राजा रन्ति देव से जुड़ी है। वहीं, चतुर्दशी के दो दिन बाद आने वाला भाई दूज अर्थात यम द्वितीया भी यमराज और यमी के भाई-बहन के प्रेम को समर्पित है। इस दिन बहन के घर भोजन करने से भाई की उम्र बढ़ती है और वह यम की यातना से मुक्त रहता है, जो इस परिवार (सूर्य, यम, यमी) के महत्व को दिवाली के पंच दिवसीय पर्व पर स्थापित करता है। यम चतुर्दशी के साथ ही यह तिथि नरक चतुर्दशी के रूप में भी प्रसिद्ध है, जिसकी कथा दैत्यराज नरकासुर के वध से जुड़ी है। यह कथा अत्याचार पर शक्ति की विजय और असहायों की मुक्ति का प्रतीक है। विष्णु पुराण और भागवत पुराण में अंकित कथा के अनुसार नरकासुर की उत्पत्ति द्वापर युग में भगवान विष्णु के वराह अवतार के समय भूमि देवी के गर्भ से हुई थी। वह भौमासुर के नाम से जाना जाता था। अपने क्रूर कर्मों के कारण वह नरकासुर कहलाया। उसने अपनी राजधानी प्राग्ज्योतिषपुर वर्तमान गुवाहाटी में स्थापित की। और अपनी शक्ति से उसने इंद्र, वरुण, वायु जैसे देवताओं को भी परास्त किया। और 16,100 राजकुमारियों और संतों की स्त्रियों को बंदी बनाकर रखा और उनका शोषण किया। उसने अदिति के कुंडल और देवताओं की मणि भी छीन ली थी। नरकासुर को एक स्त्री के हाथों मरने का श्राप प्राप्त था। देवताओं और ऋषियों की प्रार्थना पर भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी पृथ्वी की अवतार सत्यभामा को अपना सारथी बनाया। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को श्रीकृष्ण ने सत्यभामा की सहायता से भीषण युद्ध के उपरांत नरकासुर का वध किया। और सभी 16,100 कन्याओं को बंधन से मुक्त किया। समाज में उनके सम्मान की रक्षा के लिए उन कन्याओं ने श्रीकृष्ण से विवाह करने की इच्छा व्यक्त की। श्रीकृष्ण ने उन्हें स्वीकार कर लिया और उन्हें अपनी पत्नी के रूप में प्रतिष्ठित कर सम्मान प्रदान किया। इस उपलक्ष्य में नगरवासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया। उस समय से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

अशोक 'प्रवृद्ध'

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

चकाचौंध, चुंधिया गयीं, लक्ष्मी भी इस बार।
दीप नहीं, हैं मालिका, कैसे हैं घर द्वार ?
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444
संपादक

अपने से चतुर लोगों का मुकाबला कैसे करें?

दीपावली को अंधकार के उपर प्रकाश के विजय पर्व के तौर पर जाना जाता है। ऐसा ही एक अंधकार हमारी अज्ञानता में भी समाया हुआ होता है और हम प्रायः ऐसे ही सवालों से जुझते रहते हैं कि अपने से चतुर लोगों का मुकाबला कैसे करें। यह सवाल कुछ ऐसा जब हम स्वयं में चतुर होने के बावजूद अपने से चतुर लोगों के साथ मुकाबले को लेकर हमेशा सवालों के घेरे में बने ही रहते हैं। इन सवालों के सामने हम विवश हो कर रह जाते हैं क्योंकि हमें अंधकार को हराने वाले प्रकाश का ध्यान ही नहीं होता। अंधकार और प्रकाश के आपसी समीकरण का यह एक पक्ष है। ऐसा तब होता है जबकि चतुर होने पर भी चतुराई के दायरे असीमित नहीं होते। अब यदि कोई ऐसी परिस्थिति सामने आ भी जाए तो बड़ा सा सवाल यह आ खड़ा होता है कि क्या हमारा "मैं" इसका मुकाबला करने में सक्षम है? दिल लगाकर देखें तो हम बेहिचक व बेहिसाब भाव से किसी चतुर के चतुराई को उसी के ताने बाने में लपेटने में सक्षम होते हैं और इस लक्ष्य को बहुत आसानी से हासिल कर सकते हैं फिर भी प्रतिक्षण ऐसे किसी सवाल को लेकर आशंकित बने ही रहते हैं। ऐसा भी तब जबकि इस आशंका का बहुत ही सरल सा समाधान है और सीमित पारिवारिक परिदृश्य के साथ इस चतुराई को आईना दिखाया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर आप किसी भी गृहलक्ष्मी से दुनिया के सबसे मूर्ख व्यक्ति को लेकर सवाल पूछ लें। आपको जो उत्तर मिलेगा वह सार्वभौमिक तौर पर एक समान होगा और खुद की गृह लक्ष्मी की नजर में सबसे मूर्ख प्राणी के रूप में आप का नाम ही सामने आएगा। यह एक सार्वभौमिक तथ्य है और इसके इसी सार्वभौमिकता में यह भी शामिल है कि पत्नी महोदया चतुर ही होती है और आपका "मैं" शाश्वत मूर्ख का बना रहता है। शाश्वत मूर्ख होने के बावजूद यह भी सही है कि आपका यही "मैं" प्रतिदिन उसी चतुर महिला के असंख्य सवालों के चक्रव्यूह भेदन में दिन रात लगा हुआ रहता है। इतना ही नहीं, आपका "मैं" तो आखिरकार उन्हीं बच्चों का बाप होता है जिन्हें आजकल "फाईव जी" बच्चों की संज्ञा दी जा रही है। जाहिर सी बात है इस दृष्टि से भी आपके खुद के "मेरा" का मुकाबला क्षण प्रतिक्षण अपने से चतुर उस श्रेणी के साथ निरंतर होता रहा है जिनकी आपने परवरिश की है। मजे की बात यह भी कि अपेक्षाकृत इन चतुर श्रेणी के प्रजातियों से मुकाबले के लिए यही "मैं" सनातन काल से स्थापित मान्यताओं का एक सक्रिय वाहक बनकर अपेक्षाकृत न्यूनतम क्षमता का प्राणी बना हुआ है। उपरोक्त पृष्ठभूमि पर चर्चा का यह प्रसंग इसलिए भी प्रासांगिक है क्योंकि यह प्रश्न खुद में चतुराई का एक प्रबल विकल्प बनकर सामने आता रहता है। अब इतने चतुर प्रश्न का प्रबंधन मुफ्त की मुफ्ती से संभव नहीं है तो मुफ्त के अनुभवों की मानें और प्रश्न या प्रश्नकर्ता की काबिलियत को नजरअंदाज करते रहें। सवाल सामने आया नहीं कि बगैर समझे बूझे प्रश्न के समर्थन में सिर झुका कर नतमस्तक भाव से चलते रहें। यकीन मानिए, देखते देखते प्रश्न की चतुराई कहीं गुमनामी के अंधेरे में होगी और आपकी तथाकथित "मूर्खता" तत्क्षण आपकी काबिलियत बनकर सामने होगी। अब प्रत्युत्तर में गलती से भी कहीं आपने अपनी काबिलियत झाड़नी शुरू की तो वहीं पर आपकी काबिलियत धरी की धरी रह जाएगी और आप ऑन रिकॉर्ड कहाँ, क्यों, कौन, कैसे और कब जैसे "पंचमुखी दानव" के शिकार होते हुए न खुद को सुरक्षित रख पाएंगे और न किसी प्रकाश की कामना ही कर पाएंगे। बहरहाल, मजाक मजाक में रचे गए गृहलक्ष्मी के इस संदर्भ का सार यह भी है कि कोई भी "चतुर" या उसकी "चतुराई" कभी भी किसी व्यक्ति या उसके सवालों में अंतर्निहित नहीं होते। चतुर तो हमेशा समय होता है और किसी भी सवाल के मुकाबले के लिए समय का प्रबंधन ही उसका उचित जवाब होता है। बहरहाल प्रतीक्षा के विकल्प का इंतजार करते हुए तमाम अस्वीकृतियों को कचड़े के डब्बे में फेंक डालिए, मजे से परिस्थितियों को स्वीकार करते रहिए, और क्षण प्रतिक्षण जीवन में दीपावली का अनुभव करते रहिए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

देश की बात

केदारनाथ दास

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

क्रिसमस समारोह के तरह दीवाली मनाएं : अखिलेश यादव

एजेंसी। लखनऊ

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को राजनीतिक विवाद खड़ा करते हुए दिवाली समारोहों पर सरकार के भारी खर्च पर सवाल उठाए और इसकी तुलना दुनिया भर में क्रिसमस के जश्न से की। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को शहरों में क्रिसमस मनाने के तरीके से सीखना चाहिए। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, यादव ने कहा, 'मैं भगवान राम के नाम पर एक सुझाव देना चाहूंगा। दुनिया भर में, क्रिसमस के दौरान सभी शहर महीनों तक जगमगाते रहते हैं। हमें उनसे सीखना चाहिए।' उन्होंने सरकार के खर्च करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा, 'हमें दीयों और मोमबत्तियों पर पैसा क्यों खर्च करना पड़ता है और इसके लिए इतना सोचना क्यों पड़ता है?' उन्होंने आगे सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? इसे हटा दिया जाना चाहिए। सांसद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अयोध्या दिवाली मनाने के लिए 26 लाख से ज्यादा दीये जलाकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहा है।

विहिप और भाजपा का अखिलेश पर हमला

जिहादियों और धर्मांतरण गिरोहों के मसीहा है अखिलेश : विहिप

हिंदू संगठन विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने यादव पर भारतीय संस्कृति की बजाय विदेशी परंपराओं का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। बंसल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जरा सुनिए, दिवाली के मौके पर क्रिसमस की तारीफ़ करते यूपी के इस पूर्व मुख्यमंत्री की बात। दीयों की कतारों ने उनका दिल इतना जला दिया है कि वो एक अरब हिंदुओं को उपदेश दे रहे हैं, दीयों और मोमबत्तियों पर पैसा बर्बाद मत करो, क्रिसमस से सीखो।' उन्होंने यादव को जिहादियों और धर्मांतरण गिरोहों के तथाकथित मसीहा बताते हुए आरोप लगाया कि वह हिंदुओं से ज्यादा ईसाइयों से प्यार करते हैं और भारतीय त्योहारों से ज्यादा विदेशी त्योहारों का महिमामंडन करते हैं। बंसल ने यह भी कहा, 'जब ईसाई धर्म नहीं था, तब भी दिवाली मनाई जाती थी। आज दिवाली पर वो क्रिसमस पर प्रवचन दे रहे हैं। क्रिसमस दो महीने बाद आएगा। उन्हें ये भी नहीं पता कि कौन सा त्योहार आ रहा है। अखिलेश यादव अपनी सनातन विरोधी मानसिकता से कब मुक्त होंगे? अयोध्या की रौनक और हिंदुओं की खुशी पर इतनी ईर्ष्या ठीक नहीं है।'

अयोध्या के जगमगाने से अखिलेश को है दिक्कत: भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें 'अयोध्या के जगमगाने से दिक्कत' है।

पूनावाला ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान अयोध्या को अंधेरे में रखा गया था। तत्कालीन सपा सरकार ने पहले भी राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। अब जब अयोध्या जगमगा रही है, तो अखिलेश यादव को दिक्कत हो रही है।' उन्होंने आगे कटाक्ष करते हुए कहा, 'ये लोग सैफई में नाच-गाने का आयोजन करते थे, लेकिन अयोध्या में दिवाली मनाई जा रही है, तो अखिलेश यादव को दिक्कत हो रही है।'

चंद्रयान-2 ने सूर्य के चांद पर पड़ने वाले असर का पता लगाया: इसरो

'चंद्रायन-2' ने सूर्य से निकले कोरोनल मास इजेक्शन का चंद्रमा के बाहरी वायुमंडल पर प्रभाव दर्ज किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के बहुत पतले वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी। श्रीहरिकोटा से 22 जुलाई 2019 को जीएसएलवी-एमके3-एम1 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-2 में आठ वैज्ञानिक उपकरण थे और 20 अगस्त 2019 को चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा। इसरो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, चंद्रयान-2 पर लगे उपकरणों में से एक—'चंद्राज एटमॉस्फेरिक कॉम्पोजिशनल एक्सप्लोरर-2' (सीएचएसीई-2) ने सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन का चंद्रमा के बाहरी वायुमंडल पर पड़ने वाला असर रिकॉर्ड किया है। सीएचएसीई-2 उपकरण का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के तटस्थ बाहरी वायुमंडल (न्यूट्रल एक्सोस्फीयर) की संरचना, उसका विस्तार और उसमें होने वाले बदलावों का अध्ययन करना है।

यह अवलोकन चंद्रमा के बाह्यमंडल और अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद करेगा

भारतीयों ने संस्कृति का प्रचार प्रसार किया किसी पर आक्रमण नहीं किया: भागवत

● राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नई दिल्ली में 'आर्य युग विषय कोश' की शुरुआत के अवसर पर संबोधन दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भागवत ने कहा, ''कई आक्रमणकारी आए और हमें लूटा, दास बनाया। आखिरी आक्रमणकारियों ने हमारे मस्तिष्क को लूटा। हम अपनी ताकत ही भूल गए और यह भी भूल गए कि हम दुनिया के साथ क्या साझा कर सकते है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि प्राचीन काल में भारत के लोग संस्कृति और विज्ञान का प्रचार प्रसार करने के लिए दुनिया भर में घूमें लेकिन उन्होंने कभी किसी पर न तो आक्रमण किया और न ही धर्मांतरण कराने में लिप्त हुए। यह बात उन्होंने यहां 'आर्य युग विषय कोश' की शुरुआत के अवसर पर कही।भागवत ने कहा कि कई आक्रमणकारियों ने भारत को लूटा और दास बनाया और आखिरी बार आक्रमण करने वालों ने भारतीयों के मस्तिष्क को लूटा। उन्होंने कहा, ''हमारे पूर्वज मेक्सिको से साइबेरिया तक गए और दुनिया को विज्ञान व संस्कृति सिखाई। उन्होंने किसी का धर्मांतरण नहीं किया और न ही आक्रमण किया। हम सद्भावना और एकता का संदेश लेकर गए।'' भागवत ने कहा, ''कई आक्रमणकारी आए और हमें लूटा, दास बनाया। आखिरी आक्रमणकारियों ने हमारे मस्तिष्क को लूटा। हम अपनी ताकत ही भूल गए और यह भी भूल गए कि हम दुनिया के साथ क्या साझा कर सकते है।'' उन्होंने कहा, ''आध्यात्मिक ज्ञान अब भी फल-फूल रहा है और आर्यवर्त के वंशज के तौर पर हमारे पास विज्ञान व अस्त्र-शस्त्र, शक्ति व सामर्थ्य, आस्था व ज्ञान है।

गैर-हिंदू से मिले तो बेटियों के पैर तोड़ दो : पूर्व सांसद

नई दिल्ली। पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अभिभावकों को गैर-हिंदुओं से मिलने वाली बेटियों के पैर तोड़ने का विवादास्पद सुझाव दिया है, जिस पर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में कथित धर्मांतरण के मामलों की कम संख्या का हवाला देते हुए भाजपा पर बेवजह नफरत फैलाने का आरोप लगाया है।भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की एक टिप्पणी पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा है कि माता-पिता को अपनी बेटियों को 'गैर-हिंदुओं' के घर जाने से रोकना चाहिए और अगर वे न मानें तो उनकी 'टांगें तोड़ देनी चाहिए'। इस महीने की शुरुआत में भोपाल में एक धार्मिक कार्यक्रम में बोलते हुए, ठाकुर ने माता-पिता से कहा कि अगर उनकी बेटी उनकी मर्जी के खिलाफ कुछ करे तो उसे शारीरिक सजा दें।

● ठाकुर ने क्या कहा?

फेसबुक पर एक वायरल वीडियो में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा, 'अपने मन को पक्का करो, इतना पक्का कि अगर हमारी बेटी हमारी बात नहीं मानती, अगर वह किसी गैर-हिंदू के घर जाती है, तो उसके पैर तोड़ने के बारे में सोचने से पीछे मत हटो।' उन्होंने आगे कहा, 'जो बच्चे बड़ों की बात नहीं मानते और घर से भागने को तैयार रहते हैं... उनके प्रति ज्यादा होशियार रहें। उन्हें अपने घरों से बाहर न निकलने दें। उन्हें पीटकर, समझाकर, प्यार करके या डांटकर रोकें।' ठाकुर ने माता-पिता को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, 'अगर आपको अपने बच्चों की भलाई के लिए उन्हें पीटना पड़े, तो मत हिचकिचाओ। जब माता-पिता ऐसा करते हैं, तो यह उनके बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए होता है; वे उन्हें टुकड़ों में कटकर मरने नहीं देते।'

जैन मंदिर में चोरी के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पालड़ी इलाके में स्थित जैन मंदिर में हुई चांदी चोरी का मामला क्राइम ब्रांच की सक्रियता से सुलझ गया है। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, आरोपियों से पूछताछ जारी है और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। चोरी की घटना 13 अक्टूबर को सामने आई थी। मंदिर के सेक्रेटरी ने पालड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि मंदिर से मुकुट, अंगी, कुंडल और अन्य कीमती सामान चोरी हो गए हैं। शुरुआती जांच में पता चला कि मंदिर के पुजारी मेहुल कुछ समय के लिए सीसीटीवी कैमरे बंद कर रहा था। चोरी के बाद मेहुल राठौड़, सफाई कर्मी किरण और हेतल फरार हो गए।

न्यूज बॉक्स

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.6 करोड़ मूल्य का विदेशी सोना जब्त सफाई कर्मी गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो सफाई कर्मचारियों को 1.6 करोड़ रुपये मूल्य के विदेशी सोने की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला है कि तस्करी गिरोह ने विमान में सोना छिपाने के लिए विदेशी यात्रियों का इस्तेमाल किया था, जिसे बाद में हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने अन्य कर्मचारियों की मदद से बरामद कर लिया। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी एक हवाई अड्डा सेवा कंपनी के कर्मचारी हैं और उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सीमा शुल्क अधिनियम के तहत कुल 24 कैरेट शुद्धता वाला 1.2 किलोग्राम सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.6 करोड़ रुपये है।

नमक हराम के वोट नहीं चाहिए : गिरिराज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर अल्पसंख्यक समुदाय पर तीखी टिप्पणी करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें नमक हराम (गद्दारों) के वोट नहीं चाहिए। भाजपा सांसद ने यह विवादित टिप्पणी शनिवार को बिहार के अरवल जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की।बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने एक पुरानी बातचीत का हवाला देते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, 'एक बार मैंने एक मौलवी से पूछा कि क्या उनके पास आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड है, तो उन्होंने हां में जवाब दिया। जब मैंने पूछा कि क्या ये कार्ड हिंदू-मुस्लिम के आधार पर बांटे जाते हैं, तो उन्होंने ना में जवाब दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मुझे वोट दिया है, तो उन्होंने हां कहा, लेकिन जब मैंने उनसे खुदा की कसम खाने को कहा, तो उन्होंने मना कर दिया कि उन्होंने वोट नहीं दिया। मुसलमान सभी केंद्रीय योजनाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन हमें वोट नहीं देते... ऐसे लोगों को नमक हराम कहा जाता है। मैंने मौलवी साहब से कहा कि मुझे नमक हराम के वोट नहीं चाहिए।'सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू भाजपा नेता ने बताया कि उन्होंने मुस्लिम धर्मगुरु से पूछा था कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें गाली दी है, जिसका जवाब उन्हें 'नकारात्मक' मिला। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैंने उनसे यह भी पूछा कि क्या मैंने उनका अपमान किया है, जिस पर उन्होंने 'नहीं' कहा। फिर मैंने उनसे पूछा कि मेरा क्या कसूर था कि उन्होंने मुझे वोट नहीं दिया। जो दया स्वीकार नहीं करता, उसे 'नमक हराम' कहा जाता है।'

पश्चिमी मिदनापुर में प्रसाद खाने से 150 से अधिक लोग बीमार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पश्चिमी मिदनापुर जिले के दासपुर इलाके में पूजा के दौरान प्रसाद खाने के बाद 150 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात इलाके में सामुदायिक 'मनसा पूजा' थी और बड़ी संख्या में लोग पूजा का प्रसाद ग्रहण करने के लिए एकत्रित हुए थे। प्रसाद ग्रहण करने के बाद, शनिवार रात से ही लोगों को उल्टी और दस्त होने लगे। बीमार पड़ने वालों में कई महिलाएँ और बच्चे भी शामिल थे। लोगों के इलाज के लिए रविवार सुबह से ही एक चिकित्सा शिविर लगाया गया है। प्रशासन के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। हालांकि, दासपुर थाना क्षेत्र के सूरतपुर गांव में भारी हंगामा हुआ। पश्चिम मिदनापुर जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गांव में कई साल से 'मनसा पूजा' होती आ रही है। शनिवार रात पूजा समिति ने श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी का प्रसाद रखा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन सौ से ज्यादा लोगों ने प्रसाद खाया, लेकिन आधे से ज्यादा लोगों को उल्टी और दस्त होने लगे। दासपुर प्रखंड विकास अधिकारी दीपांकर बिस्वास ने बीमार पड़े पीड़ितों के इलाज की व्यवस्था की।

मुंबई से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस से गिरे तीन यात्री, दो की मौत

नासिक। मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से रक्सौल (बिहार) जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में शनिवार देर रात एक दुखद हादसा हुआ। नासिक रोड रेलवे स्टेशन के पास तीन युवक ट्रेन से गिर गए, जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना शनिवार रात करीब 11 बजे की है। कर्मभूमि एक्सप्रेस नासिक रोड स्टेशन को पार कर चुकी थी। इसके कुछ ही देर बाद ओढा रेलवे स्टेशन के प्रबंधक आकाश ने नासिक रोड रेलवे विभाग को सूचना दी कि ढिकले नगर इलाके में ट्रेन के गुजरने के बाद तीन युवक रेलवे ट्रैक पर गिरे हुए पाए गए।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए व्यवसाय में नई-नई योजनाओं को बनाने के लिए रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौंपा जाए, तो आप उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में जमकर मेहनत करेंगे।

वृष : आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। आप किसी भी काम को लेकर ज्यादा टेंशन नहीं लेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। जल्दबाजी के कारण आपका कोई भारी नुकसान हो सकता है।

मिथुन : आज आपको अपनी सेहत पर थोड़ा ध्यान देना होगा, क्योंकि आपको अत्यधिक तले भुने खाने से परहेज हो सकता है। जीवनसाथी को करियर में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा। आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रहेगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों का मान-सम्मान मिलने से खुशियां बढ़ेंगी। आपको किसी सरप्राइज पार्टी के भी मिलने की संभावना है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। मामा पक्ष की तरफ से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। भाई-बहनों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप परिवार के सदस्यों को लेकर कहीं घूमने- जाने की योजना बना सकते हैं।

कन्या : आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहेगा, उन्हें किसी दूसरी नौकरी का भी ऑफर आने की संभावना है। पारिवारिक मामलों को आप घर में रहकर निपटाएंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई के प्रति रुचि जागृत हो सकती है।

तुला : आज आपको कार्यक्षेत्र में अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा और अपनी जिम्मेदारियों को लेकर भी ढील ना बरतें। जीवनसाथी के मनमाने व्यवहार के कारण आप टेंशन में रहेंगे। परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने में आप काफी व्यस्त रहेंगे।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी नई वस्तु की प्राप्ति होगी। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। आप अपने किसी मित्र के कहने में आकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने से बचें।

धनु : आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको कोई अजनबी आपको धोखा दे सकता है। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई बात सोच समझकर कहनी होगी। आप किसी प्रॉपर्टी के काम में अच्छा लाभ लेंगे। आपको किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान देगा।

मकर : आज आपको आपका रुका हुआ धन मिलने से खुशी होगी। आपको अत्यधिक मात्रा में धन मिलने से आपकी खुशियों को चार चांद लगेंगे, लेकिन आप अपने खर्चों को कंट्रोल करें। वाहनों का प्रयोग भी आपको थोड़ा सावधान रहकर करना होगा। आप अपने खाने-पीने की जरूरतों पर पूरा ध्यान देंगे।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के बातों में आकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने के बारे में सोचेंगे। पारिवारिक मामलों में आप ढील बिल्कुल ना दें। आपको किसी पुराने मित्र की याद सता सकती हैं। माताजी आपके लिए कोई सरप्राइस लेकर आएंगी।

मीन : आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। परिवार के सदस्यों के साथ आप कुछ मौजमस्ती भरे पल व्यतीत करेंगे। संतान को कोई सेहत से जुड़ी समस्या हो सकती है। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा।

बिहार में एआईएमआईएम ने उतारे 25 उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने 25 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें मोहम्मद कैफ और अनस सलाम जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। आगामी चुनाव में 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा, जिसकी मतगणना 14 नवंबर को निर्धारित है, जो राज्य की राजनीतिक दिशा तय करेगी।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने रविवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 25 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान 6 नवंबर और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को निर्धारित है।एआईएमआईएम ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एआईएमआईएम उम्मीदवारों के नाम इस प्रकार हैं। इंशाअल्लाह, हम बिहार के सबसे उत्पीड़ित लोगों की आवाज बनने की उम्मीद करते हैं।' पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह सूची एआईएमआईएम की बिहार इकाई द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व के परामर्श से तैयार की गई है। इस सूची में सीवान से मोहम्मद कैफ, गोपालगंज से अनस सलाम, किशनगंज से एडवोकेट शम्स आगाज, मधुबनी से राशिद खलील अंसारी, और अररिया से मोहम्मद मंजूर आलम जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

किसानों की सेवा ही भगवान की सेवा: कृषि मंत्री चौहान

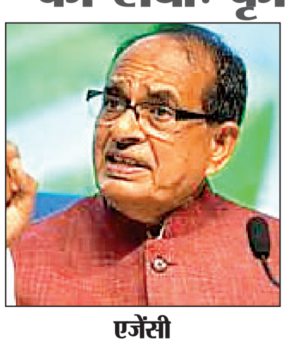

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश के देवरिया में शनिवार को कहा कि किसानों की सेवा ही भगवान की सेवा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर किसान की आय दोगुनी करना हमारा लक्ष्य है। गौरवशाली, आत्मनिर्भर समृद्ध भारत का निर्माण हमारा लक्ष्य है। भारतीय किसानों के हितों से कोई भी समझौता नहीं करेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने देवरिया जिले के पथरदेवा स्थित आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित करते हुए किसानों से अच्छी फसल के लिए अच्छे बीजों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जो लोग खराब बीज बेचते हैं, वे सावधान रहें, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चौहान ने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए भूमि और मिट्टी को संरक्षित किया जाना चाहिए। इसके लिए उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से बचना होगा। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय जनसंघ के नेता दिवंगत रवींद्र किशोर शाही की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने मेले में विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और प्रतिभागी किसानों व विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

बिहार चुनाव को लेकर तैयारी तेज

पहले फेज के लिए 139 और दूसरे चरण के लिए 142 ऑब्जर्वर नियुक्त

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए 282 ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। इनमें छह नवंबर को पहले चरण के लिए होने वाले चुनाव के लिए 121 जनरल और 18 पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। जबकि 11 नवंबर को दूसरे चरण के मतदान के लिए 122 सामान्य और 20 पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा आठ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए भी आठ सामान्य और आठ पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्त की गई है।

चुनाव आयोग ने लिया बड़ा फैसला

चुनाव आयोग ने बताया कि आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20 बी के तहत प्राप्त पूर्ण शक्तियों के तहत केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करता है ताकि आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहायता मिल सके। ECI ने पर्यवेक्षकों को पूरी चुनाव प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी करने और चुनावों का पारदर्शी, स्वतंत्र और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

पर्यवेक्षकों को दिए गए खास निर्देश

पर्यवेक्षकों को राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और मतदाताओं के लिए पूरी तरह से सुलभ रहने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनकी शिकायतों का निवारण किया जाए। पर्यवेक्षकों को मतदान केंद्रों का दौरा करने और मतदाताओं की सुविधा के लिए आयोग द्वारा की गई हाल की पहलों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है।

पहला वनडे- ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7 विकेट से हराया, कप्तान मार्श ने नाबाद 46 रन की पारी खेली

बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत की कमजोर बल्लेबाजी, दूसरा वनडे 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा

एजेंसी । पर्थ

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से हार गई है। बारिश से प्रभावित मैच को जीतने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अक्टूबर को एडिलेड में खेला जाएगा। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने बारिश के कारण तय किए गए 26 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। केएल राहुल ने 38 और अक्षर पटेल ने 31 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 21.2 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रन बनाए। जोश फिलिप ने 37 रन की पारी खेली।

भारत के टॉप-4 बल्लेबाज इस मैच में खास प्रदर्शन नहीं कर सके। रोहित शर्मा 10, विराट कोहली शून्य और कप्तान शुभमन गिल 10 रन बनाकर पावरप्ले के अंदर ही पवेलियन लौट गए। नंबर-4 पर उतरे श्रेयस अय्यर भी 11 रन ही बना सके।

टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी भारतीय पारी में रुक-रुककर बारिश होती रही। इस वजह से 4 बार मुकाबले को रोकना पड़ा। पहली बार मैच 9वें ओवर में रोका गया था। तब तक कप्तान गिल, कोहली और रोहित पवेलियन लौट गए थे। दोबारा खेल शुरू होने पर श्रेयस अय्यर भी पवेलियन लौट गए। जोश हेजलवुड ने विकेटकीपर जोश फिलिप के हाथों कैच कराया।

फिलिपे और रेनेशॉ ने भी किया कमाल

मिचेल मार्श के अलावा बारिश से प्रभावित इस लो स्कोरिंग मैच में जोश फिलिपे ने भी शानदार खेल दिखाया। फिलिपे ने 29 गेंद में 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 37 रनों की उपयोगी पारी खेली। इसके कंगारू टीम के लिए आखिर में मैट रेनेशॉ ने 24 गेंद में 1 सिक्स और 1 फोर के साथ 21 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिए।

प्लेइंग-11

- **भारत :** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज।
- **ऑस्ट्रेलिया :** मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन, जोश हेजलवुड।

लियोनेल मेसी ने जीता 2025 एमएलएस गोल्डन बूट

एजेंसी । नई दिल्ली

इंटर मियामी सीएफ के सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने 2025 एमएलएस गोल्डन बूट का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस सीजन 29 गोल दागकर मेसी लीग के शीर्ष स्कोरर बन गए हैं। यह इंटर मियामी के साथ उनका दूसरा पूरा सीजन है। मेसी ने गोल के साथ-साथ 19 असिस्ट भी किए हैं। वह एलएएफसी के डेनिस बोंगा (24 गोल) और नैशविले एससी के सैम सरिज (24 गोल) को पीछे छोड़ चुके हैं। इंटर मियामी के इतिहास में पहले 'गोल्डन बूट' विजेता मेसी साल 2021 में न्यूयॉर्क सिटी एफसी के वैलेंटिन 'टैटी' कैस्टेलानोस के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले पहले अर्जेंटीनी खिलाड़ी हैं। अर्जेंटीना के इस महान खिलाड़ी ने शनिवार को निर्णायक मैच में नैशविले के खिलाफ 5-2 से जीत में 3 गोल और 1 असिस्ट किए। इस सीजन उनका कुल योगदान 48 गोल और असिस्ट (29 गोल, 19 असिस्ट) हो गया है। यह साल 2019 में एलएएफसी के लिए कार्लोस वेला के एमएलएस रिकॉर्ड 49 से बस थोड़ा ही कम है। अब मेसी लीग के पहले खिलाड़ी बनने की दिशा में हैं, जो लगातार 'एमवीपी अवार्ड' जीतेंगे। मेसी और मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की नंबर 3 सीड हैं, जहां उनका सामना पहले दौर की बेस्ट-ऑफ-3 सीरीज में नंबर-6 नैशविले से होगा। इस साल का एमएलएस कप विजेता 6 दिसंबर को घोषित किया जाएगा। मेसी ने अब अपने शानदार करियर में एमएलएस गोल्डन बूट भी जोड़ लिया है। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लीग के पहले सत्र 1996 से अब तक यह सम्मान हासिल किया है। 1996 से 2004 तक, एमएलएस गोल्डन बूट प्वाइंट सिस्टम के आधार पर दिया जाता था, जिसमें गोल के लिए 2 अंक और असिस्ट के लिए 1 अंक मिलते थे। इसके बाद यह नियम बदलकर केवल गोल की गिनती पर आधारित कर दिया गया।

2 टीमें ने सेफा में मारी एंट्री, 2 स्थान खाली भारतीय टीम को ऐसे मिल सकता है टिकट

एजेंसी । नई दिल्ली

महिला विश्व कप 2025

महिला वर्ल्ड कप 2025 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं बाकी 6 टीमों के पास अभी भी सेमीफाइनल में पहुंचने का चांस है और टीमें इसके लिए जोर आजमाइश कर रही हैं। भारतीय टीम की भी सेमीफाइनल के लिए उम्मीदें जिंदा है। भारत महिला टीम इंग्लैंड के खिलाफ 19 अक्टूबर को खेलेगी। वहीं, भारतीय टीम ने महिला वर्ल्ड कप 2025 में शुरुआत तो बहुत ही अच्छी की थी, जब उसने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार दो मुकाबले जीत लिए। लेकिन फिर उसे साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से हार का मुंह देखना पड़ा। पिछले दोनों मैचों में टीम इंडिया के गेंदबाजी आक्रमण की कलई पूरी तरह से खुल गई।

जापान ओपन में लेयला फर्नांडीज की जीत, करियर के 5वें खिताब पर कब्जा

नई दिल्ली । चौथी वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज ने रविवार को अपना पहला जापान ओपन खिताब जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 18 वर्षीय क्वालीफायर टेरेजा वैलेंटोवा को 2 घंटे 1 मिनट तक चले मुकाबले में 6-0, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ लेयला फर्नांडीज ने करियर का पांचवां और इस वर्ष का दूसरा खिताब जीता है।

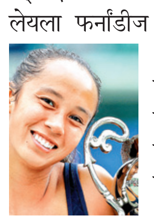

झारखंड ओपन कराटे खिलाड़ियों की तैयारी पूरी

सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता

रांची । आगामी 15 नवंबर से सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड व इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में राँची के बिशप स्कूल में आयोजित दूसरी सिकोकई झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप के लिए मेज़बान टीम रांची के कराटे खिलाड़ियों के तैयारी के रूप में चल रही पहले चरण के सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का समापन इमा के मुख्य प्रशिक्षण केन्द्र संत जोसेफ क्लब में हुआ शिविर के आख़िरी दिन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने खिलाड़ियों को एडवांस कुमिते और काता का प्रशिक्षण दिया जिसमें खिलाड़ियों को अलग अलग तकनीकों से स्कोर करने के तरीक़े बतलाये गए साथ ही विश्व कराटे संघ के नए नियमों की जानकारी दी गई। शिहान सुनील किस्पोट्टा ने बतलाया की सात दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों में खिलाड़ियों की तकनीकों को निखारा गया है खिलाड़ी अपना उम्दा प्रदर्शन कर सकेंगे।

दूसरे चरण का प्रशिक्षण शिविर भी जल्द आयोजित किया जाएगा जिसमें अन्य स्कूलों और क्लबों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के अध्यक्ष संसाइ अनिल किस्पोट्टा आदि ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया है।

धनतेरस के बाद दीपावली बाजार में रौनक, दीयों व पटाखों की बढ़ी मांग

मिट्टी के दीयों की मांग कम, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक लाइट व पटाखों की खरीदारी में वृद्धि

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। धनतेरस के बाद आज दीपावली का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, और बाजारों में रौनक देखने को मिल रही है। शहर के विभिन्न बाजारों में मिठाई की दुकानों से लेकर रंगोली, दीयों, इलेक्ट्रॉनिक लाइट, पटाखे और पूजा की सामग्री की खरीदारी जोर-शोर से चल रही है। मिट्टी के दीयों के विक्रेता हालांकि मायूस नजर आए क्योंकि इस बार उनकी मांग अपेक्षा से कम रही। छोटे दीयों का मूल्य 80 रुपये प्रति सैकड़ा, बड़े दीयों का 150 रुपये प्रति सैकड़ा रखा गया है। बाजार में छोटे कलश 20 रुपये और बड़े 30 रुपये में बिक रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे-छोटे घोड़ों की जोड़ी 80 रुपये की और बड़े घोड़ों की जोड़ी 100 रुपये की मिल रही है। दिए जलाने के लिए करंज तेल की भी अच्छी मांग देखी गई है। वहीं, बाजार में रंग-बिरंगी झिलमिलाती लाइट, झालर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सजावट की चीजें ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रही हैं। इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक लाइट की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। फूलों की माला और कृत्रिम सजावट भी मंदिरों और घरों के सजावट के लिए खरीदी जा रही हैं। पटाखों की दुकानों पर बच्चों और युवाओं की भीड़ लगी हुई है। छोटे बच्चों के बीच फुलझड़ियां, अनार, चकरी और रॉकेट की अधिक मांग है, जबकि बड़े लोगों ने एटम बम, आलू बम और अन्य बड़े पटाखे खरीदे हैं। बाजार में पटाखों की कीमतें 10 रुपये से लेकर 1800 रुपये तक उपलब्ध हैं। कीमतों में वृद्धि के बावजूद खरीदारी अच्छी बनी हुई है क्योंकि हर कोई अपने घर को दीपावली पर रोशनी और आतिशबाजी से सजाना चाहता है। दीपावली के पर्व को सुख-सहूलियत और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए प्रशासन ने बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया है। बाजार क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। सुरक्षा के लिए कई जगह अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था भी की गई है ताकि भारी भीड़ में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

सरकारी अस्पतालों में मेडॉल की जांच सेवा बंद, बढ़ी मरीजों की परेशानी

- **अनुबंध की अवधि पूरी, नए करार के अभाव में ठप हुई कई तरह की जांच**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को सस्ती और सुलभ जांच सुविधा देने वाली मेडॉल कंपनी की सेवा 15 अक्टूबर से बंद हो गई है। राज्य सरकार और मेडॉल के बीच दस वर्षों का अनुबंध समाप्त हो गया है, जिसका अब तक नवीनीकरण नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप पलामू सहित पूरे राज्य के सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजिकल और डायग्नोस्टिक जांच सुविधाएं ठप पड़ी हैं।मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) में मेडॉल द्वारा लगभग चार हजार तरह की जांचें की जाती थीं, जिनमें ब्लड, बायोकेमिकल और पैथोलॉजिकल जांच शामिल थीं। कंपनी लाल कार्डधारी और बीपीएल परिवारों को निशुल्क जांच सुविधा देती थी, जबकि एपीएल मरीजों से सीजीएचएस दर पर शुल्क वसूल किया जाता था। सेवा बंद होने से गरीब और मध्यम वर्गीय मरीजों पर वित्तीय बोझ बढ़ गया है।अस्पताल में जांच बंद होने से निजी जांच केंद्रों का दबदबा बढ़ने की आशंका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब मरीजों को अस्पताल परिसर में मौजूद दलालों के माध्यम से निजी जांच घरों पर निर्भर रहना पड़ेगा।एमएमसीएच स्थित मेडॉल के प्रबंधक नीरज तिवारी ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व झारखंड सरकार के साथ हुए अनुबंध की अवधि पूरी हो गई है। सरकार की ओर से अब तक नई कंपनी को अनुबंध देने या मौजूदा करार के नवीनीकरण पर निर्णय नहीं लिया गया है।अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय कुमार ने बताया कि प्रशासन ने मेडॉल प्रबंधन को पत्र भेजा है और वैकल्पिक व्यवस्था पर काम शुरू कर दिया गया है ताकि मरीजों को निजी जांच केंद्रों का सहारा न लेना पड़े। फिलहाल सरकारी अस्पतालों में जांच व्यवस्था पूरी तरह ठप है, जिससे गरीब मरीजों की परेशानी बढ़ गई है।

हंटरगंज में दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। हंटरगंज प्रखंड के होसिल गांव के समीप रविवार सुबह एक सड़क दुर्घटना ने दीपावली की खुशियां मातम में बदल दीं। संतोष यादव के 19 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार अपने नानी घर प्रतापपुर कारूडीह से वापस अपने घर आ रहा था। इसी दौरान जोरी की तरफ से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी और चालक भाग गया। गंभीर रूप से घायल युवक को स्थानीय लोगों ने तुरंत स्वास्थ्य केंद्र जोरी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए सदर अस्पताल के लिए रेफर किया।लेकिन 108 एम्बुलेंस की अनुपलब्धता के कारण परिजन उसे निजी वाहन से सदर अस्पताल ले गए। वहां से भी चिकित्सकों ने गंभीर हालत के कारण हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही राकेश कुमार ने दम तोड़ दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।मृत्यु की खबर से आक्रोशित ग्रामीणों ने जोरी स्वास्थ्य केंद्र के पास चतरा-डोभी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और फरार वाहन चालक की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग की। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर भी नाराजगी जताई।स्थानीय पुलिस ने फ़रार वाहन की तलाश तेज कर दी है और सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह और हंटरगंज बीडीओ निखिल गौरव भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया।यह दुर्घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर जब सुरक्षा व्यवस्था और एम्बुलेंस सेवा में कमियां सामने आई हैं। प्रशासन से कहा जा रहा है कि ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो इसलिए तत्काल सुधार करें।इस दर्दनाक हादसे ने यह भी सार्वजनिक किया कि ग्रामीण इलाकों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, ताकि ऐसी घातक घटनाओं को रोका जा सके।

जोड़ा खुर्द में रेड क्रॉस ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रविवार को पाटन प्रखंड के राजकीय नवसृजित उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोड़ा खुर्द में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पलामू के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 80 स्थानीय लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाएं प्रदान की गईं।शिविर में रेड क्रॉस पलामू के सचिव डॉ. सत्यजीत गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, विश्वजीत गुप्ता, प्रसेनजीत दास गुप्ता, राजेश्वर सिंह और नवनीत कुमार उपस्थित थे। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पाटन की ओर से डॉ. रंजन कुमार कुशवाहा एवं उनकी टीम ने अपनी सेवाएं दीं।कार्यक्रम में रेड क्रॉस के पदाधिकारियों के साथ पाटन प्रखंड के पूर्व जिला परिषद सदस्य मुक्तेश्वर पांडे और पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार सिंह भी शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांवों में ऐसे शिविर नियमित रूप से लगाए जाने चाहिए।

छठ व्रतियों की सेवा ही है सच्ची आस्था : मोनी

- **व्रतियों को लगत मूल्य से आधे दर पर दूध,नि:शुल्क ईख,प्रसाद पैकेट की दी जाएगी सुविधा**

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर चंदवा बाजार में श्रद्धा और तैयारी का माहौल चरम पर है। इसी कड़ी में युवा व्यवसायी एवं प्रतिष्ठित अन्नपूर्णा बीज भंडार के प्रोप्राइटर अंकित कुमार सह प्रोपराइटर मोनी गुप्ता द्वारा लगातार छठे वर्ष भी छठ व्रतियों की सेवा में निष्ठा और श्रद्धा के साथ योगदान दिया जा रहा है। अन्नपूर्णा बीज भंडार की ओर से इस वर्ष भी व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजन सामग्री पैकेट, ईंख, झोला-थैला और खीर-भोजन हेतु दूध की विशेष व्यवस्था की गई है। संस्था द्वारा इन वस्तुओं को लागत मूल्य से आधे दाम पर एवं कई सुविधाओं को निःशुल्क किया गया है, ताकि अधिक से अधिक व्रती इसका लाभ उठा सकें। अंकित कुमार व मोनी गुप्ता ने बताया कि छठ व्रतियों की सेवा ही सच्ची आस्था की अभिव्यक्ति है। इसी भावना के तहत इस बार 24 अक्टूबर को 101 व्रतियों को निःशुल्क पूजन सामग्री पैकेट (सफेद एवं लाल गेहूं सहित) उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं 26 अक्टूबर को बुध बाजार स्थित अन्नपूर्णा बीज भंडार प्रांगण, भुषाढ़ छठ घाट और नगर छठ घाट पर सुबह आठ बजे से निःशुल्क ईंख (केतारी) वितरण किया जाएगा। साथ ही छठ व्रतियों के लिए खीर-भोजन प्रसाद हेतु पैकेट दूध मात्र 30 रुपए प्रति लीटर के रियायती दर पर उपलब्ध रहेगा। दूध वितरण की व्यवस्था 26 अक्टूबर की सुबह आठ बजे से की जाएगी। दूध की अग्रिम बुकिंग के लिए अन्नपूर्णा बीज भंडार, बुध बाजार चंदवा, सुरभि स्टोर (हिंदुस्तान साइकल के बगल में), न्यू फैशन मोबाइल और राजलक्ष्मी हार्डवेयर को संपर्क स्थल के रूप में निर्धारित किया गया है।

छात्राओं की कला से सजी रंगोली व दीप प्रतियोगिता डॉ. पवन ने जताई सांस्कृतिक शिक्षा की अहमियत

- **शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल में दीपावली कार्यक्रम आयोजित, बच्चों ने दी मनोहारी प्रस्तुतियां**

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह स्थित शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल में 'रंगोली और दीप बनाओ प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने अपनी कला के रंग बिखेरते हुए आकर्षक रंगोलियां बनाई और मिट्टी के दीयों पर नक़्क़ाशी कर अपनी सृजनात्मकता प्रस्तुत की। स्कूल निदेशक डॉ. पवन कुमार ने कहा कि केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और परंपरा से जुड़ाव भी आवश्यक है। इस कार्यक्रम में दीपावली के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला गया।

सांस्कृतिक जागरुकता व भक्ति भावना के विकास के उद्देश्य से हुआ आयोजन

सरस्वती विद्या मंदिर में छठ महापर्व की भव्य झांकियां, छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुति

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर लातेहार में आगामी छठ महापर्व के अवसर पर शनिवार को कक्षा छह से दसवीं तक की छात्राओं द्वारा भव्य झांकियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में सांस्कृतिक चेतना, भक्ति भाव और पारंपरिक मूल्यों के प्रति सम्मान विकसित करना था।विद्यालय की छात्राओं ने सूर्य उपासना और प्रकृति के महत्व को झांकियों के माध्यम से बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। गीत-संगीत और भक्ति भाव से ओतप्रोत इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छठ गीतों और भजनों से पूरा विद्यालय परिसर श्रद्धा और उत्साह के रंग में रंग गया।यह आयोजन बालिका व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी, ओंकार नाथ सहाय, सुरेश ठाकुर, शशिकांत पांडे, राधे श्याम मिश्रा, गोपाल प्रसाद, कपिल देव प्रमाणिक, दीपक दास, रजनी नाग, गीता कुमारी, शिल्पा कुमारी, रूबी सिंह, उपासना कुमारी और नीलम कुमारी समेत सभी आचार्यगण उपस्थित रहे।प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने छात्राओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में भैया-बहन तथा आचार्य बंधु-भगिनी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और छात्राओं के प्रयासों की सराहना की।

शाहपुर में युवक की गोली मारकर हत्या, पुलिस ने शुरू की जांच

पलामू। पलामू जिला के चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नई मुहल्ला में रविवार की रात अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान चैनपुर पठान मोहल्ला निवासी इबरार हजाम (मिस्त्री) के 30 वर्षीय पुत्र हसन अली के रूप में हुई है. घटना रात करीब नौ बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजा मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा दिया है।

पेज एक के शेष

आस्था-विकास के...

उन्होंने भी मुक्त कंठ से जय श्रीराम के उद्घोष किए। रूस, पोलैंड, यूक्रेन, श्रीलंका सहित कई देशों से पहुंचे श्रद्धालु दीपोत्सव देख अभिभूत हो गए। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू घाट पर मां सरयू की विधिवत पूजन के बाद आरती की। इस दौरान उनके साथ कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके बाद राम कथा पार्क पहुंचकर उन्होंने जनता को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि दीपोत्सव का यह 9वां संस्करण उत्तर प्रदेश की नई पहचान है। सीएम योगी ने वहां मौजूद रामभक्तों से स्मार्टफोन की लाइट जलाकर 'जय श्रीराम' का उद्घोष करने को कहा, जिससे पूरा पार्क ज्योति से जगमगा उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले जो लोग आस्था का मजाक उड़ाते थे, राम भक्तों और कारसेवकों से पटी अयोध्या की गलियों को लहूलुहान करते थे, आज उन्हें 26 लाख 17 हजार से अधिक दीपों की यह रोशनी चुभ रही है। ये दीप स्थानीय प्रजापति और कुम्हार समुदाय के परिश्रम से बने हैं, जो रोजगार का स्रोत भी हैं। लेकिन रामद्रोही इसे पचा नहीं पा रहे। सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर पहला दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य उन्हें मिला। रामलला का भव्य मंदिर भारत की आस्था का सम्मान है, जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। सीएम योगी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश अंधकार से उजाले की ओर बढ़ रहा है। दीपोत्सव जनता के सहयोग से वैश्विक पहचान बना रहा है। सरकार बिना रुके, बिना झुके विकास की यात्रा जारी रखेगी। भारत एक रहेगा, तो कोई आस्था का अपमान नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालु इस कार्यक्रम के साक्षी बने, जो संतों, अधिकारियों और सलाहकारों की मेहनत का नतीजा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेशवासियों को दीपोत्सव व दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

दिव्य नजारे से...

अयोध्या भले ही दिल्ली जैसा बड़ा शहर नहीं है, लेकिन यहां आकर हमें बहुत शांति और प्रसन्नता मिली। यूक्रेन से आई नतालिया ने कहा कि यहां के लोग बेहद मिलनसार हैं। अयोध्या को देखकर मुझे बहुत अद्भुत अनुभव हुआ। यह स्थान शांति और सकारात्मकता से भरा है। नतालिया ने बताया कि उन्होंने पहले कभी इतना बड़ा सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन नहीं देखा। दीपों का यह समुद्र उन्हें किसी स्वर्गिक दृश्य जैसा लगा। पोलैंड से आई एक अन्य अतिथि ने कहा, मैं यहां पहली बार आई हूं। अयोध्या आकर मुझे बहुत अच्छा लगा। मैं यहां की भक्ति और लोगों के प्यार से बहुत इंप्रेस हूं। उन्होंने 'जय श्रीराम' का उद्घोष भी किया। उनकी आवाज में भक्ति और उत्साह का ऐसा सम्मिश्रण था कि आसपास मौजूद भारतीय श्रद्धालु भी भावविह्वल हो उठे।

चौपाटी रेस्टोरेंट के...

सुनकर रेस्टोरेंट की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर मौके से फरार हो चुके थे। घायल विजय को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर, सूचना मिलते ही रांची पुलिस के वरीय अधिकारी, फॉरेंसिक टीम और ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने रेस्टोरेंट से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गोली चलाने वाले युवक कौन थे। क्या यह विवाद केवल खाने के मुद्दे पर हुआ, या इसके पीछे कोई और रंजिश थी। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के अनुसार, मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एफजेसीसीआई ने कारोबारी...

पुलिस प्रशासन की तत्परता के बावजूद राजधानी में दिनदहाड़े हत्या और गोलीकांड जैसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि अपराधियों में प्रशासन का भय व्याप्त नहीं है। जिला पुलिस प्रशासन को अपराधियों में खौफ बनाने के लिए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। चैंबर भवन में संपन्न हुई बैठक में अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग और कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल उपस्थित थे।

पुलिस मुठभेड़ में...

सूचना के आधार पर पुलिस की टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, अभिषेक ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में अभिषेक को गोली लगी है। वहीं इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकाने पर लगातार ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

गोड्डा में पानी...

भारी मात्रा में कंक्रीट और लोहे की रॉड बच्चों पर आ गिरी। ग्रामीणों ने शोर मचाकर बच्चों को मलबे से बाहर निकाला और तुरंत गोड्डा सदर अस्पताल पहुंचाया। हादसे की खबर मिलते ही गोड्डा उपायुक्त अंजलि यादव और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों का हाल जाना और परिजनों को सरकारी सहायता एवं हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। उपायुक्त अंजलि यादव ने कहा कि मामले में लापरवाही या तकनीकी खामी पाई गई, तो जिम्मेदार लोगों और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी मुकेश कुमार भी जांच में सक्रिय हैं।

रांची में ब्राउन...

पुलिस सूत्रों के अनुसार, ब्राउन शुगर की तस्करी बिहार के सासाराम जिले से की जा रही थी। इस मामले में दो अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। साथ ही, नशीले पदार्थों के मुख्य सप्लायर पर भी कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

चिनियां में भैंस...

ताकि सच्चाई छुपाई जा सके। पुलिस ने आरोपियों रोहित कुमार यादव, संतोष यादव और कोमल यादव को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल तीन लाठियां, कपड़े, मोबाइल और चप्पल बरामद किए हैं। अन्य आरोपियों की खोज जारी है।डीएसपी और पुलिस टीम ने बताया कि छापे और गिरफ्तारियों के साथ मामले की सघन जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नो किंग : अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन...

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 2700 जगहों पर जुटे 70 लाख लोग

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका की सड़कों पर राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लाखों लोग सड़क पर उतर चुके हैं। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन करने के लिए अमेरिकी की जनता सड़क पर मार्च कर रही है। इस दौरान अमेरिका के 2700 स्थानों पर 70 लाख से ज्यादा लोग ट्रंप की नीतियों, खासकर उनके ट्रांसजेंडर विरोधी बयान और अन्य विवादास्पद फैसलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

ट्रंप के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा : ट्रंप के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है। इस विशाल विरोध प्रदर्शन में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और नागरिक समूहों ने भाग लिया, जिसमें महिलाओं के अधिकारों के लिए कार्य करने वाले संगठनों से लेकर पर्यावरण कार्यकर्ता और ट्रंप प्रशासन की नीतियों के विरोधी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के शासनकाल की आलोचना करते हुए 'अब और नहीं' (No more) और 'हमें बदलाव चाहिए' जैसे नारे लगाए। इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ बढ़ते असंतोष और उनके द्वारा उठाए गए निर्णयों के विरोध में किया गया था।

ट्रांसजेंडरों के अधिकारों के खिलाफ उठाए कदमों से घिरे ट्रंप

यह विरोध प्रदर्शन ट्रंप की विभिन्न नीतियों के खिलाफ है। इसमें विशेष रूप से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों के खिलाफ उठाए गए उनके कदमों और उनके कार्यकाल के दौरान किए गए अन्य विवादास्पद कार्यों ने देशभर में गहरे विरोध को जन्म दे दिया है। शामिल मुद्दों में गर्भपात के अधिकारों पर प्रतिबंध, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ की गई नीतियां, और सामाजिक असमानताओं में वृद्धि भी प्रमुख हैं।

ट्रप पर लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमले का आरोप

न्यायपालिका में ट्रंप द्वारा नियुक्त किए गए न्यायधीशों के फैसलों और संघीय पुलिस के कुछ आक्रामक कदमों के विरोध में कई संगठनों ने मिलकर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। एक ओर जहां प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ट्रंप के शासन में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला हो रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन ने इन विरोधों को "राजनीतिक साजिश" और "सामाजिक असंतोष फैलाने की कोशिश" के रूप में प्रस्तुत किया। इसे 'नो किंग्स प्रोटेस्ट' नाम दिया गया है। यानि अब ट्रंप की तानाशाही नहीं चलेगी का नारा लगाया जा रहा है।

विरोध-प्रदर्शन से देशभर में बदलाव की मांग बुलंद

यह प्रदर्शन न केवल एक राजनीतिक है, बल्कि यह देशभर में बदलाव की मांग और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए एक बुलंद आवाज के रूप में उभरा है। अमेरिका के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक हर जगह लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस विशाल आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ असंतोष बढ़ता जा रहा है। यह विरोध प्रदर्शन अमेरिका में ट्रंप के शासनकाल की सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है, जो निश्चित रूप से आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अमेरिका ने किया चीन पर बड़ा हमला, बीजिंग के राष्ट्रीय समय सेंटर को हुआ भारी नुकसान

एजेंसी । बीजिंग

अमेरिका ने चीन पर बड़ा हमला किया है। इस हमले में चीन के नेशनल टाइम सेंटर को भारी नुकसान पहुंचा है। चीन ने रविवार को इस हमले के पीछे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (NSA) को जिम्मेदार ठहराया है। बीजिंग के अनुसार उसके राष्ट्रीय समय केंद्र पर बड़ा साइबर हमला किया गया है। चीन के अनुसार यह अमेरिका का साइबर हमला है।

चीन ने आरोप लगाया कि अमेरिका के इस साइबर हमले से उसके नेटवर्क संचार, वित्तीय और विद्युत प्रणालियों को भारी नुकसान पहुंच सकता था। मगर चीनी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क थीं, इससे कोई बड़ा नुकसान होने से रोक लिया गया। चीन के इस आरोप से अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने की आशंका है।

जारी तनाव में हो सकती है और वृद्धि

पश्चिमी सरकारों ने हाल के वर्षों में आरोप लगाया है कि चीनी सरकार से जुड़े हैकर्स ने अधिकारियों, पत्रकारों, कंपनियों और अन्य को निशाना बनाया है। मगर अब चीन के इस बयान से वाशिंगटन और बीजिंग के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी और ताइवान मुद्दों पर पहले से जारी तनाव में और वृद्धि हो सकती है। अमेरिकी दूतावास ने तत्काल इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की।

चीन ने लगाया अमेरिका पर आरोप

चीन के राष्ट्रीय समय केंद्र का जिम्मा चीन का मानक समय उत्पन्न और वितरित करने का है। साथ ही यह संचार, वित्त, बिजली, परिवहन और रक्षा जैसे उद्योगों को समय निर्धारण सेवाएं भी प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि उसने केंद्र को जोखिमों को समाप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मंत्रालय ने कहा, "अमेरिका दूसरों पर वही आरोप लगा रहा है जो वह खुद करता है, और लगातार चीनी साइबर खतरों के बारे में दावे बढ़ा रहा है।

बलूचिस्तान में मीथेन गैस की चपेट में आने से चार कोयला खनिकों की मौत

क्वेटा । बलूचिस्तान के डुकी और चामलांग में दो अलग-अलग घटनाओं में चार कोयला खनिकों की मौत हो गई। मजदूरों की मौत की वजह सांस में मीथेन गैस की मौजूदगी को बताया गया है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों की पहचान अफगानिस्तान के निवासियों के रूप में हुई है। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक 'डॉन' के अनुसार, मृतक शनिवार को हुए हादसों के समय डुकी और चामलांग स्थित कोयला खदानों में काम कर रहे थे।

भारत में ईरान के राजदूत डॉ इराज इलाही का कार्यकाल खत्म

बोले- हमेशा घर जैसा महसूस हुआ

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में ईरान के राजदूत डॉ. इराज इलाही का कार्यकाल पूरा हो गया।

इस दौरान उन्होंने भारत के लिए बेहद खास संदेश लिखा है। यह जानकारी भारत में ईरान के दूतावास के एक्स हैंडल प दी गई। इराज इलाही को सितंबर 2023 में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था। नई दिल्ली में इस्लामी गणराज्य ईरान के पूर्व राजदूत डॉ. इराज इलाही ने भारत में अपने मिशन के समापन अवसर पर कहा, "दयालु और कृपालु ईश्वर के नाम पर, भारत में अपने राजनयिक मिशन के समापन पर, मैं इस खूबसूरत धरती से अनमोल और अविस्मरणीय यादें लेकर जा रहा हूं। अपने प्रवास के दौरान मुझे भारत के स्नेही और विनम्र लोगों के बीच हमेशा घर जैसा महसूस हुआ।

पेरिस के लूव्र संग्रहालय में बड़ी चोरी ऐतिहासिक खजाना लूटा, म्यूजियम बंद

एजेंसी । पेरिस

फ्रांस की राजधानी पेरिस के लूव्र म्यूज़ियम में रविवार को दिनदहाड़े एक बड़ी दुस्साहसिक डकैती का शिकार हो गया। इस दौरान नेपोलियन और जोसेफीन से जुड़े आभूषण भी चोरी हो गए। इससे न केवल आगंतुक, बल्कि म्यूज़ियम के अधिकारी भी हैरान रह गए। यह घटना दिनदहाड़े हुई और म्यूज़ियम को तुरंत खाली कर दिया गया। चोरों ने नेपोलियन और जोसेफीन से जुड़ी कीमती आभूषणों को चोरी करके फरार हो गए। इस डकैती के बाद म्यूज़ियम को बंद कर दिया गया और पुलिस जांच में जुट गई है।

दिनदहाड़े कैसे डाली डकैती : फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चोरों ने म्यूज़ियम में घुसने के लिए एक अत्यंत योजनाबद्ध तरीका अपनाया। म्यूज़ियम के पास स्थित सीन नदी के पास एक सेवा क्षेत्र से वे अंदर दाखिल हुए और फिर स्कूटरों पर बैठकर ए6 मोटरवे की ओर भाग गए। यह डकैती पूरी तरह से संगठित और योजनाबद्ध थी, जिसके कारण किसी भी तरह की शारीरिक चोट या संघर्ष की सूचना नहीं मिली है। डकैती के दौरान लूटे गए आभूषणों में नौ ऐतिहासिक वस्तुएं शामिल थीं, जिनका सीधा संबंध नेपोलियन बोनापार्ट और उनकी पत्नी जोसेफीन से था। इनमें तियारा, ब्रोच और अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं।

अमेरिका की चेतावनी के बाद हमास बोला हमले का बहाना खोज रहा है इजरायल

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हमास गाजा में आम नागरिकों पर हमला करके युद्धविराम उल्लंघन कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तो गाजा के लोगों की सुरक्षा और संघर्षविराम को बनाए रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। अमेरिका की इस चेतावनी के बाद रविवार को फिलिस्तीनी गुट हमास ने सफाई दी। अमेरिकी राष्ट्रपति के योजना के मुताबिक 10 अक्टूबर से हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम हो गया था, लेकिन जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह तूफान से पहले की शांति साबित हो सकता है।हमास ने रविवार को कहा कि अमेरिका के आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। वह संघर्षविराम के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इजरायल समझौता का बार-बार उल्लंघन कर रहा है। हमास का कहना है कि यह फिलिस्तीनियों के खिलाफ आक्रमण को जारी रखने के लिए एक मौका बनाने की कोशिश हो सकती है।

म्यूनिख हवाई अड्डे पर मंडराए संदिग्ध ड्रोन, अस्थाई रूप से फ्लाइटों का संचालन बंद

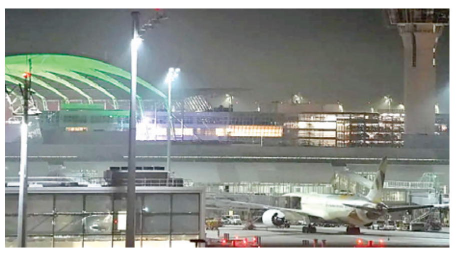

एजेंसी । म्यूनिख

जर्मनी के म्यूनिख हवाई अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों के कारण हड़कंप मच गया। इसके चलते एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से बंद दिया गया। इससे दर्जनों फ्लाइटें प्रभावित हुईं। संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से एयरपोर्ट प्रबंधन समेत यात्रियों में भी अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। यह घटना शनिवार की रात को रिपोर्ट की गई। अचानक जर्मनी के म्यूनिख हवाई अड्डे को ड्रोन गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, लेकिन इसे आधी रात से पहले फिर से खोल दिया गया। संघीय पुलिस ने यह जानकारी दी कि हवाई अड्डे को सुरक्षा कारणों से बंद किया गया था।

सुरक्षा के चलते रोकी गई उड़ानें : हवाई अड्डा सूत्रों के मुताबिक शनिवार रात लगभग 10 बजे और फिर 11 बजे के आसपास संदिग्ध ड्रोन गतिविधि देखी गई थी। इन घटनाओं की सूचना सुरक्षा अधिकारियों, हवाई अड्डे के कर्मचारियों और संघीय पुलिस ने दी थी, जिन्होंने "संदिग्ध वस्तु" देखे जाने की पुष्टि की। इसके बाद, हवाई अड्डे ने सुरक्षा उपायों के तहत उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी थीं। रविवार को हवाई अड्डा अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन गतिविधियों का उड़ानों और यात्रियों पर मामूली असर पड़ा। तीन उड़ानों के मार्ग में बदलाव किया गया, जिनमें से दो बाद में म्यूनिख में उतरने में सफल रहीं, जबकि एक उड़ान को रद्द कर दिया गया।

ईरान ने बढ़ाई अपनी ताकत, दो बैलिस्टिक मिसाइल हमले के लिए तैयार

एजेंसी । तेहरान

ईरान की राजधानी तेहरान पर इजरायली हमले के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपनी दो स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइलों और इजरायल के साथ 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान क्षतिग्रस्त लॉन्चरों का अनावरण किया है। यह जानकारी सरकारी आईआरआईबी टीवी की एक रिपोर्ट में दी गई है। आईआरजीसी के एयरोस्पेस बलों से संबंधित ये मिसाइलें और लॉन्चर, आईआरआईबी द्वारा प्रसारित एक वीडियो रिपोर्ट में दिखाए गए, जिसमें आईआरजीसी के दो मिसाइल ठिकानों को दिखाया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने जो बैलिस्टिक मिसाइलें तैयार की है, इनके नाम इमाद और कद्र हैं। कद्र को इलेक्ट्रॉनिक युद्ध रोधी उपकरणों से लैस किया गया है।

आखिरकार वो आ ही गया!

परिणीति-राघव ने किया बेटे का स्वागत, दिवाली से पहले ही खुशियों से भरा घर...

पूरा देश दिवाली के जश्न बिजी है, इस दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के घर में दिवाली से पहले खुशियां आ गई है। परिणीति और राघव ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे इस जोड़े ने 19 अक्टूबर को अपने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी शेयर की। परिणीति चोपड़ा के दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती होने की खबर आज सुबह ही आई। हाल ही में इंस्टाग्राम पर कपल ने नीले रंग की ग्राफ़िक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "आखिरकार वो आ ही गया! हमारा लाडला, और हमें सचमुच पहले की जिंदगी याद ही नहीं! बाहें भरी हैं, दिल और भी भरे हैं। पहले हम एक-दूसरे के साथ थे, अब हमारे पास सब कुछ है। शुक्रिया, परिणीति और राघव।

फैंस ने दी ढेर सारी बधाईयां : जैसे ही इस कपल ने खुशखबरी शेयर की वैसे ही फैंस ने इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। बधाईयों के संदेश आने लगे। एक ने लिखा, "ओमजी, अब जश्न मनाने का एक कारण है! हम आपके और आपके परिवारों के लिए बहुत खुश हैं।

25 अगस्त को की थी प्रेग्नेंसी की घोषणा

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 25 अगस्त 2025 को आधिकारिक तौर पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। इस जोड़े ने एक मनमोहक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें "1 + 1 = 3" से सजा एक केक और छोटे पैरों के निशान थे। इसके बाद इंस्टाग्राम पर एक वीडिया आया था जिसमें परिणीति अपने पति राघव चड्ढा का हाथ थामे एक पार्क में टहल रही थीं।